रांची, रविवार
13:08:2023
web: www.rashtriyakhabar.com

देश/विदेश 11 सभी कुकी विधायकों ने कहा, हमें विदेशी .. .. ..
झारखंड 9 पंचायत के लाभुकों को उनके .. .. ..
अभिव्यक्ति 5 मैं ना बोलू ना बोलू ना बोलू रे.. .. ..
गणपथः पार्ट 1 में नजर
10

अखबार जो बदल दे नजरिया
राष्ट्रीय ख़बर हमारी नज़र
पेज ›› 12 मूल्य ›› 3 रुपये ›› वर्ष ›› 14 अंक ›› 221 epaper.rashtriyakhabar.com श्रावण (अधिक), कृष्णपक्ष द्वादशी, विक्रम संवत 2080

विदुर नीति

एकः स्वादु न भुञ्जीत एकश्चार्थान्न चिन्तयेत्।

एको न गच्छेद्ध्वानं नैकः सप्तेषु जाग्रयात्॥

भावार्थ : कभी एक को ही स्वादिष्ट भोजन नहीं करना चाहिए, अकेले को बहुत से अर्थों पर विचार नहीं करना चाहिए, एक को ही यात्रा नहीं करनी चाहिए तथा बहुत से सोनेवालों के बीच एक को या अकेले नहीं जागना चाहिए।

रांची पारा अपडेट

मैक्सिमम	मिनीमम
29.00 °C	24.00 °C

सूर्यास्त (आज) ›› 18 .23 बजे
सूर्योदय (कल) ›› 05 .23 बजे

चीन फिर से जापान के साथ दोस्ती के लिए तैयार

बीजिंगः चीन और जापान दोनों देशों के बीच शांति तथा मित्रता की संधि की शनिवार को 45वीं वर्षगांठ पर चीन जापान के साथ संधि की भावना पर फिर से काम करने और शांति एवं दोस्ती कायम करने के लिए प्रतिबद्ध है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने शनिवार को यह जानकारी दी। चीन और जापान के बीच आज शांति एवं मित्रता की संधि की 45वीं वर्षगांठ है। प्रवक्ता ने कहा, पैंतालीस साल पहले, चीन और जापान ने दोनों देशों के बीच शांति और मित्रता की संधि पर हस्ताक्षर किए थे। यह संधि शांति, मित्रता और सहयोग के लिए दोनों देशों की प्रतिबद्धता व्यक्त करती है। प्रवक्ता ने कहा, पिछले 45 वर्षों में, चीन-जापान संबंधों ने एक लंबा सफर तय किया है, जिससे दोनों लोगों का संबंध और अधिक मजबूत हुआ है और क्षेत्र तथा उससे आगे की समृद्धि और स्थिरता में योगदान मिला है।

भारत-पाकिस्तान को बातचीत शुरू करने के लिए ईमानदार होना होगा : फारूक

श्रीनगरः नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष एवं सांसद डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि भारत और पाकिस्तान को सभी मुद्दों पर समाधान के लिए बातचीत शुरू करने में ईमानदारी का परिचय देना होगा। डॉ अब्दुल्ला ने आज यहां यहां संवाददाताओं से भारत और पाकिस्तान के लिए सभी मुद्दों को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने के लिए बातचीत ही एकमात्र रास्ता है। उन्होंने कहा, जब तक दोनों देश ईमानदारी नहीं दिखाते, तब तक जम्मू कश्मीर में सीमा पर्यटन सब दिखावा है। आप देख रहे हैं कि वहां आतंकवाद है। गोलियां चलायी जा रही हैं तथा सैनिक और आम लोग अभी भी मारे जा रहे हैं। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री रहे डॉ अब्दुल्ला ने कहा कि सभी मुद्दों को बातचीत से सुलझाया जा सकता है. आप देख रहे हैं कि युद्ध ने यूक्रेन का क्या किया। अमेरिका को कुछ नहीं हुआ । यूरोप आर्थिक रूप से टूट रहा है। कौन मारा जा रहा है, केवल यूक्रेन के लोग।

भूस्खलन से 600 वर्ष पुराने नालागढ़ किले का एक हिस्सा धराशायी

सोलनः 15वीं शताब्दी में राजा बिक्रम चंद द्वारा हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले के नालागढ़ में निर्मित किले का एक हिस्सा इस क्षेत्र में भारी बारिश के चलते शुक्रवार को धराशायी हो गया। बारिश से किले के पिछले हिस्से के चार कमरों को भारी नुकसान हुआ। क्षेत्र में भारी बारिश होने के कारण किले के एक हिस्से के नीचे की जमीन धंस गई और इसका मलबा नीचे सड़क पर आ गिरा। गनीमत यह रही कि मलबे और पत्थरों की चपेट में कोई वाहन या व्यक्ति चपेट में नहीं आया अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। भूमि कटाव होने के कारण अब समूचे किले को ही बड़ा खतरा पैदा हो गया है। हादसे में किले को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। हरिटेज किले रेसार्ट के प्रबंधकों के अनुसार घटना शुक्रवार को 11 बजे तेज बारिश के बाद हुई जिसमें देखते ही देखते चार कमरे ढह गए। होटल प्रबंधकों को कमरों से सामान निकालने का भी मौका नहीं मिला।

हवाई दावानल में मरने वालों की संख्या 80

माउईः अमेरिका के हवाई राज्य के सबसे बड़े द्वीप हवाई के माउई में लोगों को सुरक्षित निकालने का काम शुरू किया गया है और आग की लपटें कानापाली शहर के करीब पहुंच रही हैं। अमेरिकी राज्य के इतिहास की सबसे घातक प्राकृतिक आपदा में अब तक 80 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। सैकड़ों लोगों के लापता होने की सूचना है और मृतकों की संख्या अभी भी बढ़ सकती है। हवाई के अटॉर्नी जनरल ने इस बात की व्यापक समीक्षा की घोषणा की है कि अधिकारियों ने जंगल की आग पर कैसे प्रतिक्रिया दी क्योंकि सवाल उठ रहे हैं कि क्या अधिकारियों ने निवासियों को पर्याप्त और शीघ्र चेतावनी दी थी। अधिकारियों ने बताया कि स्थिति से निपटने के लिए पुलिस को बुलाया गया है।

अपरिहार्य कारणों से आज का अंक 12 पृष्ठों का है। पाठकों की असुविधा के लिए हमें खेद है।

जनसभा मंदिर के समारोह में भी चुनावी मोड में दिखे पीएम

इसका लोकार्पण करने मैं ही आऊंगा : मोदी

- डेढ़ साल में पूरा होगा निर्माण कार्य
- रविदास मंदिर 11 एकड़ जमीन पर
- दस हजार वर्गफीट में होगा मंदिर

राष्ट्रीय खबर

सागरः अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव के पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज पूरे आत्मविश्वास से कहा कि मध्यप्रदेश के सागर जिले में संत रविदास के भव्य स्मारक के भूमिपूजन के बाद अब अगले एक से डेढ़ वर्ष में ये स्मारक बन कर तैयार हो जाएगा और उस समय भी इसके लोकार्पण के लिए वे (स्वयं श्री मोदी) ही आएंगे। श्री मोदी सागर जिले के बड़तूमा में संत रविदास के भव्य स्मारक के भूमिपूजन के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र खटीक, ज्योतिरादित्य सिंधिया, प्रहलाद पटेल और भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष और लोकसभा सांसद विष्णुदत्त शर्मा भी उपस्थित रहे। श्री मोदी ने कहा कि देश की साझी संस्कृति को समृद्ध करने हेतु संत रविदास स्मारक एवं संग्रहालय की नींव पड़ी। उन्होंने कहा कि वे संत रविदास की जन्मस्थली बनारस से सांसद भी हैं। उन्हें संत रविदास के आशीर्वाद से ही स्मारक के भूमिपूजन का अवसर मिला। अगले एक से डेढ़ साल में ये मंदिर बन कर तैयार हो जाएगा और उसका लोकार्पण करने भी वे (श्री मोदी स्वयं) ही आएंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस स्मारक के निर्माण के लिए मुख्यमंत्री श्री चौहान और प्रदेश सरकार का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि प्रेरणा और प्रगति जब एक साथ मिलते हैं तो नए युग की नींव पड़ती है। आज मध्यप्रदेश इसी ताकत के साथ आगे बढ़ रहा है।

मोदी ने विभिन्न सम्प्रदायों के साधु-संतों का अभिवादन किया

सागर जिले के बड़तुमा में 11 एकड़ भूमि पर लगभग 100 करोड़ की लागत से आकार लेने वाले संत शिरोमणी श्री रविदास के स्मारक और मंदिर का वैदिक मंत्रोचार के साथ भूमिपूजन कर शिलान्यास किया। उन्होंने शिला-पट्टिका का अनावरण भी किया और मंदिर की प्रतिकृति का अवलोकन भी किया। भूमिपूजन से पहले श्री मोदी ने विभिन्न सम्प्रदायों के साधु-संतों का अभिवादन किया। इसी के साथ प्रदेश के पांच स्थानों से प्रारंभ की गई समरसता यात्रा का भी आज समापन हो गया। फरवरी माह में ही मुख्यमंत्री श्री चौहान ने समरसता के प्रणेता श्री संत रविदास जी के भव्य और दिव्य रूप में स्मारक और मंदिर निर्माण कराने की घोषणा की थी। प्रधानमंत्री द्वारा आज किए गए शिलान्यास के बाद अब यहां भव्य और अलौकिक मंदिर बनेगा। यह मंदिर नागर शैली में 10 हजार वर्ग फुट में बनेगा। यहां इंटरप्रिटेशन म्यूजियम भी बनेगा। संस्कृति और रचनात्मक के साथ संत रविदास के कृतित्व-व्यक्तित्व को प्रदर्शित करने वाला संग्रहालय भी इस परिसर में बनेगा।

श्री मोदी ने संत रविदास के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे मुगलों के कालखंड के दौरान जन्मे थे। उन्होंने उत्पीड़न और अत्याचार के खिलाफ समाज को जाग्रत किया। उस समय हमारी आस्था

›› पेज 2 भी देखें

अन्य संगठनों ने कहा म्यांमार के शरणार्थी मिजोरम में शांतिपूर्वक है

कांग्रेस ने कहा डबल इंजन की सरकार पूरी तरह फेल

- घुसपैठियों के होने का सबूत दें गृह मंत्री शाह
- तीन लेखकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी
- टीएमसी ने कहा हिंसा में केंद्र की भागीदारी है

भूपेन गोस्वामी

गुवाहाटी : मणिपुर के 10 कुकी विधायकों ने लोकसभा में दिए बयान के बाद राजनीति फिर से गरमा गयी है। अमित शाह ने मणिपुर में जातीय हिंसा को म्यांमार से आ रहे शरणार्थियों से जोड़ा था। मणिपुर के इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम ने भी शाह के बयान की आलोचना की है। सभी पक्षों ने केंद्रीय गृह मंत्री से म्यांमार से राज्य में आने वाले कथित अवैध घुसपैठियों का ब्यौरा और हिंसा में उनके शामिल होने के सबूत देने की मांग की। विधायकों ने कहा कि हमारे लोगों का जातीय सफाया आदिवासी जमीन को हड़पने के उद्देश्य से एक पूर्व नियोजित हमला है। मणिपुर के इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरमह्न (आईटीएलएफ) ने एक अलग बयान जारी कर अमित शाह के बयान पर निराशा जाहिर की है।

आईटीएलएफ ने कहा कि मिजोरम ने म्यांमार से आए 40,000 से अधिक शरणार्थियों और मणिपुर से विस्थापित लोगों का स्वागत किया है और यह अभी भी भारत का सबसे शांतिपूर्ण राज्य है। आईटीएलएफ ने कहा कि शरणार्थियों पर ऐसा संघर्ष शुरू करने का आरोप लगाना बिल्कुल गलत है। अपने समुदायों द्वारा सामना किए जा रहे तनाव और हमलों के बीच, कुकी-जोमी-हमार विधायकों ने एक संयुक्त बयान जारी कर केंद्रीय गृह मंत्रालय से म्यांमार से कथित अवैध घुसपैठियों पर विस्तृत जानकारी प्रदान करने का आग्रह किया। भाजपा के कुकी विधायक और मणिपुर पुलिस ने औपचारिक रूप से तीन प्रमुख हस्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की हैः जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के दो सहायक

›› पेज 2 भी देखें

फर्जी डिग्री मामले में केजरीवाल और संजय सिंह को राहत नहीं

राष्ट्रीय खबर

अहमदाबादः पीएम मोदी डिग्री विवाद में गुजरात हाई कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल और संजय सिंह के खिलाफ मानहानि मामले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। चूंकि केजरीवाल और सिंह ने मजिस्ट्रेट अदालत के समक्ष अपनी उपस्थिति का आश्वासन देते हुए एक शपथ पत्र दायर किया था, इसलिए उन्हें अहमदाबाद में कार्यवाही के लिए व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहना होगा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और सांसद संजय सिंह को झटका देते हुए, गुजरात उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र की शैक्षणिक डिग्री से संबंधित मुद्दे पर गुजरात विश्वविद्यालय को कथित रूप से बदनाम करने के लिए उनके खिलाफ शुरू की गई कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति समीर दवे ने कहा, अंतरिम राहत के लिए कोई मामला नहीं बनता। यह आदेश केजरीवाल की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मिहिर जोशी की संक्षिप्त दलीलें सुनने के बाद पारित किया गया। जोशी ने कहा कि उनके मुवक्किल को, एक संवैधानिक पदाधिकारी होने के नाते, समन मामले में मजिस्ट्रेट कोर्ट के समक्ष व्यक्तिगत उपस्थिति देने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता है। उन्होंने तर्क दिया कि सत्र अदालत, जिसे मजिस्ट्रेट अदालत द्वारा जारी समन आदेश के खिलाफ उनके पुनरीक्षण आवेदन के साथ जब्त कर लिया गया है, को पहले पुनरीक्षण आवेदन पर फैसला करना होगा और उसके बाद ही मजिस्ट्रेट अदालत के समक्ष आगे की कार्यवाही आगे बढ़ सकती है। दूसरी ओर, वरिष्ठ अधिवक्ता और लोक अभियोजक मिथेश अमीन ने इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि मजिस्ट्रेट अदालत ने केजरीवाल और सिंह को दो बार व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट दी थी। 26 जुलाई को, उन्होंने अदालत को एक वचन दिया कि वे 11 अगस्त को उसके समक्ष उपस्थित होंगे। आज 11 अगस्त है। उन्होंने अपने स्वयं के वचन का सम्मान नहीं किया है। अदालत को दिए गए वचन का सम्मान किया जाना चाहिए। इसलिए, न्यायमूर्ति दवे ने जोशी से जानना चाहा कि क्या उनका मुवक्किल मजिस्ट्रेट अदालत के सामने पेश होने के लिए तैयार है,

›› पेज 2 भी देखें

बाइडन को जान से मारने की धमकी देना वाला मारा गया

वाशिंगटनः अमेरिकी एजेंसी एफबीआई की एक कार्रवाई में वह व्यक्ति मारा गया है, जिसने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को जान से मारने की सार्वजनिक धमकी दी थी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन समेत कई अमेरिकी अधिकारियों को जान से मारने की धमकी देने वाला शख्स देश की खुफिया एजेंसी एफबीआई के ऑपरेशन में मारा गया। उस व्यक्ति की स्थानीय समयानुसार बुधवार को यूटा में उसके घर पर हत्या कर दी गई। ट्रम्प समर्थक के रूप में जाने जाने वाले क्रेग रॉबर्टसन (70) ने उसी दिन एक फेसबुक पोस्ट में बंदूक की एक तस्वीर साझा की और जो बाइडन और मैनहट्टन डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के अटॉर्नी एल्विन ब्रैग को जान से मारने की धमकी दी। ब्रैग, ट्रम्प के खिलाफ दायर हैश मनी मामले में राज्य के वकील। इसके अलावा अमेरिकी अटॉर्नी जनरल मेरिक गारलैंड और न्यूयॉर्क अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स को भी धमकी दी गई है। रॉबर्टसन ने अपने फेसबुक पोस्ट में लिखा था, मैंने सुना है, बाइडन यूटा आ रहे हैं। इसलिए मैं अपना स्नाइपर राइफल साफ कर रहा हूं। रॉबर्टसन ने इससे पहले फेसबुक पर दर्जनों अन्य धमकी भरे पोस्ट शेयर किए हैं। फेसबुक पर इसे पोस्ट करने के बाद क्रेग रॉबर्टसन के खिलाफ मुकदमा दायर किया गया था। मामले में कहा गया है, इस साल की शुरूआत में मार्च में रॉबर्टसन पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सोशल मीडिया ट्रुथ सोशल पर एल्विन ब्रैग को धमकी देकर कानून प्रवर्तन एजेंसियों के ध्यान में आए थे। उस समय, ट्रुथ सोशल ने एफबीआई को मामले के बारे में सचेत किया।

अविश्वास प्रस्ताव पर सरकार ने परंपरा की धज्जियां उड़ायीः कांग्रेस

मणिपुर को लेकर बोलने से कतराते रहे मोदी

- चौधरी और खेडा का प्रेस कांफ्रेंस
- प्रस्ताव नहीं आता तो नहीं आते मोदी
- वहां पर दो समुदायों की बीच सेना खड़ी है

राष्ट्रीय खबर

नयी दिल्लीः कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि संसद में सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आता है तो इस पर चर्चा होने तक सदन में कोई और काम नहीं होता है लेकिन मोदी सरकार ने इस परंपरा की भी धज्जियां उड़ाई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मणिपुर को लेकर संसद में बोलने से बचने का आखिरी समय तक प्रयास करते रहे। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी तथा पार्टी के संचार विभाग के प्रभारी पवन खेड़ा ने मानसून सत्र के समापन के एक दिन बाद आज यहां कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सत्र के आरंभ से ही प्रधानमंत्री से सदन में आकर मणिपुर पर बयान देने की विपक्षी दल मांग करते रहे लेकिन सरकार ने उनकी बात पर गौर नहीं किया तो विवश होकर विपक्ष को सदन में अविश्वास प्रस्ताव लेकर आना पड़ा और श्री मोदी को मजबूर होकर मणिपुर पर सदन में अपनी बात कहनी पड़ी। उन्होंने कहा, विपक्ष सदन में ये गुहार लगाता रहा कि मणिपुर में हालात गंभीर होते जा रहे हैं और प्रधानमंत्री सदन में आकर इस मुद्दे पर अपनी बात रखें लेकिन हमारे अनुरोध को प्रधानमंत्री लगातार टालते रहे तो फिर हमने आखिरी विकल्प के रूप में सदन में अविश्वास प्रस्ताव रखा जिस कारण प्रधानमंत्री ने सदन में आकर मणिपुर को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि संसद में अविश्वास प्रस्ताव लाने की पुरानी परंपरा है और जब भी प्रस्ताव आए हैं तो उन पर तुरंत चर्चा शुरू हुई है। उनका कहना था कि परंपरा यह है कि जब तक

›› पेज 2 भी देखें

अनुसंधान लंबे समय से जारी अनुसंधान का सार्थक नतीजा अब मिला

रीढ़ की चोट ठीक करने के लिए खाने की दवा

- क्लीनिकल ट्रायल में सही पाया गया है
- रीढ़ में आंतरिक सक्रियता को बढ़ाती है
- कोई दुष्प्रभाव अब तक सामने नहीं आया

राष्ट्रीय खबर

रांचीः वर्तमान चिकित्सा विज्ञान में दिमाग के बाद रीढ़ की चोट को ही सबसे खतरनाक माना जाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि इसकी संरचना इतनी पेचिदगी भरी है कि उसमें शल्यक्रिया करना भी खतरे का काम है। इसलिए कई बार रीढ़ पर गंभीर चोट लगने के बाद इंसान पूरी तरह ठीक नहीं हो पाता। कई अवसरों पर वे बिस्तर पर ही पड़ जाते हैं। अब पहली बार रीढ़ की हड्डी की चोट के लिए मौखिक रूप से उपलब्ध नई दवा स्वस्थ प्रतिभागियों में सुरक्षित और सहनीय पायी गयी है। किंग्स कॉलेज लंदन में

›› पेज 2 भी देखें

विभिन्न समूहों द्वारा किए गए पिछले शोध से पता चला है कि

आरएआरबी -2 रिसेप्टर को सक्रिय करके तंत्रिका विकास को उत्तेजित किया जा सकता है, लेकिन मनुष्यों के लिए उपयुक्त कोई दवा विकसित नहीं की गई है। केसीएल-286, एक आरएआरबी -2 एगोनिस्ट1, प्रोफेसर कोरकोरन और टीम द्वारा विकसित किया गया था और मनुष्यों में इसकी सुरक्षा का परीक्षण करने के लिए पहली बार मानव अध्ययन में उपयोग किया गया था। 109 स्वस्थ पुरुषों को दो परीक्षण समूहों में से एक में विभाजित किया गया था। एकल आरोही खुराक (एसएडी) खाद्य संपर्क (एफआई) शाखा और एकाधिक आरोही खुराक (एमएडी) शाखा के साथ अनुकूली डिजाइन। प्रत्येक हाथ में प्रतिभागियों को अलग-अलग खुराक उपचार में विभाजित किया गया था। एसएडी अध्ययनों को प्रतिभागियों को दी जाने वाली खुराक को धीरे-धीरे बढ़ाने से पहले छोटी खुराक प्रदान करके दवा की सुरक्षित खुराक सीमा स्थापित करने के लिए डिजाइन किया गया है। शोधकर्ता किसी भी दुष्प्रभाव की तलाश करते हैं, और मापते हैं कि दवा शरीर के भीतर कैसे संसाधित होती है। एमएडी अध्ययन यह पता लगाता है कि दवा के बार-बार दिए जाने पर शरीर कैसे प्रतिक्रिया करता है, और शरीर के भीतर दवा के जमा होने की क्षमता की जांच करता है। शोधकताओं ने पाया कि प्रतिभागी बिना किसी गंभीर प्रतिकूल घटना के केसीएल-286 की 100 मिलीग्राम खुराक सुरक्षित रूप से लेने में सक्षम थे।

जेलेंस्की ने सेना भर्ती के सभी अफसरों को बर्खास्त किया

राष्ट्रीय खबर

कियेवः यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा है कि भ्रष्टाचार घोटाले के कारण सैन्य भर्ती कार्यालयों के प्रभारी सभी अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया गया है। युद्ध-समय की आपूर्ति की खरीद से जुड़े एक घोटाले के कारण जेलेंस्की को वर्ष की शुरूआत में कई वरिष्ठ यूक्रेनी अधिकारियों को बर्खास्त करना पड़ा था और मीडिया में भ्रष्टाचार के आरोप सामने आने के बाद यूक्रेन के उप रक्षा मंत्री वियाचेस्लाव शापोवालोव को इस्तीफा देना पड़ा था। जेलेंस्की ने शुक्रवार को एक बयान में

नवीनतम बर्खास्तगी की घोषणा की। उन्होंने एक वीडियो क्लिप में कहा, मैंने अभी राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद की बैठक की है। एक प्रमुख मुद्दा सैन्य पंजीकरण और भर्ती कार्यालयों के निरीक्षण के परिणाम हैं। कुल मिलाकर, सैन्य पंजीकरण और भर्ती कार्यालयों के अधिकारियों के खिलाफ 112 आपराधिक

›› पेज 2 भी देखें

राष्ट्रीय ख़बर हमारी नज़र राजनीति

web : www.rashtriyakhabar.com
epaper.rashtriyakhabar.com

शहर ›› अपडेट

राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा कड़ी निंदा

रांची: चतरा जिला के सिमरिया प्रखंड के ग्राम सबानो गांव के मुकेश कुमार साहू पिता मुनेश्वर साहू दूसरा रोहन कुमार साहू पिता सोहर साव मोराबादी स्थित एरिया में चिरौंदी घर जाने के क्रम में गोली मारकर हत्या कर दी गई। जिसकी राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा कड़ी निंदा करता है। प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने कहा की लगातार ओबीसी समुदाय पर हमला हो रहा है। आखिर इसका कारण क्या है ?पतरातु में भी रोशन साहू की गोली मार कर हत्या कर दी गई है ।सरकार इस पर गम्भीरता से संज्ञान ले और अविलंब अपराधी को गिरफ्तार करे। आश्रित को 50लाख रुपए और परिवार के एक सदस्य को नौकरी दी जाए। नहीं तो राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा आंदोलन करने को बाध्य होगा।

बैठक डुमरी विधानसभा सीट पर 05 सितंबर को मतदान और 08 सितंबर को मतगणना

झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष और हेमंत सोरेन ने अपने आवास पर इंडिया गठबंधन के दलों की बैठक

राष्ट्रीय खबर

रांची: झारखंड के डुमरी विधानसभा सीट पर 05 सितंबर को मतदान और 08 सितंबर को मतगणना होना है। इस बार डुमरी विधानसभा उपचुनाव में सीधा मुकाबला इंडिया गठबंधन का एनडीए गठबंधन से होने की संभावना है।

ऐसे में दोनों गठबंधन अपनी-अपनी जीत के लिए रणनीति बनाने में लगे हैं।इसी को लेकर शनिवार को झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने आवास पर इंडिया गठबंधन के दलों की बैठक बुलाई। जिसमें कांग्रेस, झारखंड मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय जनता दल और वाममोर्चा के नेताओं ने भाग लिया। वहीं जदयू की ओर से पत्र भेज कर बैठक में लिए गए फैसले के साथ सहमति प्रदान की गई। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी को जरूरी टास्क सौंपे।

बैठक के बाद झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्या ने कहा कि केंद्र की सरकार और भाजपा द्वारा देश में जो माहौल तैयार किया गया है। उसके विरोध में 05 सितंबर को डुमरी की जनता वोट कर स्वर्गीय जगरनाथ महतो को श्रद्धांजलि देगी। सुप्रियो भट्टाचार्या ने कहा कि डुमरी में हमारी जीत पक्की है और हमने वहां गतिविधियां भी शुरू कर दी हैं।झामुमो नेता सुप्रियो भट्टाचार्या ने बैठक की जानकारी देते हुए कहा कि 17 अगस्त को झामुमो की उम्मीदवार मंत्री बेबी देवी का नामांकन होगा। नामांकन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ-साथ सभी सहयोगी दलों के नेता शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि डुमरी में जीत के साथ हमारे नेता को मुंबई में होनेवाली एनडीए दलों की बैठक में शामिल होना है। साथ ही केंद्र के इशारे पर केंद्रीय एजेंसियां जिस तरह मुख्यमंत्री को विचलित करने की कोशिश कर रही हैं, उसके खिलाफ भी लड़ना है।मुख्यमंत्री आवास पर बुलाई गई इंडिया दलों की बैठक में शामिल होने के बाद लोकसभा सांसद विजय हांसदा ने कहा कि आज की बैठक काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि डुमरी विधानसभा उपचुनाव को लेकर ठोस रणनीति बनाई गई है। खास बात यह है कि इस बैठक में गिरिडीह जिला के और प्रखंड स्तर के महागठबंधन दलों के नेताओं को भी बुलाया गया था। सबको यह संदेश दिया गया है कि सभी पूरे समन्वय के साथ डुमरी की जीत सुनिश्चित करने में लग जाएं। राज्य के युवा और खेल मामलों के मंत्री हफीजुल हसन ने कहा कि आज की बैठक में डुमरी विधानसभा उपचुनाव को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जो टास्क दिया है, उसे पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 2005 से लगातार दिवंगत नेता जगरनाथ महतो ने डुमरी की जो सेवा की है, वह वहां की जनता नहीं भूली है। इसलिए डुमरी में बेबी देवी की ऐतिहासिक जीत तय है। मंत्री ने कहा कि ओवैसी फैक्टर का कोई असर डुमरी पर नहीं पड़ेगा।वहीं कांग्रेस की केंद्रीय सचिव और विधायक दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि दिवंगत विधायक जगरनाथ महतो ने डुमरी क्षेत्र की सेवा की है। उन्होंने झारखंडियत और स्थानीयता की लड़ाई लड़ी है। दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि डुमरी उपचुनाव की जीत में हेमंत सोरेन सरकार द्वारा शुरू की गई जनकल्याणकारी योजनाओं का भी योगदान होगा।

पेज एक का शेष

इसका लोकार्पण करने मैं ही .. ..

पर हमले हो रहे थे, तब संत रविदास ने कहा कि जो पराधीनता के खिलाफ नहीं लड़ता, समाज उससे प्रेम नहीं करता। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश इसी भावना के साथ गुलामी की मानसिकता से मुक्ति के संकल्प पर आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि वे भूख की पीड़ा को बहुत अच्छे से समझते हैं। प्रधानमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकारों पर हमला बोलते हुए कहा कि पहले की सरकारों में योजनाएं चुनावी मौसम को देखते हुए आती थीं। इसके साथ ही उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों में केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रहीं योजनाओं के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी।

कांग्रेस ने कहा डबल इंजन .. ..

प्रोफेसर और भारतीय सेना के एक सेवानिवृत्त कर्नल। यह कार्रवाई फेडरेशन ऑफ हाओमी (एफओएच) के आरोपों के बाद की गई कि उन्होंने अपने प्रकाशनों में मणिपुर के बारे में झूठे और भ्रामक इतिहास को बढ़ावा दिया है। तीनों लेखकों पर अब भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 120, 121, 123, 153-ए और 200 के तहत आरोप लगाए गए हैं।

मणिपुर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एमपीसीसी) ने मणिपुर संकट से जुड़ी हालिया घटनाओं की कड़ी आलोचना की है और इस मामले पर संसदीय संवाद की कमी पर निराशा व्यक्त की है। एमपीसीसी के अध्यक्ष केशम मेघचंद्र ने प्रमुख हस्तियों की चुप्पी के खिलाफ बात की और उथल-पुथल को दूर करने के लिए पर्याप्त कार्रवाई की अनुपस्थिति पर निराशा व्यक्त की। 12 अगस्त को आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान, केशम मेघचंद्र ने इस घटनाक्रम को मणिपुर के इतिहास में बहुत दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत आने वाली इकाई असम राइफल्स इस विवाद के केंद्र में है। यह बताया गया है कि असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस राज्य में कानून और व्यवस्था बनाए रखने और हिंसा को रोकने के प्रयास में कई स्थानों पर टकराव में लगे हुए हैं। क्षेत्र के कई वीडियो ने कथित तौर पर इन टकरावों का दस्तावेजीकरण किया है, जो केंद्रीय एजेंसी और स्थानीय कानून प्रवर्तन निकायों के बीच तनावपूर्ण संबंधों का संकेत देता है।

फर्जी डिग्री मामले में .. ..

क्योंकि उसने इस आशय का वचन दिया है। हालांकि, जोशी ने तर्क दिया कि उक्त वचन का आशय यह था कि वे (सिंह और केजरीवाल) अपने अधिवक्ताओं के माध्यम से पेश होंगे और यहां तक कि याचिका भी अधिवक्ताओं के माध्यम से दर्ज की जाएगी। जिस पर सुनवाई करते हुए जज ने अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया।

मणिपुर को लेकर बोलने .. ..

अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा खत्म न हो तब तक किसी अन्य विषय पर सदन में चर्चा नहीं होनी चाहिए लेकिन मोदी सरकार ने सदन से जुड़ी सभी परंपरागत तौर-तरीकों की धज्जियां उड़ाते हुए एक के बाद एक विधेयक पारित कर दिए। सदन में जो भी विधेयक पारित करवाए उन पर चर्चा नहीं हुई और मनमानी से विधेयक पारित होते रहे। इस दौरान विपक्ष को किसी भी विधेयक पर अपनी बात रखने का मौका नहीं मिल पाया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सदन में प्रस्ताव आता है तो उस पर तुरंत चर्चा कराई जानी चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि साल 1978 में सदन में अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था और उस प्रस्ताव पर चर्चा भी उसी दिन शुरू हो गई थी। इस कदम का नतीजा यह निकला कि सदन का समय बर्बाद नहीं हुआ और पूरे सात सत्र में सदन सुचारू रूप से चला। उन्होंने कहा कि जब श्री मोदी चांद से लेकर चीता तक पर बात करते हैं तो विपक्ष को लगा कि वह मणिपुर पर भी बोलेंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ तो विपक्ष ने श्री मोदी को सदन में बोलने के लिए विवश किया और विपक्षी दल सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर आए तो प्रधानमंत्री को संसद में आकर मणिपुर पर बोलने के लिए मजबूर होना पड़ा।

रीढ़ की चोट ठीक करने .. .. ..

मनोचिकित्सा, मनोविज्ञान और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (आईओपीपीएन) के नए शोध ने रीढ़ की हड्डी की चोट (एससीआई) के लिए चिकित्सीय हस्तक्षेप के रूप में डिजाइन की गई एक नई दवा उपचार की सुरक्षा और सहनशीलता का प्रदर्शन किया है।

ब्रिटिश जर्नल ऑफ क्लिनिकल फामाकोलॉजी में प्रकाशित शोध में पाया गया कि केसीएल-286दवा - जो रिकवरी को बढ़ावा देने के लिए रीढ़ में रेटिनोइक एसिड रिसेप्टर बीटा (आरएआरबी)को सक्रिय करके काम करती है। चरण 1 क्लिनिकल परीक्षण में प्रतिभागियों द्वारा अच्छी तरह से सहन की गई थी। , बिना किसी गंभीर दुष्प्रभाव के। शोधकर्ता अब एससीआई वाले लोगों में दवा की सुरक्षा और सहनशीलता का अध्ययन करने वाले चरण 2 ए परीक्षण के लिए धन की मांग कर रहे हैं।

एससीआई का वैश्विक प्रसार प्रति वर्ष 0.7 से 1.2 मिलियन मामलों के बीच होने का अनुमान है, जिसमें गिरावट और सड़क दुर्घटनाएं प्रमुख कारण हैं। अकेले अमेरिका में प्रत्यक्ष स्वास्थ्य देखभाल और अप्रत्यक्ष लागत (यानी काम करने में असमर्थता और सामाजिक देखभाल) में प्रति वर्ष 4 बिलियन डॉलर की लागत वहन करने के बावजूद, ऐसी कोई लाइसेंस प्राप्त दवाएं नहीं हैं जो वयस्कों के केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को पुनर्जीवित करने की आंतरिक विफलता से निपट सकें, और इस प्रकार यह काफी हद तक अपूरित नैदानिक आवश्यकता बनी हुई है।

वहां के प्रोफेसर और न्यूरोसाइंस ड्रग डिस्कवरी यूनिट के निदेशक प्रोफेसर जोनाथन कोरकोरन और अध्ययन के वरिष्ठ लेखक ने कहा, यह रीढ़ की हड्डी की चोटों के इलाज में केसीएल-286की व्यवहार्यता को प्रदर्शित करने में एक महत्वपूर्ण पहला कदम दशार्ता है। यह पहला-मानव अध्ययन से पता चला है कि एक गोली के माध्यम से दी गई 100 मिलीग्राम खुराक को मनुष्य द्वारा सुरक्षित रूप से लिया जा सकता है। इसके अलावा, हमने यह भी सबूत दिखाया है कि यह सही रिसेप्टर के साथ जुड़ता है।

उम्मीद है कि अब हमारा ध्यान रीढ़ की हड्डी की चोट वाले लोगों में इस हस्तक्षेप के प्रभावों पर शोध करने पर केंद्रित हो सकता है।

वरिष्ठ वैज्ञानिक और अध्ययन के परियोजना प्रबंधक और किंग्स आईओपीपीएन के अध्ययन के पहले लेखक डॉ. बिया गोंकाल्वेस ने कहा, रीढ़ की हड्डी की चोटें एक जीवन बदलने वाली स्थिति है जो किसी व्यक्ति की सबसे बुनियादी कार्य करने की क्षमता पर भारी प्रभाव डाल सकती है। कार्यों का, और उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव महत्वपूर्ण हैं।

इस अध्ययन के नतीजे एससीआई के लिए चिकित्सीय हस्तक्षेप की क्षमता को प्रदर्शित करते हैं, और मुझे उम्मीद है कि हमारे भविष्य के शोध में क्या मिलेगा।

जेलेंस्की ने सेना भर्ती के सभी .. ..

कार्यवाही हैं। मुद्दों के बीच, जेलेंस्की ने अवैध रूप से प्राप्त धन का वैधीकरण, गैरकानूनी लाभ, सीमा पार सैन्य सेवा के लिए उत्तरदायी व्यक्तियों का अवैध परिवहन का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि निर्णय सभी क्षेत्रीय सैन्य आयुक्तों को बर्खास्त करने का था। इस प्रणाली को उन लोगों द्वारा प्रबंधित किया जाना चाहिए जो जानते हैं कि वास्तव में युद्ध क्या है और युद्ध के समय में संशय और रिश्वतखोरी उच्च देशद्रोह क्यों है। जेलेंस्की ने कहा कि जो सैनिक मोर्चे पर रहे हैं या जो खाइयों में नहीं रह सकते क्योंकि उन्होंने अपना स्वास्थ्य खो दिया है, अपने अंग खो दिए हैं, लेकिन उन्होंने अपनी गरिमा बचाई है और उनमें कोई संशय नहीं है, उन्हें इस भर्ती प्रणाली की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है।

उन्होंने कहा, हर ह्यसैन्य आयुक्तह्ल जिसके खिलाफ आपराधिक जांच होगी, उसे जवाबदेह ठहराया जाएगा। जिन अधिकारियों ने अपने कंधे की पट्टियों को लाभ के साथ भ्रमित किया है, उन्हें निश्चित रूप से न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। यह जनवरी में एक बड़े सरकारी झटके के बाद हुआ जब जेलेंस्की ने कई अधिकारियों को निकाल दिया और घोषणा की कि वह आधिकारिक व्यवसाय के अलावा किसी भी अन्य चीज के लिए उनके विदेश यात्रा पर प्रतिबंध लगा रहे हैं।

बढ़ती आपराधिक घटनाओं से लोगों में खौफ और भारी आक्रोश

राष्ट्रीय खबर

रांची: आज दिनांक 12 अगस्त। दिन शनिवार 2023 को सामाजिक-वैचारिक संगठन रांची रिवोल्ट जनमंच के संयोजक डॉ। प्रणव कुमार बब्बू ने कहा है कि राजधानी रांची में अपराधिक घटनाओं में अचानक आयी तेजी बहुत ही गंभीर बात है और इससे सभी लोगों में भय का वातावरण व्याप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि राजधानी के चिरौंदी में मोरहाबादी स्थित रांची जूस सेंटर के मालिक मुकेश साव एवं उनके कर्मचारी की हत्या वास्तव में पुलिस की विफलता और लापरवाही के साथ ही राज्य की राजधानी के कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ। बब्बू ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति तब है जब पिछले 1 जुलाई को ही मुकेश साव ने लालपुर थाना में आवेदन देकर अपने ऊपर हमले की आशंका जतायी थी और अपने आवेदन में एक व्यक्ति विशेष का नाम भी बताया था, जो कि लगातार उनका पीछा कर रहा था। उन्होंने कहा कि उन पुलिस अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए जिन्होंने उस आवेदन को गंभीरता से नहीं लिया और राजधानी के मोरहाबादी जैसे पॉश इलाके में दो निर्दोष नागरिकों की हत्या हो गयी। डॉ। बब्बू ने कहा कि दोषी अपराधियों के विरुद्ध अविलम्ब सख्त कार्रवाई की जाये अन्यथा लोगों के मन से कानून व्यवस्था के प्रति विश्वास और अपराधियों के मन से कानून का खौफ समाप्त हो जायेगा। डॉ. बब्बू ने कहा कि यदि 48 घंटे के अन्दर हत्यारों की गिरफ़्तारी न हुई और दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं की गयी तो रांची रिवोल्ट जनमंच तीव्र आंदोलन पर विवश होगा।

चोरी और सीनाजोरी दोनों कर रहा झामुमो:रामकुमार पाहन

हिम्मत है तो अपराधियों ,बलात्कारियों को धमकी दें झामुमो प्रवक्ता:आरती कुजूर

राष्ट्रीय खबर

रांची: भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश प्रभारी एवम पूर्व विधायक रामकुमार पाहन ने आज प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता कर सत्ताधारी झामुमो पर कड़ा प्रहार किया। श्री पाहन ने कहा कि झामुमो नेता प्रवक्ता चोरी और सीनाजोरी दोनों कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन परिवार ने राज्य में गरीब भोले भाले आदिवासियों की जमीन लूटकर अकूत संपत्ति खड़ा की है। साथ ही पूरे राज्य के खनिज संसाधनों को लूटने की छूट दे दी है। कहा कि ईडी के द्वारा शिकायत मिलने पर जमीन के लूट की जांच चल रही है। राज्य के मुख्यमंत्री पर लूट में शामिल होने के गंभीर आरोप हैं। ईडी ने उन्हें दुबारा पूछताछ केलिए सम्मन किया है। ऐसे में झामुमो नेता का बयान लूट उजागर होने की बौखलाहट और बेचैनी है।कहा कि को बातें सामने आ रही उसमे शिबू सोरेन परिवार ने नाम बदल बदल कर बड़े पैमाने पर गरीबों को जमीन लूट ली है। जो ज्ञात हुआ है उसमे कहीं शिवा सोरेन,तो कहीं बसंत प्रसाद सोरेन तो कहीं हेमंत कुमार सोरेन जैसे नाम कागजात में दर्ज कराए गए हैं।उन्होंने कहा कि लूटने में मुख्यमंत्री ने वैसे लोगों का सहारा लिया जो आदिवासी समाज से नही आते और उनका झारखंड से कुछ भी लेना देना नही है।कहा कि इतना ही नहीं जब सरकार के द्वारा आदिवासियों को लाभ देने की बात आती है उसमे भी मुख्यमंत्री जी अपने परिवार को ही लाभ में शमिल कर देते है। आदिवासियों केलिए आरक्षित जमीन को उन्होंने कल्पना सोरेन जी के नाम आवंटित कर दिया। कहा कि मुख्यमंत्री अपनेलूट और झूठ को छुपाने केलिए पार्टी प्रवक्ताओं से बयानबाजी करवा रहे। परंतु कानून के हाथ बहुत लंबे होते हैं। चोरों का बचना मुश्किल है। सच तो उजागर होकर ही रहेगा। कहा कि जनता आगामी चुनाव में झामुमो और सत्ताधारी ठगबंधन को पूरा सबक सिखाएगी।प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए प्रदेश महिला मोर्चा की अध्यक्ष श्रीमती आरती कुजूर ने कहा कि झामुमो को धमकी ही देना है तो जरा उन अपराधियों को धमकी दें जो राज्य के उभरते होनहार आदिवासियों की हत्या कर रहे। हिम्मत है तो उन बलात्कारियों को धमकी दें जिसने राज्य के हजारों आदिवासी बहन बेटियों की इज्जत लूटी। उनके टुकड़े टुकड़े कर हत्या कर दी पेड़ में लटका दिए। कहा कि झामुमो को धमकी रूपा तिर्की जैसे होनहार दरोगा के हत्यारों को देना चाहिए,संध्या टोपनो के हत्यारों को देना चाहिए।

कहा कि लेकिन झामुमो में इतनी हिम्मत नही। क्योंकि राज्य के आदिवासियों दलितों की बहन बेटियों की इज्जत से उनका कुछ भी लेना देना नही। आज की प्रेसवार्ता में अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री बिंदेश्वर उरांव भी उपस्थित रहे।

इससे चुनाव आयोग की स्वायत्तता पर असर पड़ेगा:आभा सिन्हा

राष्ट्रीय खबर

रांची: झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमिटी की प्रवक्ता आभा सिन्हा ने कहा है कि केंद्र सरकार ने मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति, सेवा शर्तों और कार्यकाल को विनियमित करने के लिए राज्यसभा में जो विधेयक पेश किया है, अगर यह बिल कानून बन गया तो इससे चुनाव आयोग की स्वायत्तता पर असर पड़ेगा। लोकतंत्र के लिए चुनाव आयोग का निष्पक्ष रहना बहुत जरूरी है।उन्होंने कहा कि विधेयक में प्रस्ताव है कि मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और अन्य चुनाव आयुक्तों (ईसी) की नियुक्ति प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) और एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री के पैनल की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्वारा की जाएगी, जो देशहित में नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर यह बिल कानून बन गया तो चुनाव आयोग स्वतंत्र न होकर सरकारी चुनाव आयोग में तब्दील हो जाएगा। लोकतंत्र के इतिहास में संसद में यह एक काला दिन था। चुनाव आयोग भारत में स्वतंत्र और लोकतांत्रिक चुनाव कराने वाली अंतिम स्वतंत्र संस्था है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसे मोदी चुनाव आयोग बनाना चाहते हैं।सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने साफ कहा है कि अगर चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं होगा तो देश में लोकतंत्र कायम नहीं रह सकता। इसलिए, मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए तीन सदस्यीय पैनल का गठन किया गया, जिसमें मुख्य न्यायाधीश, प्रधान मंत्री और विपक्ष के नेता शामिल थे, ताकि संतुलन बना रहे। उन्होंने कहा कि सरकार इस कानून के जरिए सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय संवैधानिक पीठ के फैसले को रद्द करने की घिनौनी साजिश रच रही है। इस कानून के लागू होने के बाद चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं रह पाएगा, क्योंकि अब मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रधानमंत्री, उनके एक मंत्री और विपक्ष के नेता द्वारा की जाएगी।

सोरेन परिवार ने नाम बदल कर बड़े पैमाने पर लूटी आदिवासियों की जमीन : रामकुमार

राष्ट्रीय खबर

रांची: भाजपा के पूर्व विधायक रामकुमार पाहन ने आरोप लगाया है कि सोरेन परिवार ने राज्यभर में अलग-अलग नाम बदल कर बड़े पैमाने पर गरीबों की जमीन लूटी है। कहीं शिवा सोरेन, कहीं बसंत प्रसाद सोरेन तो कहीं हेमंत कुमार सोरेन जैसे नाम जमीन के कागजातों में दर्ज कराये गये हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गरीब आदिवासियों की जमीन लूटने में वैसे लोगों का सहारा लिया है, जो आदिवासी समाज से नहीं आते हैं और उनका झारखंड से भी कुछ लेना- देना नहीं है। पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उन्होंने कहा कि सोरेन परिवार ने राज्य के गरीब और भोले-भाले आदिवासियों की जमीन लूटकर अकूत संपत्ति खड़ी की है। इतना ही नहीं जब आदिवासियों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की बात आती है, तो उसमें भी सीएम अपने परिवार के लोगों का नाम शामिल कर देते हैं। आदिवासियों के लिए आरक्षित जमीन को उन्होंने कल्पना सोरेन के नाम आवंटित कर दिया।पाहन ने कहा कि जमीन की लूट मामले में मुख्यमंत्री पर गंभीर आरोप लगे हैं। ईडी इसकी जांच कर रही है। इसी सिलसिले में मुख्यमंत्री को दोबारा पूछताछ के लिए समन किया गया है। ऐसे में मुख्यमंत्री अपने लूट और झूठ को छिपाने के लिए पार्टी प्रवक्ताओं से बयानबाजी करवा रहे हैं, लेकिन कानून के हाथ बहुत लंबे होते हैं।

यात्रा हेमंत सोरेन सरकार को हटाने के लिए करेंगे पूरे राज्य का भ्रमण

40 दिनों की संकल्प यात्रा पर निकलेंगे बाबूलाल मरांडी

राष्ट्रीय खबर

रांची: हेमंत सरकार को उखाड़ फेंकने के संकल्प के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी आगामी 17 अगस्त से संकल्प यात्रा पर निकल रहे हैं। संकल्प यात्रा की शुरूआत सिद्धो कान्हू की जन्मस्थली भोगनाडीह से होगी। 17 अगस्त से 4 अक्टूबर तक हर विधानसभा क्षेत्र में निकलने वाली यह संकल्प यात्रा कई मायनों में अहम होगा। 40 दिनों की इस यात्रा में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हर दिन दो विधानसभा क्षेत्र की यात्रा करेंगे जिसमें जनसभा के साथ-साथ पार्टी द्वारा कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।हेमंत सरकार की खामियों को जनता के बीच ले जाने की तैयारी में जुटे बीजेपी कार्यकताओं का मानना है कि बाबूलाल मरांडी कि यह यात्रा राजनीतिक दृष्टि से काफी अहम होगी। एक तरफ केंद्र की मोदी सरकार की उपलब्धि को इस दौरान जनता के बीच लाया जाएगा। वहीं, दूसरी ओर हेमंत सरकार की विफलता को बताने का काम किया जाएगा।बीजेपी नेता राजीव रंजन मिश्रा का मानना है कि बाबूलाल मरांडी राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री रहे हैं और उनकी छवि जनता के बीच अलग तरह की है। वर्तमान समय में पार्टी ने बड़ी जिम्मेदारी देते हुए प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। ऐसे में हेमंत सरकार को उखाड़ फेंकने के संकल्प के साथ बीजेपी इस संकल्प यात्रा को ऐतिहासिक बनाने का काम करेगी। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अनिमेष कुमार का मानना है कि बाबूलाल मरांडी की इस यात्रा के बाद राज्य की हेमंत सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो जाएगी और जनता के बीच इस सरकार के कुशासन को बताने में भारतीय जनता पार्टी निश्चित रूप से सफल हो जाएगी।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद राज्य के दौरे पर निकल रहे बाबूलाल मरांडी एक तरफ वर्तमान हेमंत सरकार की खामियों को जनता के बीच ले जाने का काम करेंगे। वहीं, दूसरी ओर पार्टी के अंदर जिला स्तर पर अपनी पकड़ को मजबूत करने की कोशिश करेंगे। संकल्प यात्रा के बहाने लोकसभा चुनाव को लेकर पार्टी की जमीनी हकीकत से भी बाबूलाल मरांडी रूबरू होंगे। शायद यही वजह है कि 40 दिनों में 80 विधानसभा क्षेत्र जो राज्य के 14 लोकसभा क्षेत्र में आता है भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का यह दौड़ा तय किया गया है।

शहर ›› अपडेट

युवती की चाकु से गला रेतकर हत्या

बेड़ो : बेड़ो थाना क्षेत्र के लमकाना गांव निवासी प्रिया कुमारी 21 वर्ष की शनिवार सुबह लगभग 9 बजे चाकु से गला रेतकर हत्या कर दी गयी। लड़की को मारने की आवाज सुनकार आप-पड़ोस के ग्रामीण जाम हो गये और मारने वाला शिव उराँव 19 पिता बंधु उराँव गांव कंजगी, थाना नरकोपी को पकड़कर जमकर पिटाई कर दी।

शॉर्ट न्यूज अपडेट्स ››

नेत्र ज्योति यज्ञ का शुभारंभ

जमशेदपुर : भारतीय रेड क्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम, राम मनोहर लोहिया सेवा संस्थान, द्वारा द्रोपदी देवी चिमनलाल भालोटिया फैमिली ट्रस्ट, राजस्थान सेवा सदन तथा जिला ग्रामीण स्वास्थ्य समिति के सहयोग से स्व. एस. डी. सिंह की जयंती पर 687वें नेत्र ज्योति यज्ञ का शुभारंभ बागेबड़ा थाना चौक स्थित राम मनोहर लोहिया नेत्रालय में नेत्र रोगियों के जांच के साथ हुआ। जाने माने नेत्र चिकित्सक डॉ. बी. पी. सिंह ने 44 नेत्र रोगियों के आंखों की जांच की, जिसमें से 25 नेत्र रोगियों को ऑपरेशन योग्य पाया गया। इस अवसर पर एसडीएसएम एजुकेशनल फाउण्डेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष दिवाकर सिंह, रेड क्रॉस के मानद सचिव विजय कुमार सिंह, राम मनोहर लोहिया नेत्रालय के अध्यक्ष बालमुकुन्द गोयल, समाजसेवी बी.एन. गुप्ता मुख्य रूप से उपस्थित थें। रविवार 13 अगस्त को नेत्र रोगियों के आंखों का ऑपरेशन एवं लेंस प्रत्यारोपण नेत्र चिकित्सक डॉ. बी. पी. सिंह, डॉ. भारती शर्मा, डॉ. पूनम सिंह, डॉ. विवेक केडिया, डॉ. आनन्द सुश्रुत एवं उनके सहयोगी चिकित्सीय टीम द्वारा राम मनोहर लोहिया नेत्रालय के ऑपरेशन थियेटर में किया जायेगा।

डुमरी

जिले के 11 चेक नाकों पर एसएसटी कर रही वाहन जांच

उप चुनाव के लिए हो रही वाहनों की जांच

- सभी छोटे-बड़े वाहनों के साथ लग्जरी वाहनों की भी तलाशी कर रही है
- वाहनों के माध्यम से अवैध सामानों की हेराफेरी न हो सके

राष्ट्रीय खबर

बोकारो: डुमरी उप चुनाव के मद्देनजर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त कुलदीप चौधरी के निर्देश पर जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों पर चेकनाका लगाकर आहरडीह मोड़ नावाडीह, भेंडरा पुल नावाडीह, बुढ़गड़ा मोड़ नावाडीह, आइएल थाना गोमिया, तिरबुल चौक कसमार, वन विभाग गेस्ट हाउस समीप पेटरवार, तरंगा चंद्रपुरा, मिर्धा-पिंड्राजोरा चास, तेलमच्चों चास, बिरखम चंदनकियारी, बिरसा पुल चंदनकियारी आदि सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है।

इस दौरान प्रतिनियुक्त स्टैटिक सर्विलांस टीम सभी छोटे-बड़े वाहनों के साथ लग्जरी वाहनों की भी तलाशी कर रही है। शनिवार को भी सभी चेकनाकों पर एसएसटी द्वारा वाहन जांच अभियान चलाया गया। मौके पर उपस्थित दंडाधिकारी ने कहा कि डुमरी उप चुनाव के मद्देनजर शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव कराने को लेकर एसएसटी द्वारा वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। ताकि वाहनों के माध्यम से अवैध सामानों की हेराफेरी न हो सके।

डुमरी उपचुनाव में पक्ष और विपक्ष के विरुद्ध उतरेगी खतियानी मोर्चा: इमाम

बोकारो: झारखंड खतियान मोर्चा की ओर से शनिवार को डुमरी उपचुनाव के लेकर डुमरी में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। जिसमें निर्णय लिया गया कि झारखंड खतियान मोर्चा की मजबूती से उपचुनाव में उतरेगी। जिसके लिए इच्छुक झारखंडी खतियानी उम्मीदवार से आवेदन आमंत्रित किया गया था। जिसमें अभी तक पांच उम्मीदवार ने आवेदन किया है। 14 अगस्त को प्रत्याशी की घोषणा की जाएगी। बताते चलें पूर्व विधायक सूर्य सिंह बेसरा के नेतृत्व में झारखंड में यूपीए व एनडीए के विरुद्ध तीसरे विकल्प के रूप में झारखंड खतियान मोर्चा का गठन किया गया है, जो सामूहिक चिंतन सामूहिक निर्णय और सामूहिक नेतृत्व के सिद्धांत पर करेंगी।

न्यूज फटाफट

डीईओ सह डीसी ने एसएसआर 2023 का किया समीक्षा

बोकारो : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने अपने कार्यालय कक्ष में शनिवार को मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी से जिले में चल रहे कार्यों जैसे हाउस टू हाउस सर्वे, फॉर्म प्राप्त करने एवं निष्पादन, मतदान केंद्रों पर न्यूनतम मूलभूत सुविधा आदि की क्रमवार विभिन्न विधानसभा चास, चंदनकियारी, गोमिया और बेरमो विधानसभा की जानकारी ली एवं उनकी टीम को जरूरी दिशा निर्देश दिया। कहा कि सभी अपने दायित्वों का ससमय निष्पादन करें। कोई भी कार्य लंबित नहीं रहें। मौके पर उप विकास आयुक्त कीर्तीश्री जी, अनुमंडल पदाधिकारी चास दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी वंदना सेजवलकर, अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो शैलेश कुमार, डीडीएमओ शक्ति कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार, नोडल पदाधिकारी पंकज दूबे, निर्वाचन कोषांग के कर्मी आदि उपस्थित थे।

विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था बेहाल

बुढ़मू : प्रखंड के कई विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था में कोई सुधार नहीं हो रहा है। और ना ही समय से स्कूलों में शिक्षकों द्वारा उपस्थिति पर कोई ध्यान दिया जा रहा है। कई विद्यालय में मध्याहन भोजन खिलाने में भी गड़बड़ी की जा रही है। शनिवार को राजकीय प्राथमिक विद्यालय रोल विद्यालय लगभग 9:30 बजे शिक्षकों द्वारा स्कूल को खोलते हुए देखा गया। जानकारी के अनुसार बुढ़मू प्रखंड के रोल विद्यालय समय से नहीं खोला जाता है। और ना ही समय से स्कूल पर शिक्षक उपस्थित होते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि इस विद्यालय में 3 शिक्षक है। जिसमें 2 सरकारी एवं एक पारा शिक्षिका है। सरकारी शिक्षक में स्कूल के प्रधानाध्यापक सुरेंद्र तिर्की है। सरकारी शिक्षिका में रेशमी मिंज है। और एक पारा शिक्षिका गांव के ही महिला है। ग्रामीणों ने बताया कि प्रधानाध्यापक शिक्षक को विद्यालय में समय से आते हुए नहीं देखे जाते हैं। और ना ही प्रभारी शिक्षक सुरेंद्र तिर्की विद्यालय समय से आते हैं। और ना ही वह विद्यालय समय से खोलते हैं, ग्रामीणों का कहना है। कि विद्यालय के प्रधानाध्यापक कभी 9:30 बजे स्कूल आकर खोलते हैं तो कभी 10:00 बजे एवं 10:30 बजे स्कूल को खोला जाता है। ग्रामीणों का कहना है। कि तब तक विद्यालय परिसर में स्कूली बच्चे खेलते हुए रहते हैं। जिसके कारण स्कूली बच्चों का पढ़ाई लिखाई बाधित हो रहा है और बच्चों के पढ़ाई लिखाई में भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार बताया गया इस विद्यालय में मध्याहन भोजन में भी सुधार नहीं किया जा रहा है। कई महीनों से गड़बड़ी की जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार विद्यालय में सरकारी मेनू के आधार पर बच्चों का भोजन एवं फल और अंडा तक नहीं खिलाया जा रहा है।

हर-घर तिरंगा कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर भाजपा ने की बैठक

बेरमो : हर-घर तिरंगा कार्यक्रम को लेकर शनिवार को फुसरो के पुराना बीडीओ ऑफिस स्थित भाजपा कार्यालय मे काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस दौरान आगामी 13 अगस्त से 15 अगस्त तक होने वाले घर-घर तिरंगा कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर भाजपा ने बैठक किया। मुख्य अतिथि 16 वी लोकसभा सांसद रविंद्र कुमार पांडेय ने बताया कि मण्डल स्तर पर हर-घर तिरंगा लगाने के लिए जन जागरण किया जाएगा। कहा कि आजादी के 76 साल पूरे होने पर पीएम नरेंद्र मोदी ने भी लोगों से सोशल मीडिया पर अपनी प्रोफाइल में डीपी के तौर पर तिरंगा लगाने की अपील की है और इसके अलावा उन्होंने सभी लोगों से अपने घरों पर तिरंगा लगाने की अपील की है।

विश्व शक्ति बनेगा भारत: धर्मवीर

राष्ट्रीय खबर

बोकारो: चंद्रमा पर भारत के चंद्रयान 3 के सफलता पूर्वक उतरने के लिए शनिवार को करणी सेना के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्र भक्त समाज के केंद्रीय अध्यक्ष सह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष धर्मवीर सिंह के नेतृत्व में राम मंदिर चौक स्थित शनि देव मंदिर में सभी सदस्यों ने पूजा अर्चना कर सफलता के लिए भगवान शनि देव से प्रार्थना किया। इस अवसर पर श्री सिंह ने कहा कि मात्र 11 दिनों बाद भारत का तिरंगा चंद्रमा पर चमकेगा और इसे चंद्रयान 3 फहराएगा। यह हर भारतीय के लिए गर्व एवं गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी में विश्व शक्ति बन गया है और आने वाले वर्षों में अपनी मेधा शक्ति के दम पर आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक, चिकित्सा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहित सभी क्षेत्रों में विश्व का सिरमौर बन जाएगा और इसे कोई शक्ति नहीं रोक सकता है क्योंकि भारत के कण-कण में भगवान का वास है। मौके पर अरविंद सिंह, जसबीर सिंह, रणधीर कुमार, गोपाल कुमार सिंह, ओमप्रकाश, सुजीत कुमार सिंह, टुनटुन सिंह, अन्नू सिंह, हरिनारायण सिंह, मुन्ना सिंह, चंदन यादव, लखन रवानी, संतोष राज सिंह, धरमबीर कुमार आदि उपस्थित थे।

ब्लैक एंड व्हाइट एवं खराब फोटोग्राफी को सुधारे नही तो होगी कार्रवाई

राष्ट्रीय खबर

बोकारो: प्रखंड सह अंचल कार्यालय, चास के सभागार में मतदाताओं के घर-घर सत्यापन को लेकर निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी, चास दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं बीएलओ पर्यवेक्षक के साथ समीक्षात्मक बैठक आहूत किया गया। मौके पर सहायक निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी चास मिथिलेश चौधरी उपस्थित थे। श्री शेखावत ने पूर्व के बैठक में दिये गये घर-घर सत्यापन से संबंधित निर्देश की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि बीएलओ द्वारा होम टू होम के कार्य में 51.04 प्रतिशत ही मतदाता का सत्यापन किया गया है।

नये मतदाता का नाम जोड़ना में, वर्तमान में कुल 104 मतदान केंद्र ऐसे है, जिसमें प्रपत्र 6 की संख्या 06 से कम है। वोटर कार्ड को आधार से लिंक करने में मात्र 0.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। साथ ही ब्लैक एंड व्हाइट फोटोग्राफ और खराब गुणवत्ता वाले फोटोग्राफ के सुधार में प्रपत्र 8 की संख्या 5104 हुई है, जबकि कुल 105545 मतदाता के वोटर कार्ड ऐसे है, जिसमें मतदाता का ब्लैक एंड व्हाइट फोटोग्राफ है या खराब गुणवत्ता वाले फोटोग्राफ है। इसपर श्री शेखावत ने सभी सुपरवाईजर को फटकार लगाते हुए आदेश दिया गया कि दिये गये लक्ष्य को 2 दिनों के अंदर संपन्न किया जाय, अन्यथा संबंधित सुपरवाईजर के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी।

संक्षिप्त ›› अपडेट्स

बेरमो : मजदूर संघ ने पूर्व विधायक से की सीसीएल प्रबंधन की शिकायत

बेरमो/कथारा : सीसीएल कथारा क्षेत्र अंतर्गत हस्त लदनी मजदूर संघ और विस्थापित महिला मोर्चा के नेता व मजदूरों ने 12 अगस्त को गोमिया के पूर्व विधायक माधव लाल सिंह से मुलाकात की। इस दौरान मजदूर नेताओं ने सीसीएल प्रबंधन की मनमानी की शिकायत माधवलाल से की। संघ के अध्यक्ष राजेश्वर रविदास, बबलू यादव आदि ने कहा कि सीसीएल कथारा प्रबंधन स्थानीय और विस्थापितों मजदूरों का दमन कर रहा है। सीसीएल प्रबंधन मजदूरों को लोकल सेल से बेदखल करने की साजिश रच रहा है और झूठे मुकदमे में फंसा रही है। मजदूरों की समस्या सुनने के बाद पूर्व मंत्री सिंह ने मौके पर ही बेरमो के एसडीपीओ वशिष्ठ नारायण सिंह से बात कर सीसीएल प्रबंधन के मनगढ़ंत केस की निष्पक्ष जांच की मांग की।

शिक्षकों सहित आम जनमानस के भी नेता थे स्व. डोमन चन्द्र मांझी: कुणाल दास

राष्ट्रीय खबर

चांडिल : शनिवार को पारा शिक्षक नेता एवं ईचागढ़ विधानसभा के भूतपूर्व विधायक प्रत्याशी स्व डोमन चन्द्र मांझी की चौथी पुण्यतिथि के मौके पर उनके धातकीडीह (आगसिया) स्थित आवास पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के पारा शिक्षकों, सहायक शिक्षकों, शिक्षाविदों एवं शिक्षा विभाग के कर्मियों ने दिवंगत मांझी को श्रद्धा सुमन अर्पित किया। मौके पर मौजूद पारा शिक्षक-गैर पारा जेटेट सफल अभ्यर्थी संघ झारखण्ड प्रदेश के अध्यक्ष कुणाल दास ने कहा कि स्व मांझी न केवल शिक्षक संगठन, बल्कि आम जनमानस के भी नेता थे। शिक्षकों के अधिकार एवं समाज के उत्थान के लिए उनके द्वारा किए गए कार्य नयी पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। स्व मांझी के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है।

समाज के लिए वे हमेशा नेता के तौर पर याद किए जाएंगे। इस अवसर पर दिवंगत डोमन चन्द्र मांझी की पत्नी सुकुरमनी मांझी, कवीन्द्र सिंह मुण्डा, कालीचरण मांझी,सुजीत कुमार मांझी, श्यामा प्रसाद मांझी, कार्तिक सिंह मुण्डा, पंकज मांझी, सुकुमार मांझी, प्रफुल्ल चन्द्र महतो, मेघनाथ महतो, दशरथ मांझी, सुरेश लायक, मंगल मांझी, रोहिदास मांझी, निर्मल मांझी आदि उपस्थित थे।

चोरी की घटना को अंजाम देने वाले तीनो आरोपी को पुलिस ने भेजा जेल

राष्ट्रीय खबर

चास: शुक्रवार को चोरी की घटना को अंजाम देने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने चोरी के समान के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा। बताते चले कि पिछले दिनों चास थाना क्षेत्र के नंदुआ स्थान के अन्नपूर्णा देवी के वाटर प्लांट से चोरो ने कई टेंपु के टायर और बैटरी चोरी कर लिया था। इस मामले को लेकर चास थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि चास थाना पुलिस ने अज्ञात अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी के लिए एक एसआईटी टीम का गठन किया। टीम ने कई जगहों पर छापेमारी कर आरोपी आनंद पाल को गिरफ्तार किया। जिसके निशानदेही पर नंदुआ स्थान वाटर प्लांट फैक्ट्री से चोरी की 4 बैटरी को बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ करने पर इनके द्वारा कांड में शामिल अन्य सहयोगी सचिन कुमार और आकाश कुमार की संलिप्तता सामने आई। जहां पुलिस ने आरोपी के घर पर छापेमारी कर सचिन कुमार एवं आकाश कुमार को गिरफ्तार किया।

कार्यालय, वन प्रमंडल पदाधिकारी
हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल

सूचना

जंगली हाथियों से सुरक्षा के सरल एवं सामान्य उपाय

मनुष्यों एवं जंगली जानवरों के बीच टकराव की सूचनाये अक्सर मिलती रहती है। इस संदर्भ में यह भी पाया गया है कि कई बार ग्रामीण असावधानी वश अथवा कौतुहल के कारण हाथियों के साथ छेड़-छाड़ करते हैं या सेल्फी लेने या जंगली हाथियों के विडियो बनाने के लिए नजदीक चले जाते हैं तथा बेवजह उनकी चपेट में आ जाते हैं। कई बार उन्हें अपनी जान से भी हाथ धोना पड़ जाता है।

जब हाथी गाँव में आये या उसके आस-पास से गुजरे, तब सभी को निम्नलिखित सावधानियाँ बरतने की अपील की जाती है :-

1. हाथी नजर आने पर उसकी सूचना तत्काल नजदीकी वन कर्मी को दें ।
2. हाथियों को देखने के लिए पास न जायें और न ही किसी को पास जाने दें ।
3. हाथियों के रास्ते को न रोकें और न ही भीड़ जमा होने दें। उनसे पर्याप्त दूरी बनाये रखें (कम से कम 100 मीटर)।
4. हाथियों को लगातार न खदेड़ें एवं जंगल में उनका पीछा न करें । इससे वे क्षुब्ध एवं हिंसक हो जाते हैं ।
5. जंगल से लगे क्षेत्र में खलिहान न बनायें ।
6. खलिहानों में रात को न सोयें ।
7. खेतों-खलिहानों में रखे या घरों में रखे संग्रहित अनाज को हाथियों द्वारा खाते समय उन्हें न छेड़ें और न ही परेशान करें । नुकसान का उचित मुआवजा विभाग द्वारा दिया जाता है। इसे समय पर प्राप्त करने के लिये अविलम्ब निकटस्थ वन कर्मचारी / पदाधिकारी को सूचित करें।
8. हाथी के चारों ओर कौतुहलवश भीड़ न लगायें। हाथियों को छेड़े नहीं , विशेषकर उनपर पत्थर, गुलेल, तीर, जलता हुआ टायर आदि फेंककर प्रहार न करें ।
9. नशे की हालत में अकेले कभी नहीं निकलें ।
10. हाथी जिन क्षेत्रों में हों, उसके आस-पास के गाँवों में संध्या से प्रातः काल तक आवागमन से बचें।
11. क्षेत्र में जब हाथी रहें, तब तक हड़िया या देशी शराब नहीं बनायें। इसका भंडारण भी न करें। हाथी शराब की ओर आकर्षित होते हैं और इसे प्राप्त करने के उद्देश्य से इन स्थलों / घरों / गाँवों में आते हैं, जिससे नुकसान का अवसर उत्पन्न होता है।
12. बिजली वाले गाँवों के घरों एवं खम्भों पर तेज रोशनी वाले बल्ब लगायें , अंधेरे से बचें ।
13. हाथी द्वारा कान खड़े कर तथा सूंढ़ उपर कर चिल्लाना इस बात का संकेत है कि वह आप पर हमला करने आ रहा है। अतः तत्काल सुरक्षित स्थान पर चले जाएँ ।
14. हाथियों की सूंघने की शक्ति अत्यधिक प्रबल होती है, अतः हाथी को भगाने के क्रम में हवा की दिशा का ध्यान रखें ।
15. हवा की दिशा में यदि हाथी हो तो मिर्च का मशाल बनाकर धुआँ करें ।
16. मिर्च लपेटी गई रस्सी के साथ-साथ गोबर में भी मिर्च पाउडर डालकर उसे अच्छी तरह मिलाकर सुखाकर रख लें। हाथी के धान खाने के अथवा हाथी आने की सूचना प्राप्त होने पर घर के आंगन या बाहर रात्रि में उसे जला देने से हाथी द्वारा नुकसान से बचा जा सकता है।
17. लाल मिर्च के पाउडर को जले हुए मोबील अथवा ग्रीस में अच्छी तरह मिलाकर उसे मोटी रस्सी में लपेटें। रस्सी को भंडारित अनाज वाले घर के चारों ओर लपेटें अथवा हाथी के गाँव में प्रवेश की दिशा में बाँधें। रस्सी के साथ सफेद या लाल रंग के कपड़े की पट्टी भी बांधकर लटका दें, क्योंकि हाथी लाल और सफेद रंग को नापसंद करते हैं। इस प्रक्रिया के 25 से 30 दिनों के अन्दर पुनः दूसरा लेप चढ़ाए ।
18. वन प्रबंधन समिति / इको विकास समिति द्वारा गठित दल के सदस्य शिविर में एकत्रित रह कर हाथियों की गतिविधियों पर निगरानी रखें तथा तदनुसार अन्य ग्रामीणों को अगाह करें।

वन प्रमंडल पदाधिकारी
हजारीबाग पश्चिमी प्रमंडल

PR 304577 Forest, Environment and Climate Changes (23-24)_D

बैठक

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षकों व अभिभावकों में समन्वय जरूरी: डॉ. हेमलता

डीपीएस चास में शिक्षकों व अभिभावकों की पीटीएम आयोजित

- प्रगति में माता-पिता और शिक्षकों की उल्लेखनीय भूमिका होती है

राष्ट्रीय खबर

बोकारो: माता-पिता और शिक्षकों का एक ही लक्ष्य होता है, विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास और सफलता। माता-पिता, शिक्षक और बच्चे की साझेदारी स्कूली प्रक्रिया को समृद्ध और प्रभावशाली बनाती है। माता-पिता अपने बच्चों के पहले शिक्षक होते हैं। उनका सहयोग ही विद्यार्थी की पढ़ाई और उनके विकास पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। इसी उद्देश्य से शनिवार को दिल्ली पब्लिक स्कूल चास में अभिभावक अध्यापक बैठक (पीटीएम) का आयोजन किया गया। इस दौरान शिक्षक और अभिभावक बच्चों के शैक्षणिक विकास से संबंधित एक दूसरे की राय जानने को काफी उत्सुक दिखे। शिक्षकों ने अभिभावकों को खेलकूद व पढ़ाई में बच्चों के प्रदर्शन की जानकारी दी। मौके पर डीपीएस चास की चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस. मोहन ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी प्रतिभाशाली होता है। उनकी प्रगति में माता-पिता और शिक्षकों की उल्लेखनीय भूमिका होती है। उनके प्रोत्साहन बच्चों में निहित संभावनाओं को न केवल निखारते हैं, बल्कि जीवन में ऊंचाइयों को छूने के लिए पंख देते हैं। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अभिभावक और शिक्षकों के बीच निरंतर बातचीत करने की आवश्यकता होती है। चूंकि विद्यार्थी की शिक्षा और उनका संपूर्ण विकास महत्वपूर्ण है, तो ऐसे में एक मजबूत साझेदारी के अलावा कुछ भी मायने नहीं रखता है। उन्होंने कहा कि माता-पिता अपने बच्चे के चरित्र को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वर्तमान परिस्थिति में बच्चों के बेहतर प्रदर्शन के लिए माता-पिता और शिक्षकों की जिम्मेदारियां बढ़ गई हैं, इसलिए पीटीएम के माध्यम से तालमेल विकसित किया गया। विद्यालय की कार्यवाहक प्राचार्या दीपाली भुस्कुटे ने कहा कि शिक्षक और माता-पिता मिलकर बच्चों में आत्मविश्वास को पैदाकर उनकी विशिष्टता को निखारते हैं। दोनों के पारस्परिक सहयोग से ही बच्चों के सुरक्षित वातावरण के विकास में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि कोई बच्चा उच्च शैक्षणिक उत्कृष्टता स्तर को तभी प्राप्त कर सकता है जब उसे परिवार और स्कूल का पूरा समर्थन मिले। शिक्षकों का माता-पिता के संपर्क में होना बच्चे की सफलता के लिए सर्वोपरि है। दोनों पक्षों की मेहनत को देखकर विद्यार्थी अपने शैक्षणिक लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए अधिक लगन से पढ़ाई करते हैं।

शहर >> अपडेट

श्री श्री दुर्गा पूजा समिति की हुई बैठक

गिद्दी : श्री श्री दुर्गा पूजा समिति गिद्दी की एक बैठक आयोजित कर पिछले वर्ष का लेखा जोखा प्रस्तुत करते हुए नयी पूजा समिति का गठन किया गया। श्री श्री दुर्गा पूजा समिति गिद्दी ए के पीओ आर के सिन्हा अध्यक्ष वाशरी पीओ अनूप डुंगडुंग उपाध्यक्ष, गिद्दी थाना प्रभारी सुधीर प्रसाद संरक्षक रणधीर सिंह सचिव, बबलू सिंह कोषाध्यक्ष तथा विजय प्रसाद सह कोषाध्यक्ष को बनाया गया।

शॉर्ट न्यूज अपडेट्स >>

पदयात्रा सहित जलयात्रा 13 अगस्त को

लोहरदगा : 13 अगस्त 2023 (दिन रविवार समय सुबह 06 बजे) को स्वर्णरेखा नदी के उद्गम स्थल रानीचुआँ में गंगा आरती कर पवित्र जल को कलश में भरकर ॐ नमो शिवाय जयकार लगाते हुए लगभग 20 किलोमीटर की दूरी तक करते हुए रांची पहाड़ी मंदिर में देवाधिदेव महादेव का अभिषेक करेंगे एवं संध्या 6:00 बजे बनारस की तरह गंगा आरती के तर्ज पर पहाड़ी मंदिर के मुख्य द्वार पर महादेव का दिव्य आरती करेंगे। आज विकास की अंधी दौड़ में नदियां धीरे-धीरे विलुप्त के कारागार पर है कई नदियां नाले का रूप ले ली है जिसमें जीवनदायिनी स्वर्णरेखा नदी ज्यादा प्रभावित है इसकी स्वच्छता निर्मलता के प्रति जन-जन में विराट भावना भरने एवं स्वर्ण रेखा नदी के उद्गम स्थल रानीचुआँ के संरक्षण के साथ इसके गौरवपुर्ण इतिहास को जन जन पहुंचाने के उदेश्य से यह यात्रा प्रारंभ की जा रही है । विदित हो गंगायात्री पीयूष पाठक झारखंड में नदियों तलाबों एवं पर्यावरण के संरक्षण के उद्देश्य से बनारस की तरह गंगा आरती करते हैं । इसी क्रम में आज झारखंड के पूर्व मुख्य मंत्री सह भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री बाबूलाल लाल मरांडी ने पोस्टर का अनावरण कर स्वर्ण रेखा नदी को स्वच्छ करने को लिकर इस पदयात्रा का समर्थन किया।

संक्षिप्त >> अपडेट्स

इंटरलॉकिंग कार्य पूरा कर सभी ट्रेनों का ठहराव यथा शीघ्र सुनिश्चित किया जाए : कर्नल

मेदिनीनगर : सोननगर गढ़वा रेलखंड पर तीसरी लाइन विस्तारीकरण और इंटरलॉकिंग कार्य की वजह से मेल एक्सप्रेस सहित सभी सवारी पैसेंजर गाड़ियों का ठहराव मोहम्मदगंज स्टेशन पर पिछले 45 दिनों से नहीं हो रहा है। इसके बदले सभी ट्रेनों का ठहराव कोसियारा स्टेशन पर कर दिया गया है। जिसके चलते यात्रियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। रेलवे के तरफ से जारी सूचना के अनुसार 25 जुलाई 2023 तक इंटरलॉकिंग कार्य को पूरा करने का भरोसा दिया गया था ।लेकिन इस अवधि तक कार्य पूर्ण नहीं हो सका और रेलवे ने फिर इसे बढ़ाकर 25 अगस्त 2023 कर दिया है जिसको लेकर यात्रियों में काफी रोष है। मोहम्मदगंज स्टेशन पर आये दिन चैन पुलिंग की शिकायते मिल रही है। किसान ब्रिगेड संरक्षक कर्नल डॉ संजय कुमार सिंह ने पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ स्टेशन प्रबंधक मोहम्मदगंज को डीआरएम के नाम एक ज्ञापन सौंपकर 25 अगस्त इंटरलॉकिंग कार्य को हर हाल में पूरा करने का आग्रह किया है ।उन्होंने कहा कि यहां के लोगों के लिए रेल लाइन ही यात्रियों की जीवन रेखा है इस स्टेशन पर स्थानीय प्रखंड वासियों सहित गढ़वा जिला के कांडी,मझिआंव तथा भवनाथपुर के निवासी भी यहीं से ट्रेन पकड़कर रांची पटना वाराणसी जपला या डालटनगंज आते जाते है ।रेलवे की तरफ से केवल आरक्षित कोटे के यात्रियों हेतु मोहम्मदगंज से कोसियारा स्टेशन जाने के लिए बस की सुविधा दी गई है। बाकी जनरल यात्री को स्टेशन पहुंचने में बड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है और यात्रियों को अनेक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और यहां के जनप्रतिनिधि चुप्पी साधे हुए है। उनका रवैया रेल यात्री के प्रति ठीक नहीं है हम लोग रेल यात्रियों को हर सुविधा दिलाने हेतु कटिबद्ध हैं।

कार्यक्रम

बीएंडके महाप्रबंधक एमके राव ने किया स्कूल हॉल का उद्घाटन

शिक्षा को उच्च स्तर की सुविधा प्रदान करने के लिए कृत संकल्पित है : राव

राष्ट्रीय खबर

बेरमो: करगली सीनियर क्वार्टर स्थित मेरा बचपन प्ले स्कूल मे सीसीएल बीएडके क्षेत्र द्वारा निर्मित हॉल का विधिवत उद्घाटन शनिवार को महाप्रबंधक एमके राव ने दीप प्रज्वलित और फीता काटकर किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक राव ने उपस्थित नन्हे-बच्चे ,अभिभावकों और शिक्षक-शिक्षिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वह क्षेत्र में शिक्षा को उच्च स्तर की सुविधा प्रदान करने के लिए कृत संकल्पित है। जब कहीं से भी किसी विद्यालय द्वारा सुविधा प्रदान की मांग की गई है तो उन्होंने प्राथमिकता के आधार पर उन सुविधाओं को प्रदान करने का प्रयास किया है और आगे भी करते रहेंगे। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वह अपने बच्चों को मोबाइल से दूरी बनाकर रखने का प्रयास करें। क्योंकि छोटे नन्हे मुन्ने बच्चों पर मोबाइल रेडिएशन के साथ-साथ गलत चीजों को देखने से दिमाग पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

राव ने कहा की मेरा बचपन प्ले स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय प्रयास कर रहा है। प्राथमिक शिक्षा बेहतर ढंग से उपलब्ध कराना काफी बड़ी चुनौती होती है लेकिन यह विद्यालय बखूबी निभा रहा है। ज्ञातव्य हो कि कार्यक्रम शुभारंभ होते ही स्कूल की नन्हे बच्चो ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति कर सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। स्कूल की प्राचार्या मिसेज रितू राठौर और निर्देशक जयेश राठौर ने बीएडके क्षेत्र के महाप्रबंधक एमके राव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्व में हॉल नहीं रहने के कारण कार्यक्रम के आयोजन में काफी परेशानी होती थी। लेकिन अब हॉल बन जाने से कार्यक्रम के आयोजन में कोई परेशानी नहीं होगी। इस अवसर पर समाजसेवी धीरु भाई राठौर ने कहा छोटे-छोटे बच्चों को बेहतरीन शिक्षा के साथ-साथ संस्कार मिल सके इसके लिए उन्होंने इस विद्यालय की स्थापना की है।

कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा जिला उपाध्यक्ष अर्चना सिंह, पूर्व वार्ड पार्षद रश्मि सिंह, समाज सेवी ललिता किडो, नेचर किड्स स्कूल के प्राचार्य रूबी राठौर और जय राठौर ने अपने - अपने वक्तव्य में स्कूल की उपलब्धि तथा सीसीएल बीएडके क्षेत्र के महाप्रबंधक एमके राव द्वारा स्कूल में हॉल के निर्माण कराने की सराहना की। मंच संचालन अंजना सिंह और सोमा मंडल ने सफलता पूर्वक किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षिका केसर फातिमा ,रेखा सिंहा, रमणिका मंडल, डिंपी कुमारी, सुष्मिता मिश्रा, पल्लवी दुबे आदि ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

अखिल पंडा के निधन पर पेंशनर कल्याण समाज ने दी श्रद्धांजलि

गोला : झारखंड पेंशनर कल्याण समाज गोला प्रखंड की बैठक प्रखंड अध्यक्ष दु:ख हरण चंद्र पोद्दार के आवास में हुई। अध्यक्षता दु:ख हरण पोद्दार ने किया। बैठक में रजरप्पा मंदिर के पुजारी अवकाश प्राप्त शिक्षक अखिल कुमार पंडा के निधन पर पेंशनरों ने गहरा दु:ख व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। बताया गया कि स्व पंडा गोला मध्य विद्यालय में शिक्षक थे। वे 2007 में अवकाश ग्रहण किए थे। स्व पंडा के निधन पर दु:ख हरण पोद्दार, रामस्वरूप लाल खन्ना, नरेश चंद्र पोद्दार, बाल गोविंद राम करमाली, वासुदेव महथा, यूसुफ मियां, पारस नाथ बेदिया, बच्चन प्रजापति, भगतु नाया, गोपी प्रसाद, घनश्याम प्रजापति, बलराम करमाली, रामचंद्र राम, पवन महतो, भास्कर मिश्र, विमल कृष्ण पंडा, कुंवर कुमार बक्सी, मनोज मिश्र सहित ब्राह्मण समाज, क्षेत्र के समाजसेवी, रजरप्पा मंदिर न्यास समिति ने गहरा दु:ख व्यक्त कर श्रद्धांजलि दी है।

सोना सोबरन योजना के अंतर्गत मुखिया ने किया साड़ी, धोती ,लुंगी का वितरण

गिद्दी : डाड़ी प्रखंड के गिद्दी पंचायत ख में हनुमान चौक स्थित राजेंद्र प्रसाद गुप्ता के जनवितरण प्रणाली की दुकान में मुखिया श्रीमती उषा देवी द्वारा लाभुकों के बीच सोना सोबरन योजना के तहत साडी,धोती, तथा लूंगी का वितरण किया गया ।मुखिया उषा देवी ने बताया कि झारखंड सरकार द्वारा तमाम राशन कार्डधारियों के गरीब लाभुकों को वर्ष में दो बार साडी धोती लूंगी 10-10रुपए में मुहैया कराया जाता है ।इसी के तहत राजेंद्र प्रसाद गुप्ता के जनवितरण प्रणाली की दूकान पर वितरण किया गया ।इस मौके पर उपमुखिया सरिता देवी वार्ड सदस्य रेखा रवानी पीडीएस दुकानदार राजेंद्र प्रसाद गुप्ता सहित कई लाभुक मौजूद थे।

निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर संपन्न

राष्ट्रीय खबर

बेरमो: भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, मारवाड़ी युवा मंच और मारवाड़ी सम्मेलन बेरमो शाखा के संयुक्त तत्वाधान में फुसरो स्थित अग्रसेन भवन में निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण तीन दिवसीय शिविर संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि बेरमो विधायक कुमार जयमंगल सिंह उर्फ अनूप सिंह तथा विशिष्ट अतिथि कथारा जीएम दिनेश कुमार गुप्ता ने डेढ़ सौ दिव्यांगों के बीच जिनके हाथ-पैर कटे थे उनको नाप के अनुरूप कृत्रिम अंग, श्रवण यंत्र और वैशाखी जांच के उपरांत निःशुल्क प्रदान किया गया। विधायक कुमार जयमंगल ने कहा कि मानव सेवा से बढ़कर कोई दूसरी सेवा नहीं है। खास करके दिव्यांगों को कृत्रिम अंग प्रदान करना काफी पुण्य का काम है। इसके लिए भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति काफी सराहनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने हर संभव सहयोग देने की बात भी। विशिष्ट अतिथि कथारा क्षेत्र के महाप्रबंधक डी के गुप्ता ने कहा कि भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति ने तीन दिवसीय शिविर लगाकर काफी सराहनीय कार्य किया है। इसमें जिन लोगों को कृत्रिम अंग प्रदान किया गया है उनके चेहरे की खुशी मानवता की खुशी है। इस अवसर पर बीएमआईएसएस रांची ललित केडिया सचिव नेमी अग्रवाल, सलाहकार ओम प्रकाश अग्रवाल, दिलीप गोयल, रामावतार कारिवाल और अध्यक्ष सुरेन्द्र खेमका उर्फ चिंटू ने कहा कि इस शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद विकलांगों को अधिक सहायता प्रदान करना है। बताया कि कृत्रिम अंग लगने से दिव्यांग व्यक्ति सामान्य जीवन जी सकता है।

मेरी माटी मेरा देश अभियान के अंतर्गत उपायुक्त ने दिलाई पंच प्रण शपथ

राष्ट्रीय खबर

रामगढ़ : आजादी के अमृत महोत्सव अंतर्गत मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत शनिवार को उपायुक्त चंदन कुमार की अध्यक्षता में नगर परिषद वार्ड संख्या 28 में अमृतसर सरोवर के समीप कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सर्वप्रथम उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक एवं अनुमंडल पदाधिकारी सह कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद सहित उपस्थित अन्य अधिकारियों ने मातृभूमि की स्वतंत्रता और उसके गौरव की रक्षा के लिए बलिदान हुए वीरों को नमन करने संबंधित शिलाफलकम का उद्घाटन किया। मेरी माटी मेरा देश अभियान अंतर्गत वीरों का वंदन कार्यक्रम के तहत उपायुक्त ने पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारियों के साथ स्वतंत्रता संग्राम के गुमनाम नायकों और शहीदों को याद करने व देश की मिट्टी पर गर्व करने के उद्देश्य से नगर परिषद अंतर्गत सभी 33 वार्डों से संग्रहित मिट्टी को कलश में रखा वही वसुधा वंदन कार्यक्रम के तहत उपायुक्त ने अन्य अधिकारियों के साथ वृक्षारोपण किया। मौके पर उपायुक्त ने झंडोत्तोलन किया वही सभी अधिकारियों सहित उपस्थित अन्य लोगों ने राष्ट्रगान गया। कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने मेरी माटी मेरा देश अभियान अंतर्गत पंच प्रण के तहत सभी को देश को 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को साकार करने, गुलामी की मानसिकता को जड़ से उखाड़ फेंकने, देश की समृद्ध विरासत पर गर्व करने, भारत की एकता को सुदृढ़ करने और देश की रक्षा करने वालों का सम्मान करने तथा देश के नागरिक होने का कर्तव्य निभाने की शपथ दिलाई। साथ ही उपायुक्त ने कार्यक्रम के दौरान आयोजित सेल्फी अभियान में भी हिस्सा लिया। उपरोक्त के अलावा मौके पर जिला परिवहन पदाधिकारी, कार्यपालक दंडाधिकारी सह प्रभारी विधि शाखा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सहित भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

समाजसेवी सह व्यवसाई स्व.संजीव के श्राद्ध में शामिल हुए कई दिग्गज

बेरमो : बोकारो के बारी-कोऑपरेटिव स्थित समाजसेवी सह व्यवसाई स्व .संजीव कुमार सिंह के निधन पर शुक्रवार को आयोजित श्राद्ध कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी, व्यवसाई के साथ-साथ राजनीतिक दल के कई दिग्गज पहुंचकर शोक संवेदना प्रकट करते हुए श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल होकर महाप्रसाद ग्रहण किया। इससे पहले नितेश उपाध्याय के नेतृत्व मे ब्राह्मणों ने वैदिक रीति-रिवाज के अनुसार संजीव कुमार सिंह का श्राद्ध कर्म संपन्न कराया। श्राद्ध कर्म में 16 वी लोकसभा सांसद रविंद्र कुमार पांडेय, विधायक बिरंची नारायण, भाजपा नेता लक्ष्मण नायक, विक्रम पांडेय,और दिनेश कुमार सिंह, भोलू पासवान, इनमोसा नेता विजय कुमार सिंह,पत्रकार नंदलाल सिंह, कृष्णा सिंह,अनिल सिंह, उदय सिंह, अभय कुमार सिंह, सुनील सिंह, लव-कुश सिंह, रवि सिंह उर्फ पिंटू सिंह आदि मुख्य रूप से शामिल हुए।

वीर अमर शहीद खुदीराम बोस की मनाई गई 115 वीं पुण्यतिथि

राष्ट्रीय खबर

बेरमो : वीर अमर शहीद खुदीराम बोस की 115 वीं पुण्यतिथि पर बंगाली समिति जवाहर नगर, सुभाषनगर शाखा की ओर से झारखण्ड बंगाली एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष श्यामल कुमार सरकार के जवाहर नगर आवासीय कार्यालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान एसोसिएशन के सदस्यों ने खुदीराम बोस के तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष श्यामल कुमार सरकार ने कहा कि महज 18 साल की उम्र में फांसी के फंदे को चूमने वाले अमर शहीद खुदीराम बोस की आज 115 वीं पुण्यतिथि है। आज ही के दिन 1908 में उन्हें फांसी की सजा हुई थी। अपनी शहादत के बाद खुदीराम इतने लोकप्रिय हुए कि बंगाल में उनके नाम की धोती बुनी जाने लगीं और युवा उस धोती को पहना करते थे। फांसी से पहले खुदीराम बोस की एक तस्वीर सामने आई थी जिसमें उनके पैरों में रस्सी तो थी लेकिन चेहरा आत्मविश्वास और देश के लिए शहीद होने के गर्व से भरा हुआ था। उस तस्वीर में करोड़ों भारतीयों के साथ-साथ उन अंग्रेज शासकों के लिए भी संदेश छिपा था कि हम भारतीय सजा-ए-मौत से घबराते नहीं हैं, हमें इससे डराने की रत्तीभर भी कोशिश मत करना। अमर शहीद खुदीराम बोस का जन्म बंगाल के मिदनापुर में हुआ था। वह तब 15 साल के थे जब अनुशीलन समिति का हिस्सा बने थे। यह 20 वीं सदी की संस्था थी जो बंगाल में क्रांतिकारी गतिविधियों का प्रचार-प्रसार का काम करती थी। मौके पर शंकर चक्रवर्ती, चंदन चक्रवर्ती, विमल कुमार सिन्हा, अशोक सरकार, श्यामा दास गुप्ता, सौजल बनर्जी, गौतम सेन गुप्ता, भोला चक्रवर्ती, पोलोप दास गुप्ता, रमेश प्रसाद आदि मौजूद थे।

अपराधियों ने व्यवसायी सुशील अग्रवाल को बट से मारकर किया घायल

राष्ट्रीय खबर

बेरमो : गोमिया-ललपनिया मुख्य मार्ग पर भोलाडीह के समीप 11 अगस्त शुक्रवार की शाम अपराधकर्मियों ने पेटरवार के व्यवसायी सुशील अग्रवाल को रिवाल्वर की बट से मारकर घायल कर दिया और उनके पास हजारो रुपए लूटकर फरार हो गए। बताया गया कि व्यवसायी अपनी वैन से जमकडीह से तगादा कर लौट रहे थे। अपराधी जमकडीह से ही मोटरसाइकिल से उनका पीछा कर रहे थे। भोलाडीह के निकट पहुंचते ही उनकी गाड़ी को ओवरटेक कर रुकवाया और लूटपाट करने लगे। विरोध पर बदमाशों ने रिवाल्वर की बट से उनके सिर पर मारकर घायल कर दिया और पैसे लूटकर फरार हो गए। व्यवसायी सुशील अग्रवाल को लेकर उनका चालक किसी तरह गोमिया सरकारी अस्पताल पहुंचा। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए उन्हें रांची रेफर कर दिया। उनके सिर में गहरा जख्म है।सूचना मिलते ही गोमिया थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और सुशील अग्रवाल से घटना की जानकारी ली। गोमिया के सर्किल इंस्पेक्टर महेश प्रसाद सिंह ने बताया कि पुलिस अपराधियों की धर-पकड़ के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। अपराधी जल्द पकड़े जाएंगे।

स्वतंत्रता दिवस के पूर्वाभ्यास का उपायुक्त ने किया निरिक्षण

रामगढ़ : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सिदो कान्हू मैदान रामगढ़ में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम के मद्देनजर शनिवार को उपायुक्त चंदन कुमार ने पुलिस अधीक्षक पीयूष पांडे के साथ फाइनल पूर्वाभ्यास का निरीक्षण किया। मौके पर उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने परेड का निरीक्षण किया जिसके उपरांत उपायुक्त ने झंडातोलन किया। इस दौरान राधा गोविंद पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने राष्ट्रीय गान गाया वही कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय रामगढ़ की छात्राओं के द्वारा बैंड की प्रस्तुति दी गई। मौके पर उपायुक्त ने जिला परिवहन पदाधिकारी सह नजारत उप समाहर्ता सौरभ प्रसाद एवं कार्यपालक दंडाधिकारी सह प्रभारी विधि शाखा विशाल कुमार से स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर अंतिम चरण की तैयारियों की जानकारी लेते हुए कार्यक्रम के भव्य व सफल आयोजन हेतु आवश्यक निर्देश दिए। स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह स्थानीय सिदो कान्हू मैदान में पूर्वाह्न 9:05 बजे से शुरू होगा। उपायुक्त कार्यालय में प्रातः 10:30 बजे, पुलिस अधीक्षक कार्यालय में प्रातः 10:35 बजे, उप विकास आयुकत कार्यालय में प्रातः 10:40 बजे, अनुमंडल कार्यालय में प्रातः 10:55 बजे अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कार्यालय में प्रातः 11:00 बजे एवं पुलिस लाईन रामगढ़ में प्रातः 11:15 बजे झंडारोहण किया जाएगा। इस दौरान उप विकास आयुक्त सहित जिला स्तरीय पदाधिकारियों, अधिकारियों सहित अन्य उपस्थित थे।

प्रोत्साहन

उत्क्रमित उच्च विद्यालय में खेलो झारखंड का हुआ आगाज

खेल हमें अनुशासन सिखाता है : करन बेदिया

राष्ट्रीय खबर

गिद्दी : उत्क्रमित उच्च विद्यालय कंजगी मे खेलो झारखंड खेलो-2023- 24 का आयोजन किया गया। बूमरी पंचायत के मुखिया करण कुमार बेदिया एवं पंचायत समिति सदस्य लालचंद बेदिया द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर विधिवत रूप से खेलो झारखंड खेलो 2023-24 का उद्घाटन किया गया। मुखिया करण बेदिया ने कहा कि सरकार द्वारा इस तरह का खेल कूद विद्यालय स्तर पर किए जाने से छोटे-छोटे बच्चों को खेल के प्रति बढ़ावा मिलेगा एवं गांव कस्बो से एक बेहतर खिलाड़ी राज्य एवं देश के लिए प्रतिनिधित्व कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि उत्क्रमित उच्च विद्यालय कंजगी में आने वाले कुछ दिनों में बच्चों को खेलने के लिए खेल की सारी सामग्री कीट एवं यूनिफॉर्म देने की बात भी कही गई है। अंत में उन्होंने कहा कि खेल का दूसरा नाम अनुशासन है और खेल हमें अनुशासन सिखाती है। खेल को खेल भावना से ही खेलना चाहिए।उन्होंने विद्यालय के बच्चों को अपनी ओर से खेलने के लिए फुटबॉल दिया।

खेल शिक्षक निरंजन महतो ने कहा की खेलो झारखंड खेलो का कार्यक्रम विद्यालय स्तर पर 3 दिनों तक चलेगा। जिसमें कक्षा पहली से लेकर दसवीं कक्षा तक अंडर 14, बालक-बालिका,अंडर 17, बालक-बालिका, अंडर-19, बालक-बालिका के बीच खो-खो, कबड्डी, वॉलीबॉल, बैडमिंटन 20-20 क्रिकेट मैच, लंबी कूद, ऊंची कूद, भाला फेंक, चक्का फेंक, एवं विभिन्न खेलों का आयोजन किया जाएगा। विद्यालय स्तर पर जो बच्चे प्रथम स्थान लाएंगे, वे बच्चे प्रखंड स्तरीय खेलो झारखंड खेलो प्रतियोगिता में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रविंद्र बेदिया, प्रधानाध्यापक महेंद्र, खेल शिक्षक निरंजन महतो, रामानुज कुमार, जय कुमार राम, संजीत सिंह, संजय रवि, ओम प्रकाश महतो, पूर्णिमा कुमारी, दीपक कुमार, रोशन लाल बेदिया, अमरचंद बेदिया, रामदेव बेदिया, रासबिहारी महतो उपस्थित थे ।

इनमोसा के सदस्यों ने पीओ एवं कार्मिक प्रबंधक से की मुलाकात

रामगढ : गिद्दी :अरगड्डा क्षेत्र इनमोसा के सदस्यों ने स्वर्गीय जयराम माइनिंग सरदार की नौकरी के प्रवधान में हो रही विलंब से नाराज होकर गिद्दी ए परियोजना पदाधिकारी आर .के सिन्हा एवं कार्मिक पदाधिकारी से इन्मोसा के अरगड्डा क्षेत्रीय सचिव मधुसूदन सिंह ने यह सवाल उठाया कि स्व . जयराम की सारी कागजात के पूरी होने के बावजूद नौकरी में विलंब क्यों हो रही है। इस पर चर्चा करते हुए परियोजना पदाधिकारी और कार्मिक प्रबंधक ने आश्वासन दिया गया कि 22 अगस्त तक नौकरी की सारी प्रक्रिया पूरी कर क्षेत्रीय कार्यालय भेज दिया जाएगा। क्षेत्रीय सचिव ने पीओ को ज्ञापन सौप कर कहा कि 15 दिनों के अंदर सारी प्रक्रिया पूरी नही होती तो क्षेत्र के सभी परियोजना में जोरदार प्रदर्शन एवं गिद्दी ए में धरना दिया जाएगा इसकी तमाम जिम्मेवारी प्रबंधन की होगी। इस मौके पर स्व . जयराम की पत्नी एवं पुत्र के साथ इनमोसा के रमेश राजभर, निकेश प्रताप सिंह, संजय सिंह, नागेन्द्र सिंह, कृष्णा गोपाल, प्रदीप सिंह, सुधीर कु सिंह, चंद्रशेखर सिंह, राहुल सिंह, सोनू कुमार, हेमंत शर्मा, शनाउल्लाह, धर्मनाथ मधेसिया, नारायण प्रसाद, नारायण महली सहित कई अन्य इन्मोसा के लोग उपस्थित थे।

मैं ना बोलू ना बोलू ना बोलू रे... .. ..

रजत कुमार गुप्ता

संसद के सत्र को अनिश्चितकालीन अवधि के लिए स्थगित करने के दौरान जो घटनाएं हुई, उनमें सिर्फ राहुल गांधी की सदन में वापसी से सत्ता पक्ष को परेशानी है। वरना अधीर रंजन चौधर सहित कई लोगों को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है क्योंकि वे भी अप्रिय प्रश्न खड़ा कर रहे थे। अब क्या होगा, इसे भी सुप्रीम कोर्ट द्वारा ईडी निदेशक को मिले 15 सितंबर तक के सेवाविस्तार से जोड़कर देखना होगा। जाहिर सी बात है कि इस दौरान अनेक विरोधी नेता, जो रास्ते का कांटा बने है, उन्हें हटाने का काम होगा। इसमें खास तौर पर झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे खनिज प्रधान राज्य आते हैं क्योंकि इसके जरिए ही सत्ता को आगे बढ़ने का रास्ता मिलता है।

मैं ना बोलूं तो कोई क्या कर लेगा। यह सवाल सही है। जब संविधान लिखा जा रहा था तो किसी ने इस संकट पर गौर भी नहीं किया था। सिर्फ मुंह खुलवाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाना पड़े, यह गलत बात है। फिर भी गनीमत है कि इसी बहाने ही सही पर लोकसभा के अंदर बोले तो। अगर अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाया जाता तो कोई क्या बिगाड़ लेता। आखिर साहब के पास प्रचंड बहुमत जो है। अविश्वास प्रस्ताव का परिणाम क्या होना है, इसे तो बच्चा बच्चा जानता था लेकिन नरेंद्र मोदी मणिपुर के मुद्दे पर इतना कम बोलेंगे, इसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। ऊपर से प्रकाश अंबेडकर ने नया बम फोड़ दिया है कि सारी हिंसा वहां के पहाड़ों में मौजूद प्लैटिनम के भंडार को किसी मित्र उद्योगपति को सौंपने की साजिश है। पता नहीं यह कितना सही और कितना गलत है लेकिन वहां प्लैटिनम पाया गया है, यह सच है और यह भी सच है कि इसपर अधिकार वहां के कुकी समुदायों की ग्राम सभा का है। ऐसा नियम कहता है। अब कुकी समुदाय की शर्त है कि सरकार खनन करें तो वह सहमति देंगे किसी निजी कंपनी के लिए यह सहमति नहीं देंगे। खैर चुनाव करीब आ रहे हैं तो दोनों तरफ से दांव लगाये जाएंगे। फिर भी इतना साफ हो रहा है कि मणिपुर में कुकी आदिवासियों के साथ जो कुछ हो रहा है, उसे देश का आदिवासी समुदाय अच्छी नजरों से नहीं देख रहा है। यह भी काफी कुछ किसान आंदोलन के साथ मिलता जुलता मामला बन गया है। किसानों के कथित फायदे के लिए तीन कृषि बिल लाने के पहले ही एक उद्योगपति के बड़े बड़े अनाज भंडार पहले से ही तैयार हो गये थे। यहां प्लैटिनम के खनन का मामला पता चला तो वहां कुकी और मैतेई समुदाय के बीच हिंसक टकराव प्रारंभ हो गया। अब मजबूरी में मोदी जी को बोलना ही पड़ा तो वह इसे भी चुनावी जनसभा समझ बैठे। इसी बात पर वर्ष 1976 में बनी फिल्म जिंदगी का यह गीत याद आने लगा है। इस गीत को लिखा था अमित खन्ना ने और संगीत में ढाला था राजेश रोशन ने। इसे लता मंगेशकर ने अपना स्वर दिया था। गीत के बोल कुछ इस तरह हैं।

मैं ना बोलू ना बोलू ना बोलू रे
ए मैं ना बोलू ना बोलू ना बोलू रे
बोले मेरा बचपन की
हो मोहे प्रीत है बचपन की
एई मैं तो डोलू रे डोलू डोलू रे
मैं ना बोलू ना बोलू ना बोलू रे
शरम से भारी अंखिया हमारी
करती बस ये बाते तुम्हारी
लाख जतन करे मेरा मन सुन सखी
कोई जादू हम पे है चलाये
मैं ना बोलू ना बोलू ना बोलू रे
एई मैं तो डोलू रे डोलू डोलू रे
जीवन सारा यूं ही गुजरा
मोरी नैया ढूंढे किनारा
संग संग पवन के
पंछी बन के
आने वाले अब तो आ भी जा
मैं ना बोलू ना बोलू ना बोलू रे
एई मैं तो डोलू रे डोलू डोलू रे
मैं ना बोलू ना बोलू ना बोलू रे

खैर अब आगे क्या होगा, इस पर अटकलबाजी का दौर जारी है। संसद के सत्र को अनिश्चितकालीन अवधि के लिए स्थगित करने के दौरान जो घटनाएं हुई, उनमें सिर्फ राहुल गांधी की सदन में वापसी से सत्ता पक्ष को परेशानी है। वरना अधीर रंजन चौधर सहित कई लोगों को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है क्योंकि वे भी अप्रिय प्रश्न खड़ा कर रहे थे। अब क्या होगा, इसे भी सुप्रीम कोर्ट द्वारा ईडी निदेशक को मिले 15 सितंबर तक के सेवाविस्तार से जोड़कर देखना होगा। जाहिर सी बात है कि इस दौरान अनेक विरोधी नेता, जो रास्ते का कांटा बने है, उन्हें हटाने का काम होगा। इसमें खास तौर पर झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे खनिज प्रधान राज्य आते हैं क्योंकि इसके जरिए ही सत्ता को आगे बढ़ने का रास्ता मिलता है। लेकिन झारखंड के साथ परेशानी यह है कि जब जब केंद्रीय एजेंसियां हेमंत सोरेन के करीबियों पर हाथ डालती है तो पूर्व की रघुवर दास सरकार के कारनामें सामने आ जाते है। ऊपर से जमशेदपुर के विधायक सरयू राय हैं कि अकेले सारी केंद्रीय एजेंसियों पर भारी पड़ जाते हैं।

बिहार में अपने सुशासन बाबू ने जातिगत जनगणना का दांव चलकर भाजपा को परेशान कर दिया है। उसका नतीजा क्या होगा, यह तो हर कोई समझ सकता है। इसलिए इंडिया नामक गठबंधन का गठन ही भाजपा के लिए परेशानी का सबब बन गया है। अधिक सीटों वाले राज्यों में से अकेला उत्तरप्रदेश है जहां कठिन चुनौती नहीं है। वरना महाराष्ट्र से लेकर पश्चिम बंगाल तक विरोधी अगर वाकई चुनाव में एकजुट हुए तो क्या होगा, यह समझा जा सकता है।

अब अंतिम बात यह कि अगर किसी वजह से सत्ता परिवर्तन हो गया तो उन टीवी चैनलों और उनके एंकरों का क्या होग, जो सरकार के प्रचारक बने रहे हैं। अब तो यूट्यूब और फेसबुक पोस्ट भी इन चैनलों पर भारी पड़ चुके हैं।

टेलीविजन धारावाहिक पृथ्वीराज चौहान से कैरियर शुरू की थी सिद्धार्थ ने

बॉलिवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा का जन्म दिल्ली , भारत में एक पंजाबी हिंदू परिवार में हुआ था, मर्चेंट नेवी के पूर्व कप्तान सुनील और गृहिणी रिम्मा मल्होत्रा के घर। उनकी स्कूली शिक्षा दिल्ली के डॉन बॉस्को स्कूल और नेवल पब्लिक स्कूल में हुई और उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद भगत सिंह कॉलेज से स्नातक की उपाधि प्राप्त की । 18 साल की उम्र में उन्होंने मॉडलिंग शुरू कर दी। हालांकि वह सफल रहे, लेकिन उन्होंने चार साल बाद इसे छोड़ने का फैसला किया क्योंकि वह इस पेशे से असंतुष्ट थे। मल्होत्रा की पहली अभिनय भूमिका 2009 में टेलीविजन धारावाहिक धरती का वीर योद्धा पृथ्वीराज चौहान में थी , जिसमें उन्होंने जयचंद की छोटी भूमिका निभाई थी । अभिनय करियर को आगे बढ़ाने में रुचि रखते हुए, उन्होंने अनुभव सिन्हा द्वारा निर्देशित एक फिल्म के लिए सफलतापूर्वक ऑडिशन दिया । हालांकि, फिल्म बंद कर दी गई, जिसके बाद उन्होंने 2010 की फिल्म माई नेम इज खान में करण जौहर के सहायक निर्देशक के रूप में काम किया । 2012 में, उन्होंने नवागंतुक वरुण धवन और आलिया भट्ट के साथ जौहर के किशोर नाटक स्टूडेंट ऑफ द ईयर से अपनी फिल्म की शुरूआत की।. उन्हें एक छात्रवृत्ति छात्र अभिमन्यु सिंह के रूप में लिया गया था, जो वार्षिक स्कूल चैंपियनशिप जीतने के लिए अपने अमीर सबसे अच्छे दोस्तों के साथ प्रतिस्पर्धा करता है। सीएनएन-आईबीएन के फिल्म समीक्षक राजीव मसंद ने उनके प्रदर्शन को गंभीर माना, और कहा कि उनकी सुखदायक उपस्थिति थी। स्टूडेंट ऑफ द ईयर वित्तीय रूप से सफल रही, दुनिया भर में 1.09 बिलियन (14 मिलियन) की कमाई की ।

मल्होत्रा 2014 में हंसी तो फंसी का प्रचार कर रहे थे

एक साल तक स्क्रीन से गायब रहने के बाद, मल्होत्रा ने 2014 की रोमांटिक कॉमेडी हंसी तो फंसी में परिणीति चोपड़ा के साथ अभिनय किया , जो एक वैज्ञानिक और एक कम आत्मविश्वास वाले महत्वाकांक्षी व्यवसायी की प्रेम कहानी बताती है। फिल्म दुनिया भर में 1.7 बिलियन (यूएस $21 मिलियन) से अधिक की कमाई के साथ व्यावसायिक रूप से सफल रही। फिल्म के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन ने उन्हें हिंदी सिनेमा के सबसे होनहार नए अभिनेताओं में से एक के रूप में स्थापित किया ।

करियर में उतार-चढ़ाव (2016-2020)

मल्होत्रा ने कपूर एंड संस की सफलता के बाद रोमांटिक कॉमेडी बार बार देखो में कैटरीना कैफ के साथ एक समय यात्रा करने वाले गणितज्ञ की भूमिका निभाई। नित्या मेहरा द्वारा निर्देशित इस फिल्म को खराब प्रतिक्रिया मिली थी। बाद में 2017 में, उन्होंने पहली बार एक्शन कॉमेडी ए जेंटलमैन में जैकलीन फर्नांडीज के साथ लेखक-निर्देशक जोड़ी राज निदिमोरु और कृष्णा डीके की दोहरी भूमिकाओं में अभिनय किया , जिसे फॉक्स स्टार स्टूडियो द्वारा निर्मित किया गया था ; हालाँकि यह अत्यधिक प्रत्याशित था, फिर भी इसे खराब स्वागत मिला। दोनों फिल्में बॉक्स-ऑफिस पर बम साबित हुईं।

उन्होंने पहली बार रोमांटिक-कॉमेडी जबरिया जोड़ी में अभिनय किया , जो परिणीति चोपड़ा के साथ उनका दूसरा सहयोग था। फिल्म को नकारात्मक समीक्षा मिली और इसे फ्लॉप माना गया। उनकी दूसरी उपस्थिति मिलाप मिलन जावेरी की एक्शन फिल्म मरजावां में थी , जिसमें उनके सह-कलाकार रितेश देशमुख और तारा सुतारिया थे । 2021 में, मल्होत्रा ??ने भारतीय सेना अधिकारी विक्रम बत्रा के जीवन पर आधारित जीवनी युद्ध फिल्म शेरशाह में मुख्य भूमिका निभाई थी ।

मल्होत्रा ??की 2022 में रिलीज होने वाली एकमात्र फिल्म फंतासी कॉमेडी थैंक गॉड थी, जिसमें अजय देवगन सह-कलाकार थे , जो व्यावसायिक रूप से असफल रही। मल्होत्रा एक्शन फिल्म योद्धा , और निर्देशक रोहित शेट्टी की अमेजॉन प्राइम वीडियो की वेब श्रृंखला, इंडियन पुलिस फोर्स में अभिनय किया।

गधा विवाद में नहीं पड़ता

>>व्यंग्य >>गुरमीत बेदी

कई बार मुझे 'भाई लोगों' की बात पर बहुत गुस्सा आता है। जब भी उनकी खोपड़ी घूमती है, किसी को भी गधा करार दे देते हैं। जैसे गधा, गधा न होकर दुनिया की सबसे मूर्ख शख्सियत हो। अरे भई, गधे की भी अपनी इमेज होती है, उसकी भी कोई बिरादरी होती है जहां उसने मुंह दिखाना होता है। उसके भी अपने 'इमोशनज' होते हैं। अब क्या हुआ जो गधा सबके सामने हंसता नहीं है, रोता नहीं है, मुस्कराता नहीं है, ईर्ष्यार्ता नहीं है, घिघियाता नहीं है और न ही आंखे तरेर कर देखता है। अपनी भावनाओं पर काबू रखने में गधे का क्या कोई सानी है? नहीं न। तो फिर गधे को इतना जलील क्यों किया जाता है कि हर ऐरे-गैरे नत्थू-खैरे की तुलना उससे कर दी जाती है।

भाई लोग मेरी इस साफगोई का भले ही बुरा मानें लेकिन भाई मैं तो गधे के लिए अपने दिल में साफ्ट-कॉर्नर रखता हूं। उसकी इज्जत करता हूं। गधे को मैंने बहुत करीब से देखा है, जाना है। गधा एक ऐसा प्राणी है जिसका इस समाज को अनुसरण करना चाहिए, उसके पदचिन्हों पर चलना चाहिए। अब देखो न, गधा कभी बयान नहीं बदलता। अपने स्टैंड पर कायम रहता है। आस्थाएँ भी नहीं बदलता। जिसके साथ खड़ा हो गया, दिलोजान से उसके साथ चलेगा। धांधलियों की शिकायत करने भी नहीं जाता। खोखले वायदे भी नहीं करता। नारे भी नहीं लगाता। उस पर सवार होकर कोई कितना भी क्यों न चीख-चिल्ला ले, गधे पर कोई असर नहीं पड़ता। उसकी सहनशक्ति गजब की है। क्या हम में से कोई इतनी सहनशक्ति का मालिक है?

आप गधे पर कोई भी निर्णय थोप दो। गधा कभी रियेक्ट नहीं करेगा। कोई ऐसा-वैसा इशारा भी नहीं करेगा जैसा ग्रैग चैपल ने कोलकाता में किया। गधा चुपचाप अपना गुस्सा पी जाएगा लेकिन विवाद खड़ा नहीं करेगा। वैसे भी विवाद खड़ा करके चर्चा में बने रहना गधे की आदतों में शुमार नहीं है। अगर विवाद ही खड़ा करना होता तो गधा भी तमिल अभिनेत्री खुशबू के उस बयान में अपनी हां मिला देता जो उसने शादी पूर्व सुरक्षित यौन संबंधों के हक में दिया था और सानिया मिर्जा की तरह अगले दिन अपने बयान से पलट जाता। कह देता कि मीडिया वालों ने बात को जरा तोड़-मरोड़ दिया।

गधा कभी भी किसी बात को स्टेटस सिंबल नहीं बनाता। उसे आप किसी भी दिशा में धकेल दो, वह उसी तरफ चल देगा और कभी यह नहीं कहेगा कि उसे दक्षिण दिशा में मत मोड़ों क्यों कि दक्षिण पंथी विचारधारा उसे रास नहीं आती। गधे के ऊपर आप किसी भी विचारधारा का बैनर लटका दो, गधा कभी नाक भौं नहीं सिकोड़ेगा। गधे के ऊपर आप किसी को भी बिठा दो, गधा कभी खुद को जलील महसूस नहीं करेगा। गधा उसी अलमस्त अंदाज में चलेगा जो अंदाज उसे पूर्वजों से विरासत में मिला है।

गधे की एक और खूबी यह भी है कि उसे दुनिया के किसी भी मसले से कोई लेना-देना नहीं है और न ही वह किसी मसले में अपनी टाँग अड़ाता है। वह अमेरिका की तरह किन्हीं दो मुल्कों के पचड़े में नहीं पड़ता। न किसी की पीठ थपथपाता है और न किसी को धमकाता है। भारतीय क्रिकेट टीम की कमान किस को सौंपी गई है और किस प्रांत के खिलाड़ी को बाहर बिठाया गया है, गधे को इससे भी कोई लेना-देना नहीं है। गधा तो कभी यह राय भी जाहिर नहीं करता कि फलां खिलाड़ी लंबे अरसे से आऊट आफ फार्म चल रहा है, उसे टीम में क्यों ढोया जा रहा है? अगर मुल्क की टीम लगातार जीत रही हो तो गधा खुशी से बल्लियों नहीं उछलता और अगर टीम लगातार पिट रही हो तो गधा मैदान में पहुँचकर न तो मैच में विघ्न डालता है, न खाली बोतलें फेंकता है और न ही हाय-हाय के नारे लगाता है। गधा तो यह शिकायत भी नहीं करता कि अंपायर ने किसी खिलाड़ी को गलत आऊट दे दिया है, लिहाजा अंपायर को बाहर भेजा जाए और नया अंपायर लगाया जाए। कौन-सी टीम मैच जीतेगी और कौन खिलाड़ी सैंचुरी मारेगा, गधा इस बात पर कभी सट्टा भी नहीं लगाता।

गधा न तो धर्मांध है और न ही सांप्रादायिक। वह किसी मजहब विशेष का राग भी नहीं अलापता। मंदिर-मस्जिद के झगड़े में भी नहीं पड़ता। वह क्षेत्रवाद का हिमायती भी नहीं है। उसके लिए सारी धरा की घास बराबर है। गधे की इच्छाओं का संसार भी बहुत बड़ा नहीं है। उसे न तो मोबाईल चाहिए, न टेलिविजन, न गाड़ी-बंगला, न गनमैन और न ही किसी क्लब की मैंबरशिप। गधा पैग भी नहीं लगाता। उसे तो दो जून का चारा मिल जाए तो उसी में खुश रहता है। गधे में आपको और क्या-क्या खासियत चाहिए?

गधा कभी-कभार दुलत्ती तो मारता है लेकिन किसी को गोली तो नहीं मारता, बम नहीं फोड़ता, बारूदी सुरंगें नहीं बिछाता, डकैती नहीं डालता, रिश्वत नहीं लेता, बूथ कैप्चरिंग नहीं करता, घोटाले नहीं करता, रात के अंधेरे में कोई ऐसे-वैसे काम भी नहीं करता। फिर गधे को इतना प्रताड़ित क्यों किया जाता है?

गधे पर मैंने कोई फोकट में रिसर्च नहीं की। कितने ही गधों की संगत करने के बाद मैं इस नतीजे पर पहुँचा हूँ कि गधा अनुकरणीय तो है ही, प्रातः स्मरणीय भी है। गधे के अपने आदर्श हैं, अपनी फिलॉसाफी है, ज़िंदगी के अपने कुछ मापदंड हैं, सिद्धांत हैं। गधे को इज्जत देकर, उसका अनुसरण कर हम एक सभ्य समाज की परिकल्पना को साकार कर सकते हैं। हमारे इस कदम का गधा कतई बुरा नहीं मानेगा। जब तक गधे को महज गधा ही आँका जाएगा, तब तक न तो समाज का भला होने वाला है, न देश का, न दुनिया का और न 'भाई लोगों' का।

तिरंगा फहराएं और ध्वज संहिता का करें सम्मान

जश्न-ए-आजादी

प्रभुनाथ शुक्ल

राष्ट्रीय ध्वज हमारे गौरव और स्वाभिमान का प्रतीक है। दुनिया का कोई भी देश अपने राष्ट्रीय ध्वज को जान से भी अधिक सम्मान देता है। राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के लिए लाखों लोग बलिदान हो चुके हैं। भारत में राष्ट्रीय ध्वज विशेष अवसरों पर फहराया जाता है। बचपन में जब हम स्कूली शिक्षा ग्रहण कर रहे थे उस दौरान स्वाधीनता और गणतंत्र दिवस पर प्रभातफेरी निकाली जाती थी। उस दौरान स्कूली बच्चे हाथों में तिरंगा लेकर यह गीत गाया करते थे ह्यविजयी विश्व तिरंगा, प्यारा झंडा ऊंचा रहे हमारा'। राष्ट्रीय ध्वज की परिकल्पना सबसे पहले पिंगली वेंकैया ने की थी। यह आजादी का अमृतकाल है। देश के हर व्यक्ति को गौरव के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराना चाहिए। ऐसा करने अपने भीतर अपना देश, अपनी माटी की अकल्पनीय अनुभूति होती है और राष्ट्रीय भावना और मजबूत होती है।

हमारा राष्ट्रीय ध्वज तीन रंगों से बना है। सबसे ऊपर केसरिया रंग की पट्टी हमारी ताकत को दशार्ती है। सफेद रंग की पट्टी शांति और सत्य का प्रतीक है। सबसे नीचे हरे रंग की पट्टी विकास, उर्वरता और समृद्धि का द्योतक है। सफेद रंग की पट्टी के मध्य स्थापित ह्यचक्रह्ण अशोक स्तंभ से लिया गया है। चक्र के भीतर कुल 24 से तीलियां है। यह भारत के निरंतर प्रगति का संकेत देती हैं। संविधान सभा की बैठक में 22 जुलाई 1947 को इसे राष्ट्रीय ध्वज के रूप में मान्यता मिली। हालांकि इसके पूर्व भी कई तरह के झंडे देश और विदेश में फहराए गए, लेकिन उन्हें राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अंगीकार नहीं किया गया था।

राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान में कोई गुस्ताखी नहीं होनी चाहिए। क्योंकि यह हमारे गौरव, स्वाभिमान और सम्मान का प्रतीक है। इसके सम्मान की हर हालत में रक्षा की जानी चाहिए। तिरंगे का अपमान राष्ट्र का अपमान समझा जाता है। फटे-पुराने एवं कटे हुए तिरंगे को नहीं फहराया जाना चाहिए। संविधान सभा की ओर से राष्ट्रीय ध्वज के रूप में इसे अंगीकार किए जाने के बाद अभी सिर्फ एक बदलाव किया गया जिसमें चरखे की जगह अशोक स्तंभ के ह्यचक्रह्ण का उपयोग किया गया। इसके बाद राष्ट्रीय ध्वज में कोई भी बदलाव नहीं हुआ।

राष्ट्रीयध्वज के रोहण के लिए भी नियम बनाए गए हैं। भारतीय ध्वज संहिता यानी 'फ्लैग कोड ऑफ इंडिया' में सब वर्णित है। भारतीय ध्वज संहिता 26 जनवरी 2002 को प्रभावी हुई है। भारतीय ध्वज संहिता 2002 को पुनः30 दिसंबर 2021 के आदेश द्वारा संशोधित किया गया है। जिसमें राष्ट्रीय ध्वज हाथ से कते और बुने हुए या मशीन से कते कॉटन, पॉलिएस्टर, ऊन, रेशम या फिर खादी की पट्टी से बनाया जा सकता है।

भारत का कोई भी नागरिक अपने निजी या सार्वजनिक स्थान, कार्यालय या घर पर तिरंगा फहरा सकता है। हालांकि इसके पूर्व यह अनुमति नहीं थी, लेकिन दिसंबर 2002 में संविधान संशोधन के जरिए अनुमति दी गयी। साल 2009 में रात्रि में भी तिरंगे को फहराने की अनुमति दी गई। पूरे भारत में 21 फीट लंबा और 14 फीट चौड़ा तिरंगा सिर्फ तीन स्थानों पर फहराया जाता है इसमें कर्नाटक का नारगुंड किला, महाराष्ट्र में पनहाला किला और मध्य प्रदेश का ग्वालियर किला शामिल है।

जब हम ध्वजारोहण करते हैं तो हमें हमेशा ख्याल रखना चाहिए कि हमारे दाहिने तरफ ध्वज होना चाहिए। हमारी ध्वज संहिता में प्लास्टिक का झंडा फहराने पर रोक है। लेकिन बदली परिस्थितियों और व्यापारिक स्थितियों में खूब प्लास्टिक के झंडे का उपयोग किया जाता है। राष्ट्रीय ध्वज की लंबाई और चौड़ाई 3:2 के अनुपात में होनी चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज पर कोई भी चित्र या लेखन नहीं होना चाहिए। तिरंगे का उपयोग व्यवहारिक कार्यों में किसी भी तरीके से नहीं होना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज कभी भी जमीन से नहीं छूना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज के पास किसी भी धार्मिक या अन्य संस्था के झंडे को नहीं लगाया जा सकता है।

राष्ट्रीय ध्वज पर किसी भी प्रकार कि कशीदाकारी, कुशन , रूमाल , नैपकिन नहीं बनायीं जा सकती है। राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग सजावट के लिए नहीं किया जाएगा। राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग किसी वस्तु को लपेटने , कोई वस्तु प्राप्त करने या वितरित करने के लिए नहीं किया जाएगा। राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग किसी भी वाहन की साइड्स , पृष्ठ भाग और ऊपर का भाग ढंकने के लिए नहीं किया जाएगा । इसे सूर्योदय से सूर्यास्त तक हर मौसम में सभी दिनों में फहराया जा सकता है। झंडे को तेज गति से फहराया जाना चाहिए और धीरे ह्न धीरे नीचे उतारा जाना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज पानी , जमीन , फर्श या पगडंडी को नहीं छूना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज को किसी भी ऐसे तरीके से प्रदर्शित या बांधा नहीं जाएगा , जिससे उसे कोई क्षति होने की संभावना राष्ट्रीय ध्वज उल्टा करके कभी भी प्रदर्शित नहीं किया जाएगा अर्थात केसरिया पट्टी को नीचे की पट्टी के रूप में नहीं रखना चाहिए। क्षतिग्रस्त या अस्त ह्न व्यस्त राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शित नहीं किया जाएगा। राष्ट्रीय ध्वज किसी भी समय नीचे नहीं झुकना चाहिए। किसी भी अन्य झंडे को राष्ट्रीय ध्वज से ऊपर या उसके अगल-बगल में नहीं रखा जाएगा। किसी तरह की फूल माला या प्रतीक के साथ कोई वस्तु नहीं रखी जाएगी। ह्यराष्ट्रीय सम्मानह्ण के अपमान की रोकथाम अधिनियम 1971 के अनुसार राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग निजी स्तर पर की जाने वाली अंत्येष्टि अथवा अंत्येष्टि के दौरान आवरण के रूप में नहीं किया जा सकता। देश में राष्ट्रीय शोक की स्थिति में तिरंगा झुकाया जाता है। देश में जीतने दिन का राष्ट्रीय शोक रहता है तिरंगा तब तक झुका रहता है। राष्ट्रीय शोक खत्म होते ही तिरंगा को अपनी ऊंचाई पर सम्मानित कर दिया जाता है। देश के राष्ट्रॉध्यक्षों और सैनिकों के पार्थिव शरीर को राष्ट्रीय ध्वज में लपेटकर अंतिम विदाई दी जाती है। बाद में ध्वज को सम्मान किसी नदी या गुप्ता स्थान पर नष्ट कर दिया जाता है। स्वाधीनता दिवस के अवसर पर हम सभी भारतीयों को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान में कोई गुस्ताखी नहीं करेंगे और जीवन पर्यन्त उसका सम्मान करेंगे। तिरंगा समूचे भारतीयों के लिए गौरव का विषय है। पूरी निष्ठा, ईमानदारी के साथ राष्ट्र के सम्मान में हमें ध्वजारोहण करना चाहिए। अंतिम सांस तक उसके सम्मान की रक्षा का हमें संकल्प भी लेना चाहिए।

स्वस्तिक मीडिया वेंचर्स प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक और प्रकाशक रजत कुमार गुप्ता द्वारा वृंदा मीडिया पब्लिकेशन्स प्रा.लि., चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची से मुद्रित और एचआई 254, हरमू बाईपास रोड, हरमू हाउसिंग कालोनी, रांची से प्रकाशित। सम्पादक - रजत कुमार गुप्ता
RNI No- JHAHIN/ 2008/ 26373, email-rastriyakhabarhn@gmail.com, www.rashtriyakhabar.com, Phone No. 0651-2244605, 2244505

झारखण्ड के इतिहास में दूसरी बार आयोजित हुआ झारखण्ड आदिवासी महोत्सव...

आदिवासी बहुल झारखण्ड राज्य 20 वर्ष से अधिक समय से आदिवासी महोत्सव के आयोजन की बाट जोह रहा था। उसे संवेदनशील मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व ने पूरा किया। लगातार दो वर्षों से आदिवासी महोत्सव के आयोजन के हम साक्षी बन रहें हैं। झारखण्ड समेत देश-विदेश की समृद्ध आदिवासी संस्कृति, परंपरा, वेशभूषा और खानपान का अनोखा संगम 9 एवं 10 अगस्त को आयोजित झारखण्ड आदिवासी महोत्सव में देखने को मिला और इसका गवाह बना रांची स्थित बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान।

समृद्ध
आदिवासी जीवन दर्शन
की झलकियां

झारखण्ड आदिवासी महोत्सव 2023

जहां चलना ही नृत्य और बोलना संगीत हो, उस धरती पर समृद्ध आदिवासी जीवन दर्शन की अविस्मरणीय गूंज का पूरा विश्व साक्षी बना। झारखण्ड के अमर वीर पुरुषों और वीरांगनाओं तथा महान क्रांतिकारियों के अथक संघर्ष से सनी झारखण्ड की वीर भूमि को सबने प्रणाम किया। रीझ रंग रसिका रैली में जब पारंपरिक वेशभूषा में मांदर की थाप और विभिन्न वाद्ययंत्रों की मधुर धुन पर झारखण्ड के 32 आदिवासी समुदायों के कदम थिरके, तब पूरे विश्व को द्वितीय झारखण्ड आदिवासी महोत्सव 2023 की भव्यता दिखी।

झारखण्ड आदिवासी महोत्सव के मंच से राज्य समन्वय समिति के अध्यक्ष दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने समस्त आदिवासी समाज से अपने बच्चों को शिक्षित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जब बच्चे शिक्षित होंगे तभी अन्य समाज की तरह आदिवासी समाज के बच्चे भी उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ सकेंगे।

महोत्सव में अरुणाचल प्रदेश, असम, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान, केरल, गुजरात, छत्तीसगढ़ और झारखण्ड आदि के आदिवासी समुदायों की समृद्ध संस्कृति और सभ्यता से राज्यवासी रूबरू हुए। देश भर के आदिवासी समाज की वैभवशाली संस्कृति ने झारखण्ड आदिवासी महोत्सव में अमिट छाप छोड़ी। पारंपरिक वेशभूषा में अरुणाचल प्रदेश का रेखम पड़ा नृत्य, असम का लेवा टाना नृत्य, बिहु नृत्य, स्थानीय आदिवासी का डोमकच लोक नृत्य, गुजरात के अफ्रीकन आदिवासी समुदाय द्वारा सिद्धि धमाल नृत्य से अपनी संस्कृति को सहेजने की ललक कलाकारों में नजर आई। पद्मश्री मुकुंद लाल नायक के नागपुरी नृत्य की प्रस्तुति और पद्मश्री मधु मंसूरी के "हम गांव छोड़ब नाही" जैसे गीत ने इस महोत्सव को जीवंत कर दिया।

एक ओर जहां सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ, वहीं दूसरी ओर आदिवासी भाषा के समक्ष चुनौतियां और अवसर, आदिवासी युवाओं के लिए उद्यमिता, आदिवासी व्यंजनों का विपणन, कृषि पारिस्थितिकी की प्रासंगिकता और महत्व समेत अन्य विषयों पर देश के विभिन्न राज्यों से आए विद्वानों द्वारा की गयी चर्चा ने आदिवासी समाज की आज की जरूरतों को पटल पर लाकर रखा। साथ ही सेमिनार के जरिए आदिवासी इतिहास, मानवशास्त्र, आदिवासी अर्थव्यवस्था– एक वैकल्पिक अर्थव्यवस्था की परिकल्पना, आदिवासी साहित्य जैसे विषयों पर लोगों ने अपनी बातों को रखा। महोत्सव में मन को तृप्त करने वाले आदिवासी व्यंजनों का स्वाद सभी के दिलों को छू गया। महोत्सव में ट्राइबल फिल्म फेस्टिवल के साथ-साथ राष्ट्रीय आदिवासी चित्रकला शिविर का आयोजन हुआ, जहां कई प्रतिष्ठित कलाकारों ने अपनी कला को प्रदर्शित किया।

आदिवासी परिधान की विविधताओं को प्रदर्शित कर फैशन शो ने आधुनिक समय में आदिवासी युवाओं की शानदार सहभागिता पर मुहर लगाई, साथ ही पूरे विश्व को अहसास करा दिया कि हम किसी से कम नहीं।

धन्य हुई झारखण्ड की वीर भूमि जहां दशकों बाद मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में महोत्सव का आयोजन पूरी दुनिया को आदिवासी संस्कृति और परंपरा को एक बार पुन: पुनर्जीवित करने का संदेश दे गया।

"मुझे इस बात का गर्व है कि मैं एक आदिवासी मुख्यमंत्री हूं। आदिवासी महोत्सव के माध्यम से आदिवासी पहचान आगे बढ़े, यही मेरा प्रयास है। नृत्य, संगीत के साथ-साथ अपने अधिकार के लिए सदैव संघर्ष करना आदिवासी समाज की पहचान रही है। सभी आदिवासी समाज एक है, अत: हमें एक लक्ष्य के साथ आगे बढ़ना है। "

- हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

#JharkhandSeJohar

02 दिन, 10 राज्य और 1,112 कलाकारों
ने झारखण्ड आदिवासी महोत्सव 2023 में भाग लिया...

PR 304595 (IPRD) 23-24

राष्ट्रीय खबर प्रदेश
हमारी नजर
web : www.rashtriyakhabar.com
epaper.rashtriyakhabar.com

प्रदेश ›› अपडेट

पतरातू की हत्या का राज खुला

रामगढ़ : पतरातू के माही रेस्टोरेंट के मालिक राजेंद्र कुमार उर्फ रोशन साहू की हत्या जमीन और बालू कारोबार की रंजिश की वजह से हुई थी। इस मामले में अबतक तीन आरोपितों की गिरफ्तारी हुई है। इसका खुलासा रामगढ़ एसपी पीयूष पांडे ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। उन्होंने बताया कि रामगढ़ जेल में बंद भरत पांडे ने इस पूरी वारदात को अंजाम दिलाया है।

शॉर्ट न्यूज अपडेट्स ››

दिव्यांगों की सच्ची सेवा ही मानव सेवा है :सुरेश

छतरपुर (पलामू) : छतरपुर गरीब असहाय लाचार जरूरतमंदों के मददगार है नगर पंचायत अध्यक्ष पद के प्रत्याशी सुरेश कुमार इंजीनियर उक्त बातें छतरपुर प्रखंड के बाघामारा निवासी पलामू जिला दिव्यांग संघ संरक्षक बीरबल कुमार यादव ने बताया। उन्होंने बताया कि प्रखंड स्तरीय कोई भी कार्यक्रमों में सुरेश कुमार हमारे मददगार बनकर हम दिव्यांग जनों के कदम से कदम मिलाकर चलने का कार्य किया है। यहां तक की इन्होंने हमारे जिले के कार्यक्रम में न सिर्फ हिस्सा लिया, बल्कि हमारी समस्याओं को अधिकारियों तक रखने में हमारे संघ को मदद भी किया। इसके साथ-साथ दर्जनों ऐसे उदाहरण है जिनका पेंशन स्वीकृत कराने से लेकर ट्राई साइकिल तक इन्होंने सरकार से दिलवाया है। इसके साथ श्री यादव ने यह भी बताया कि प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांव के जरूरतमंद लोगों को मदद करना इनकी मानव धर्म के प्रति समर्पण के भाव को दशार्ता है। सुरेश कुमार ने बताया कि छतरपुर हमारी जन्मभूमि के साथ साथ हमारी कर्म भूमि भी है और हमें किसी की मदद करने में आत्मिक संतुष्टि की अनुभूति होती है। हम किसी के काम आए यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है और कभी भी किसी व्यक्ति की मदद कोई राजनीतिक उद्देश्य लेकर नहीं करते बल्कि हम एक जिम्मेवार नागरिक का फर्ज निभाने का प्रयास मात्र करते हैं।

संक्षिप्त ›› अपडेट्स

योजनाओं को पूरा करने में तेजी लाने का उपायुक्त ने दिया निर्देश

पाकुड़ : उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल की अध्यक्षता में रुर्बन मिशन अंतर्गत संचालित योजनाओं की समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में समीक्षा की गई। उपायुक्त ने जिला में रुर्बन मिशन अंतर्गत संचालित योजनाओं की विस्तार से समीक्षा करते हुए कार्य प्रगति की जानकारी ली, लंबित योजनाओं को लेकर उपायुक्त ने संवेदक के राशि से दस प्रतिशत कटौती करने का निर्देश दिया। साथ ही साथ लंबित योजनाओं को 15 दिनों के अंदर पूर्ण करने का निर्देश दिया। मौके पर उप विकास आयुक्त मो० शाहिद अख्तर समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

मीडिया के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराया जा रहा है तिरंगा झंडा

पाकुड़ : देश की आजादी के 75 वर्ष की खुशी में जिले में अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। हर एक व्यक्ति के अंदर देश प्रेम के उत्साह को बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी के तहत 12 अगस्त से 14 अगस्त तक पाकुड़ जिला में ह्लहर घर तिरंगाह्व कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिला जनसंपर्क कार्यालय द्वारा आप सभी प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों को तिरंगा झंडा उपलब्ध कराया जाना है। अतः आप सभी से अनुरोध है की सूचना भवन, पाकुड़ से तिरंगा झंडा प्राप्त कर लेंगे। तिथि 12.08.23 एवं 13.08.23 समय- सुबह 11 बजे से शाम 05 बजे तक।

आवेदन

जिले के आंगनबाड़ी केंद्र में

रिक्त पड़े सेविका व सहायिका के पद इच्छुक उम्मीदवार कर सकते हैं आवेदन

राष्ट्रीय खबर

पाकुड़: जिले के आंगनबाड़ी केंद्र में रिक्त पड़े सेविका व सहायिका के पद पर इच्छुक उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं। आंगनबाड़ी सेविका के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता इंटरमीडिएट(बारहवीं)उत्तीर्ण होगी एवं आंगनबाड़ी सहायिका के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता मैट्रिक(दसवीं)उत्तीर्ण होगी। वहीं आवेदन के समय आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका पदों पर नियुक्ति हेतु इच्छुक आवेदिका की उम्र 18 से 35 वर्ष के बीच होनी चाहिए। इसके अलावा आवेदिका का पोषक क्षेत्र के गांव की बहू होनी चाहिए। अविवाहित लड़कियों का चयन इस पद के लिए नहीं किया जाएगा। अपवाद में वैसी अविवाहित लड़कियां चयनित हो सकती है जो दिव्यांग हो परंतु कार्य करने में सक्षम हो। सामान्य योग्यता रहने पर चयन में विधवा/परित्यक्ता/ तलाकशुदा को प्राथमिकता दी जाएगी। विधवा/परित्यक्ता /तलाकशुदा महिला को इस आधार पर चयन के लिए अयोग्य नहीं किया जाएगा कि वह गांव की बहू नहीं है। आंगनवाड़ी सेविका/सहायिका प्रश्नगत केंद्र के लाभान्वितों के उसी वर्ग से होनी चाहिए जिसका उस आंगनवाड़ी केंद्रों के लाभान्वितों में बाहुल्य हो। आंगनबाड़ी केंद्रों के लाभान्वितों के बाहुल्य वाले वर्ग में निर्धारित शैक्षणिक योग्यता के उम्मीदवारों की अनुपलब्धता की स्थिति में सेविका/सहायिका का चयन उसी पोषक क्षेत्र में निम्न अग्रता से किया जाएगा-

अनुसूचित जनजाति /अनुसूचित जाति
अत्यंत पिछड़ा वर्ग
पिछड़ा वर्ग
सामान्य वर्ग

आंगनवाड़ी/सेविका सहायिका के रूप में चयनित होने वाली महिला को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए।

चयन की प्रक्रिया:

चयन समिति के द्वारा आंगनबाड़ी सेविका/ सहायिका के चयन की तिथि का निर्धारण किया जाएगा तथा उसका विस्तृत प्रचार सभी लाभान्वितों के बीच किया जाएगा। कम से कम 15 दिन के अग्रिम सूचना देकर आंगनवाड़ी केंद्र के लाभान्वितों की आम सभा की बैठक आहूत की जाएगी।

प्रचार प्रसार का दायित्व संबंधित महिला पर्यवेक्षिका का होगा जो पोषक क्षेत्र में लाभान्वित परिवारों की सभा का आयोजन कर कम से कम 30 लाभान्वित परिवारों के व्यक्तियों का हस्ताक्षर आमसभा की सूचना पर करवाकर प्रमाण स्वरूप सुरक्षित रखेंगे।

आम सभा की बैठक उसी पोषक क्षेत्र में सार्वजनिक स्थान पर की जाएगी जहां पर आंगनबाड़ी केंद्र अवस्थित हो। चयन के लिए आयोजित आमसभा में कम से कम 50 लाभान्वित परिवारों के सदस्य उपस्थित होंगे जिसमें कम से कम 25 महिलाएं होंगी।

आमसभा में आवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में आवेदन प्राप्त किए जाएंगे एवं आवेदिका का चयन अंकों के आधार पर उच्चतम अंक प्राप्त करने पर किया जाएगा।

न्यूज फटाफट

जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन को लेकर जन जागरूकता कार्यक्रम

गोड्डा : पेयजल एवं स्वच्छता दुमका, अंचल दुमका के कार्यालय परिसर से पेयजल एवं स्वच्छता विभाग अंतर्गत जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण फेज -2 के कार्यक्रमों को लेकर जन जागरूकता हेतु एलईडी युक्त प्रचार-प्रसार वाहन को अधीक्षण अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता अंचल, दुमका, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल संख्या-02 दुमका द्वारा संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इसके अलावे इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता ने कहा कि एलईडी युक्त वाहन के माध्यम से गांव-गांव में व्यापक प्रचार-प्रसार खास तौर पर हाट बाजार, बस पड़ाव, चौक चौराहा, प्रखंड कार्यालय परिसर एवं जन-जन तक जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन फेज -2 अंतर्गत की जाने वाले सभी अवयवों का संदेश पहुंचाया जायेगा। इस दौरान मौके पर सभी सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, जिला समन्वयक सहित कार्यालय के कर्मी उपस्थित थे।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने कुलपति को सौंपा ज्ञापन

पाकुड़ : नगर मंत्री प्रदीप मिश्रा के नेतृत्व में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सदस्यों ने विश्वविद्यालय के कुलपति डीएसडब्ल्यू संजय कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में हिंदी एवं इतिहास विषयों में नामांकन सीटों में बढ़ोतरी की मांग की गई। बताया गया कि कालेज में 3000से अधिक छात्र छात्राओं ने नामांकन के लिए आवेदन दिया है । जबकि दोनों विषयों में मात्र 300 सीट उपलब्ध है। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सत्यम भगत ने बताया कि अभाविप पाकुड़ जिले के छात्र-छात्राओं के हितों का ध्यान रखते हुए जिले के एकमात्र सक्रिय महाविद्यालय केकेएम कॉलेज पाकुड़ में विद्यार्थीयों के नामांकन संबंधी समस्या के समाधान के लिए डीएसडब्ल्यू का ध्यान आकृष्ट कराते हुए नामांकन सीटों की संख्या में वृद्धि हेतु पत्र सौंपा है। मौके पर अभाविप के शिष्टमंडल में प्रदीप मिश्रा सत्यम भगत , आनंद भंडारी अंकित जी उपस्थित रहे।

शहरवासियों को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने की सीएस से मांग

राष्ट्रीय खबर

हरिहरगंज/पलामू : राजद के वरिष्ठ नेता कमलेश कुमार यादव ने शहरी क्षेत्र अन्तर्गत एनएच 98 किनारे स्थित पुराने सीएचसी भवन में इलाज की व्यवस्था करते हुए शहरवासियों को स्वास्थ सुविधा उपलब्ध कराने की मांग सीएस पलामू से की है। इस संबंध में उन्होंने ज्ञापन सौंपकर पलामू सीएस का ध्यान आकृष्ट कराया है। जिसमें यह कहा गया है कि जब से सीएचसी नवनिर्मित भवन में शिफ्ट हुआ है तब से शहरी क्षेत्र के सीरियस मरीजों का ईलाज में एक साथ कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि पुराने सीएचसी भवन खाली पड़ा हुआ है । अगर यहां स्वास्थ्य सुविधाओं गोपाल कर दिया जाए तो शहरवासियों समेत मरीजों को काफी सहूलियत होगी। उन्होंने बताया कि निर्मित नए सीएससी भवन का उद्घाटन के दौरान विधायक और तत्कालीन सीएस ने पुराने सीएससी भवन में जनहित में केंद्र संचालित करने का भरोसा दिया था। किंतु अभी तक उसे पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने बताया कि इसे लेकर वे कई पुराने सीएचसी में स्वास्थ्य सेवा शुरू करने की मांग कर चुके हैं।

बेथल मिशन स्कूल में

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन

राष्ट्रीय खबर

गोड्डा: स्थानीय सीबीएसई मान्यता प्राप्त सीनियर सेकेंडरी स्कूल बेथल मिशन में 77वां स्वतंत्रता दिवस साप्ताहिक कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है जिसमें कक्षा 4 से 7 और 8 से 12 के बीच दो ग्रुपों में देशभक्ति एकल नृत्य प्रतियोगिता, कक्षा 1 से 3 के बीच स्पेलिंग प्रतियोगिता, नर्सरी से यूकेजी के बीच राइम्स प्रतियोगिता और फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता तथा कक्षा 11वीं और 12वीं के बीच भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। देशभक्ति एकल नृत्य प्रतियोगिता के निर्णायक भूमिका में मुकेश कुमार, आरती सिंह, नीतीश कुमार एवं प्रिया सिंह थे। देशभक्ति एकल नृत्य में दोनों ग्रुप के सभी बच्चों ने देश भक्ति से ओत प्रोत एक से बढ़कर एक रंगारंग नृत्य प्रस्तुत किया। इन कार्यक्रमों में चयनित प्रथम, द्वितीय एवम् तृतीय स्थान वाले उम्मीदवारों को स्वतंत्रता दिवस के दिन सम्मानित किया जाएगा।सभी कार्यक्रमों की रूपरेखा विद्यालय प्राचार्या अन्ना मार्क के द्वारा किया गया है। कार्यक्रम का मॉनिटरिंग उप प्राचार्य कमल ठाकुर एवं प्राइमरी एडमिनिस्ट्रेटर पुष्पा मरांडी के द्वारा किया गया। कैमरा एवं रिकॉर्डिंग के लिए रंजीत कुमार और निर्मल कुमार थे।

श्री मां बाल विकास विद्यालय में झंडा जागरूकता रैली का आयोजन

राष्ट्रीय खबर

हुसैनाबाद,पलामू: माँ शिवकुमारी देवी सेवा संस्थान ट्रस्ट द्वारा संचालित शहर के गांधी चौक स्थित श्री माँ बाल विकास विद्यालय व ऊपरी कला होलया रोड स्थित शाखा में घर घर तिरंगा कार्यक्रम को लेकर जागरूकता रैली सह झंडा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय परिसर से की गयी। इसकी शुरूआत निदेशक जितेंद्र प्रसाद ने भारत माता की जयकारों से की। इसके बाद रैली में शामिल बच्चे भारत माता की जय, वंदे मातरम आदि जयकारों के साथ लम्बगली, रविदास नगर, मोकरबा रोड, मेन बाजार, मधुशाला रोड, पटेल चौक, गांधी चौक वही ब्रांच के बच्चे जपला छतरपुर मुख्य पथ, ऊपरी कला, गम्हरिया आदि जगहों का भ्रमण करते हुये विद्यालय पहुँचे. भारत माता की भूमिका में साक्षी पांडेय मौजूद थे.पंथ संचलन का संचालन रिया, आरुषि, नगमा, खुशबू, ज्योति, श्रेया कर रहे थे।इस दौरान बच्चों द्वारा कार्यक्रम को लेकर लोगो प्रेरित किया।कार्यक्रम के समापन पर सभी बच्चों के बीच तिरंगा झंडा का वितरण किया गया.निदेशक जितेंद्र प्रसाद ने कहा कि बच्चों में राष्ट्र प्रेम की भावना जागृत करना ही आयोजन का मुख्य मकसद है। बाल्यकाल से ही राष्ट्र प्रेम व तिरंगा झंडा के प्रति सम्मान की भावना होना जरूरी है। मौके पर शैलेश कुमार, संध्या सिंह, एसजे रहमान, सरिता कुमारी, सीमा अग्रवाल, अमृता कुमारी, संतोष कुमार, तख़्सिस, निखत, नीतू देवी, शगुफ्ता,रविन्द्र कुमार, धीरेंद्र प्रसाद, राहुल कुमार, गुलाफ्शां, काजल, आरती, रिया, विक्रम विशाल, आदर्श ,राहुल गुप्ता, ज्योति, पिंकी आदि सक्रिय रहे।

हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत बाइक रैली का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय खबर

अमड़ापाड़ा: जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड में हर घर तिरंगा अभियान को लेकर प्रखंड प्रशासन एवं स्थानीय युवा द्वारा बाइक रैली का आयोजन किया गया। मौके पर भारत माता की जयघोष के साथ तिरंगा बाइक रैली निकाली गई। इस दौरान लोगों से घरों पर तिरंगा फहराने के लिए जागरूक किया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी कुमार देवेश द्विवेदी की अध्यक्षता में दुर्गा मंदिर से हर घर तिरंगा बाइक रैली रवाना होकर बाजार से होते हुए प्रखंड परिसर स्थित विरासत स्मारक तक पहुंची। रैली के दौरान भारत माता की जयघोष से कस्बा गूंज उठा। इस मौके पर प्रखण्ड विकास पदाधिकारी श्री कुमार देवेश द्विवेदी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस को लेकर हर घर तिरंगा फहराने की मुहिम को कामयाब बनाएं। अगर किसी के पास तिरंगा नहीं है तो वह अपने संबंधित पंचायत के पंचायत सचिवालय से प्राप्त कर सकते हैं। मौके पर प्रखंड-सह-अंचल कर्मी, जेऐसएलपीएस कर्मी, स्थानीय युवा,ग्रामीण,विभिन्न विद्यालयों के छात्र -छात्राओं समेत अन्य उपस्थित रहे।

प्रेस कांफ्रेंस

उपायुक्त की अध्यक्षता में प्रेस कांफ्रेंस का किया गया आयोजन

हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा स्वतंत्रता दिवस

- अवैध माइनिंग पर रोक लगाई जाएगी
- जिला प्रशासन की प्राथमिकता होगी लोगों की समस्याओं को दूर करना

राष्ट्रीय खबर

गोड्डा: स्वतंत्रता दिवस 2023 की तैयारियों को लेकर उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया गया है। उपायुक्त ने बताया कि जिले में स्वतंत्रता दिवस समारोह गरिमामय तरीके से हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। उपराजधानी दुमका में माननीय राज्यपाल द्वारा मुख्य समारोह स्थल पुलिस लाइन मैदान दुमका में प्रातः 9:05 बजे में झंडोत्तोलन किया जाएगा। सभी तैयारियां ससमय पूरी कर ली गई हैं। फाइनल रिहर्सल 13 अगस्त 2023 को प्रातः 8:30 बजे मुख्य समारोह स्थल पुलिस लाइन में किया जाएगा। उपायुक्त द्वारा बताया गया कि मुख्य अतिथि का वाहन शहीद स्मारक स्थल के बांयी तरफ एवं अति विशिष्ट / विशिष्ट अतिथियों के वाहन दायी तरफ पार्किंग की व्यवस्था की गई है। पत्रकारों एवं अन्य अतिथियों के लिए वाहन पार्किंग की व्यवस्था गेट नं0 - 4 में किया गया है। उपायुक्त ने सभी इलेक्ट्रोनिक मीडिया एवं प्रिंट मीडिया के प्रतिनिधि से कहा कि मुख्य कार्यक्रम स्थल पर राष्ट्रगान के दौरान किसी प्रकार की आवाजाही नहीं करेंगे।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कुल 15 प्लाटून भाग लेंगे। राष्ट्रगान हेतु विद्यालयों का चयन कर लिया गया है। 15 अगस्त 2023 के दिन मुख्य समारोह स्थल दुमका के मार्ग में प्रातः 08 बजे से 10 बजे तक कुल 2 घंटे तक वाहनों का परिचालन पर रोक रहेगी। इस दौरान उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन की प्राथमिकता होगी लोगों की समस्याओं को दूर करना। सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लोग अपनी समस्या को लेकर जिले तक नहीं पहुंच पाते हैं उनके लिए जिला प्रशासन एक टोल फ्री नंबर जारी करेगी। जिस पर संपर्क कर आमलोग अपनी समस्याओं से अवगत कराएंगे। शिक्षा एवं स्वास्थ्य में आपेक्षिक सुधार के लिए हर जरूरी कदम उठाया जाएगा। स्कूलों में पोशाक स्वयं सहायता समूह के जरिए पहुंचाया जाएगा। अवैध माइनिंग पर रोक लगाई जाएगी।

एनसीपी नेता सूर्या ने तीर्थ यात्रियों की बस को झंडी दिखा कर किया रवाना

राष्ट्रीय खबर

हुसैनाबाद,पलामू: जपला रेलवे स्टेशन के समीप स्थित शिव मंदिर प्रांगण से सुल्तानगंज के लिए तीर्थ यात्रियों की बस को झंडी दिखा कर रवाना किया। यह बस वासुकीनाथ, तिरकुट पहाड़, राजगीर, देवघर, नवलखा मंदिर, राजगीर, नालंदा, तपवन, बोध गय व तुतला भवानी का भ्रमण कर जपला वापस लौट जायेगी। एनसीपी नेता सूर्या सिंह ने कहा कि बस के मध्यम से तीर्थ यात्रियों को अधिक से अधिक धार्मिक स्थलों पर पहुंचने व दर्शन का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्ष में विभिन्न समुदायों के धर्म स्थलों का दर्शन आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को कराने की योजना पार्टी बना रही है। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों पर जाने से व्यक्ति को शांति मिलती है। यही वजह है कि लोग वर्ष में एक बार ही सही, महत्वपूर्ण धाम की यात्रा जरूर करते हैं। उन्होंने कहा कि जो धार्मिक नहीं उसका जीवन कभी सफल नहीं हो सकता। उन्होंने तीर्थ यात्रियों को सुखद और सुरक्षित यात्रा की कामना की। मौके पर मोनू कुमार, गोपाल प्रसाद, विमलेश सिंह, विनय पासवान,रबिन्द्र कश्यकार टंकी , मोनू जी, हंसराज सिंह राजकुमार ठाकुर ,रमेश प्रजापति, रातनलाल,मो सुहैल आलम, विमलेश सिंह बिसूत्री अध्यक्ष हैदरनगर,अजय सिंह, रजनीश सिंह, प्रिंस शर्मा, गिरी राजवंसी, बबन सिंह,समेत कई तीर्थ यात्री व नागरिक मौजूद थे।

शहर ›› अपडेट

युवा दिवस का आयोजन

कोडरमा :प्राध्यापकों (बी०. ए50/60 एल0एड0) प्रशिक्षुओं एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस को विधिवत रूप से मनाया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ औप चारिक रूप में स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि के साथ किया गया कालेज प्राचार्य ने अपने सम्बोधन मेँ कहा की अंतरर्राष्ट्रीय युवा दिवस एवं एवं इसकी शुरूआत वर्ष 2000 से हुई । इस पर प्रकाश डाला गया। इसके उपरांत कॉलेज के सभी प्राध्यापकों एवं विधार्थियों एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने पुष्पांजलि एवं माल्यार्पण किया । मौके पर मौजूद लोगों ने अपने अपने विचार रखे ।

सिटी अपडेट्स ››

मेरी माटी, मेरा देश अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

कोडरमा: जिले के सभी प्रखंडों में मेरी माटी, मेरा देश अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। मेरी माटी, मेरा देशर अभियान 9 अगस्त से 15 अगस्त, 2023 तक किया जायेगा। इसी के तहत जिले के विभिन्न पंचायतों में प्रत्येक ग्राम पंचायत में मनरेगा अंतर्गत वसुधा वंदन स्थल स्मारक पट्टिका की स्थापना की, जिससे देश के लिए वीरों के त्याग बलिदान से संबंधित जानकारी दी गयी। प्रण शपथ, सैल्फी. वीरों का वंदन के तहत स्थल पर वीरों का वंदन ध्वजारोण एवं राष्ट्रगान का आयोजन किया गया ।

संक्षिप्त ›› अपडेट्स

सीबीएसई की दो दिवसीय कार्यशाला का समापन

कोडरमा: डीएवी पब्लिक स्कूल झुमरीतिलैया में सीबीएसई पटना द्वारा आयोजित दो दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला का समापन हुआ। इस कार्यशाला में डीएवी स्कूल एवं कोडरमा जिले के सीबीएसई से सी बी एस ई से संबद्ध अन्य विद्यालयों के 60 शिक्षक शिक्षिकाओं ने भाग लेकर प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस कार्यशाला के समापन समारोह के मुख्य अतिथि एहसान उल हक जो हजारीबाग, कोडरमा, चतरा और रामगढ़ सिटी के सी बी एस ई कोऑर्डिनेटर हैं को प्राचार्य के द्वारा पुष्प गुच्छ प्रदान कर तथा शिक्षकों के द्वारा स्वागत गीत गा कर स्वागत किया गया। कार्यशाला में भाग ले रहे सभी इस कार्यशाला में डीएवी हजारीबाग के शिक्षक देव मधू व मेरिडियन एकेडमी झुमरी तिलैया के अंग्रेजी शिक्षक सुजीत कुमार सिंह ने सभी शिक्षकों को एडोलसेंस एडूकेशन विषय पर प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला का आयोजन स्थल निदेशक प्राचार्य कृष्ण कुमार सिंह के दिशा-निर्देश व मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। मंच संचालन कार्यशाला समन्वयक प्रदीप कुमार ने किया। मुख्य अतिथि ने सभी पार्टिसिपेंट्स को सफलतापूर्वक कार्यशाला से लाभान्वित होने के उपलक्ष्य पर बधाई दी। कार्यशाला के अंत में प्राचार्य ने दोनों रिसोर्स पर्सन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी लोगों ने दो दिनों तक बड़े ही धैर्य व अनुशासन का परिचय देते हुए प्रशिक्षण प्राप्त किया।

बैठक झारखंड राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष ने मुखिया के साथ संवाद किया

पंचायत के लाभुकों को उनके अधिकार दिलायें : हिमांशु

डॉ भारती सिन्हा सदर अस्पताल द्वारा कुपोषित बच्चे के ईलाज और पोषाहार के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई

राष्ट्रीय खबर

कोडरमा: पंचायत रिसोर्स सेंटर में झारखंड राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष हिमांशु शेखर चौधरी ने कोडरमा जिले के मुखिया के साथ संवाद किया। इसमें विभिन्न पंचायतों के मुखिया के कार्य और दायित्व की जानकारी दी गई। अध्यक्ष हिमांशु शेखर चौधरी ने दीप प्रज्ज्वलित कर मुखिया के साथ संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष हिमांशु शेखर चौधरी, सदस्य शबनम परवीन ने जिले के विभिन्न पंचायतों से आये हुए मुखिया से बातचीत की और उन्हें राज्य खाद्य आयोग के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में खाद्य सुरक्षा अधिनियम से जुड़ी जन वितरण योजना, माध्यह्न भोजन योजना आंगनवाड़ी केन्द्र, मातृ वंदना योजना से संबंधित जानकारी संबंधित पदाधिकारियों द्वारा दिया गया। कार्यक्रम के दौरान जिला समाज कल्याण पदाधिकारी आरती कुमारी द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्रों में पोषाहार, मातृत्व वंदना योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को मिलने वाली सुविधाएं, कुपोषित बच्चों को मिलने वाली पोषाहार के बारे में विस्तृत जानकारी दी। जिला शिक्षा पदाधिकारी सह जिला शिक्षा अधीक्षक ने मध्याह्न भोजन अनुभाग, प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना अंतर्गत विद्यालय में बच्चों को दी जा रही पोषाहार के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। वहीं डॉ भारती सिन्हा सदर अस्पताल द्वारा कुपोषित बच्चे के ईलाज और पोषाहार के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रमोद राम ने आपूर्ति विभाग द्वारा गुलाबी राशन कार्डधारी, अंत्योदय अन्न योजना, डाकिया योजना, हरा राशन कार्ड समेत कई योजनाओं के बारे में बताया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी मुखिया को बताया गया कि वो अपनी शिकायत कहां कर सकते हैं। मुखिया की जिम्मेदारी और दायित्व क्या है और दूसरे लोगों को भी कैसे जानकारी दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य खाद्य आयोग का मुख्य उद्देश्य लोगों को जागरूक करना है।

लालीगड़ा चेक डैम की मरम्मती शीघ्र कराई जाए

राष्ट्रीय खबर

बालूमाथ : लातेहार जिला उपाध्यक्ष अनीता देवी ने जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी लातेहार से मिलकर बालूमाथ के कोमर ग्राम अंतर्गत वन विभाग द्वारा बनाया गया लालीगढ़ा चेक डैम जो की बारिश में टूट गया है, की अविलंब मरमती की मांग की है ' उन्होंने अपने पत्र में यह बताया है कि इस चेक डैम से कोमर एवं अन्य ग्राम के कई किसान लाभान्वित हो रहे हैं और इससे लगभग 25 से 30 एकड़ जमीन की सिंचाई भी होती है ' चेक डैम टूट जाने से किसानों में मायूसी है ' उन्होंने वन प्रमंडल पदाधिकारी से व्यक्तिगत रुचि लेते हुए इस चेक डैम की अविलंब मरमती की मांग की है। उपाध्यक्ष महोदया के द्वारा यह बताया गया कि उनकी वन प्रमंडल पदाधिकारी से वातार्लाप सकारात्मक रही और उन्होंने इस चेक डैम की जल्द मरमती का आश्वासन दिया है।

स्वतंत्रता दिवस को लेकर एसडीओ ने की समीक्षा

बैठक में स्वतंत्रता दिवस की तैयारी के संबंध में अंतिम रूपरेखा तैयार की गई ।

स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह बागीटांड स्टेडियम कोडरमा में आयोजित होगा ।

राष्ट्रीय खबर

कोडरमा: शनिवार को समाहरणालय सभाकक्ष में अनुमंडल पदाधिकारी संदीप कुमार मीणा की अध्यक्षता में स्वतंत्रता दिवस की अंतिम तैयारी को लेकर बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित हुए। बैठक में स्वतंत्रता दिवस की तैयारी के संबंध में अंतिम रूपरेखा तैयार की गई। स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह बागीटांड स्टेडियम कोडरमा में आयोजित होगा। जिसमें झंडोतोलन, राष्ट्रगान, परेड समेत अन्य कार्यक्रम किये जायेंगे। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी ने मुख्य समारोह स्थल बागीटांड़ स्टेडियम की साफ-सफाई, मैदान का समतलीकरण, रंग-रोगन, रोड लाइनिनिग, ध्वनि विस्तारक यंत्र की व्यवस्था, पेयजल की व्यवस्था, लोगों के बैठने की व्यवस्था, अग्निशमन दस्ता, मेडिकल टीम, सुरक्षा व्यवस्था, परेड समेत अन्य की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

तिरंगा अभियान के तहत रैली

राष्ट्रीय खबर

कोडरमा: नगर पंचायत कोडरमा क्षेत्र अंतर्गत आजादी के 76 वे वर्षगांठ में अमृत महोत्सव के अवसर पर हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत जागरूकता रैली का आयोजन किया गया ' जागरूकता रैली नगर पंचायत कोडरमा कार्यालय से अनुमंडल कार्यालय होते हुए मेन रोड गाँधी चौक से गिरिडीह रोड महावीर मोहल्ला होते हुए पुनः नगर पंचायत कोडरमा में समाप्त की गई। जागरूकता रैली को संबोधित करते हुए नगर पंचायत कोडरमा के प्रशासक जितेंद्र कुमार जैसल ने बताया कि आजादी के 76 वें वर्षगांठ पर आजादी का अमृत महोत्सव पूरे देश में धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस अवसर 13 से 15 अगस्त को प्रत्येक घरों में हर घर तिरंगा अभियान के तहत राष्ट्रीय झंडा संहिता के अनुरूप हर घर में तिरंगा फहराएंगे तथा दूसरों को भी तिरंगा फहराने हेतु प्रेरित करेंगे।

मतदाता सर्वेक्षण कार्य का किया निरीक्षण

राष्ट्रीय खबर

पेटरवार :अंचलाधिकारी सह सहायक निवार्चन निबंधन पदाधिकारी ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव ने शनिवार को क्षेत्र का भ्रमण कर मतदाता सर्वेक्षण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बूथ न. 256 बीएलओ द्वारा मतदाताओं से वोटर कार्ड बनाने, हटाने व नाम सुधार कार्य आदि की जानकारी प्राप्त किया। निरीक्षण के दौरान बीएलओ द्वारा किये गए कार्य की सराहना कर कई आवश्यक दिशा निर्देश उन्होंने दिया। मौके पर बीएलओ पर्यवेक्षक अरबिंद महतो, कम्प्यूटर ऑपरेटर संजय कुमार, बीएलओ निशा सेठी आदि मौजूद थे।

अपराध एक बार फिर व्यवसायी पर दिनदहाड़े चली गोली

बालूमाथ मे कोयला व्यवसायी राजेन्द्र साहु को अपराधियों ने मारी गोली, रिम्स रेफर

राष्ट्रीय खबर

बालूमाथ : बालूमाथ शहर में एक बार फिर व्यवसायी पर दिनदहाड़े चली गोली है। कोयला व्यवसायी व पूर्व जिला परिसद उपाध्यक्ष राजेन्द्र साहु को अज्ञात अपराधियों ने गोली मारी है। घटना बालूमाथ शहर थाना क्षेत्र की है। इसमें कोयला व्यवसायी घायल हो गए है। उनके पेट,कमर,पंजरा, हाथ सहित चार जगहो मे गोली लगी है।

आनन-फानन में उन्हें बालूमाथ स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया।जहा चिकित्सकों ने उनका तत्काल इलाज कर बेहतर ईलाज के लिए रिम्स रांची रेफर कर दिया है।पुलिस को मामले की सूचना दे दी गई है। बताया जाता है कि राजेन्द्र साहु अपने खेती बारी को देखने झरिवा टोला दून स्कुल रोड स्कुटी से जा रहे थे। इसी बीच पहले से घात लगाकर बैठे अज्ञात अपराधियों ने उन पर हमला कर दिया।समाचार लिखे जाने तक बालूमाथ थाना चौक रांची चतरा मुख्य पथ एनएच 22 को ग्रामीणो ने जाम कर दिया है। वही घटना स्थल पर बाईक छोड़ कर भागे अपराधियो को पकड़ने के लिए बालूमाथ थाना पुलिस पुरे क्षेत्र की नाका बंदी कर दी है। वही घटना की सूचना पाते के साथ लातेहार जिला एसपी अंजनी अंजन बालूमाथ पहुंच कर सारी स्थिति से अवगत होते हुए पुलिस कर्मियो को निर्देश देते हुऐ छापामारी अभियान तेज करने को कहा है।

न्यूज फटाफट

स्कूल से निकल गया तिरंगा यात्रा

पेटरवार : पेटरवार बुंडू पंचायत स्थित सनराइज पब्लिक स्कूल की ओर से विद्यालय के निर्देशक संजय कुमार के नेतृत्व में शनिवार को तिरंगा यात्रा निकाली गई। यह तिरंगा यात्रा विद्यालय परिसर से निकलकर न्यू बस पड़ाव, तेनुचौक, थाना रोड़, मंदिर टोला, बीआरसी होते हुए वापस विद्यालय परिसर पहुंचा। तिरंगा यात्रा में विद्यालय के छोटे- छोटे बच्चे हाथों में तिरंगा लेकर लहराते हुए चल रहे थे। मौके पर प्राचार्य मीनू साव, विजय कुमार, कोपलेश कुमार महतो, रूपा सरकार, विद्या कुमारी, रिंकू कुमारी, आराधना सेठी, रूबी कुमारी, मीना कुमारी, महेंद्र महतो, अजय रजवार, गुड़िया देवी सहित अन्य शामिल रहे।

टेंपो पलटने से 4 लोग घायल

कोडरमा: जिले के जयनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत गरचांच के समीप टेंपो पलटने से 4 लोग घायल हो गए। घायल की पहचान जनास बानो ग्राम जयनगर, जलीन मियां ग्राम जयनगर, मथुरा मिस्त्री ग्राम मरकचो, कलीम युद्दीन ग्राम रजौली के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार टेंपो में कई लोग सवार होकर कोडरमा से मरकच्चो की तरफ जा रहे थे जो गरचांच के पास पीछे से एक टेंपो जाकर टक्कर मार देने से टेंपो अनियंत्रित होकर पलटने जाने से जो टेंपो में सवार चार लोग घायल हो गए।

शहीद परिवार को किया सम्मानित

कोडरमा: आजादी के अमृत महोत्सव पर मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत शनिवार को डोमचांच आदर्श मध्य विद्यालय के प्रांगण में शहीद शशीन्द्र कुमार शर्मा की आदमकद प्रतिमा पर कोबरा 203 के द्वारा माल्यर्पण किया गया साथ ही साथ शहीद की माता शारदा देवी को शॉल देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में 203 कोबरा बरही से इंस्पेक्टर चंदन कुमार ने बताया कि शहीद शशीन्द्र कुमार शर्मा 159 बटालियन में सेवारत रहते हुवे वर्ष 10 जून 2012 को नक्सलियों से मुठभेड़ लोहा लेते हुवे शहीद हुवे उनकी शहादत बलिदान को संम्मान देने के लिए उनके परिजनों को सम्मानित किया गया। इसमें कोबरा 203 के हेड कांस्टेबल, नितिन डोंगरे, नरेश कुमार, संजीव कुमार, प्रकाशचंद शर्मा, भानु प्रताप, राजकुमार सिंह उपस्थित थे।

मेरी मिट्टी मेरा देश को लेकर उपायुक्त ने की बैठक

कोडरमा: आगामी 77वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में देशभर में मेरी मिट्टी मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। इसी निमित कार्यक्रम को जिले में सफलतापूर्वक आयोजन कराने के उद्देश्य से आज उपायुक्त की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में समीक्षात्मक बैठक आहूत की गई। जिले के सभी प्रखंड से सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अन्य माननीय जनप्रतिनिधि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस बैठक में जुड़े। बैठक के दौरान उपायुक्त महोदया ने प्रखंडवार मेरी मिट्टी मेरा देश अभियान के तहत हो चुके कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी ली एवं कहा कि यह अभियान देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले जवानों को श्रद्धांजलि देने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। बैठक में प्रशासक नगर पंचायत कोडरमा डोमचांच जितेंद्र कुमार जैसल, प्रशासक नगर परिषद झुमरी तिलैया विनित, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी सुभाष यादव, प्रखंड प्रमुख, जिला परिषद के सदस्य, उपप्रमुख, नेहरू युवा केन्द्र के प्रतिनिधि सहित कई अन्य लोग जुड़े।

कौंडिण्निया पब्लिक स्कूल में समीक्षा बैठक

कोडरमा: आश्रम रोड स्थित कौंडिण्निया पब्लिक स्कूल झुमरी तिलैया, के चेयरमैन राजीव रंजन सिंह तथा निर्देशिका मंजु सिंह ने एकेडमिक निर्देशक विक्रांत सिंह, प्राचार्य कुंदन सिंह के उपस्थिति में विगत माह के कार्यो की समीक्षा की। विद्यालय के अनुशासन को और दृढ़ करने के लिए सभी स्टाफ को तत्पर रहने की हिदायत दी गई। शिक्षकों को समय पर विद्यालय आने एवं कक्षा में समय पर जाने के निर्देश दिये गए। बच्चों के उच्चारण पर भी विशेष ध्यान देने की बात कही गयी। अगले माह फिर इसकी समीक्षा की जायेगी।

रोटरी क्लब यूथ विंग के द्वारा मेगा सावन मेला का आयोजन

कोडरमा: उल्लास और उमंग से परिपूर्ण, इस सावन के महीने में रोटरी कोडरमा युथ विंग द्वारा 13 अगस्त रविवार को संध्या 3 बजे से रात्रि 9 बजे तक शिव वाटिका झुमरीतिलैया में एक आकर्षक मेला का आयोजन किया जा रहा है। बहुआयामी मेले में युवाओँ और महिलाओं द्वारा विभिन्न तरह के स्टॉल्स लगाए जाएँगे जिनमे परिधान, फैशन सामग्री, राखी एवं अन्य मनोहारी सामानों का संग्रह होगा। इसके अलावा बच्चों और बड़ों के लिए कई मनोरंजक गेम्स के स्टाल होंगे।

लोहरदगा में अल्पसंख्यक विभाग की बैठक

कुडू: राजेंद्र भवन लोहरदगा में एक अहम बैठक अल्पसंख्यक विभाग द्वारा किया गया। जिसमें आगामी 22/8 /2023 को अल्पसंख्यक प्रदेश अध्यक्ष जनाब मंजूर अंसारी एवं प्रदेश प्रभारी जनाब उमर खान का लोहरदगा आगमन है। इस संबंध में विचार विमर्श हेतू एक बैठक किया गया अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष जनाब सिकंदर अंसारी के अध्यक्षता में संपन्न हुआ जिसमें यह निर्णय लिया गया हमारे प्रदेश अध्यक्ष के लोहरदगा आगमन पर उनका भव्य स्वागत एवं अल्पसंख्यकों का बैठक को सफल बनाया जाए लोहरदगा अल्पसंख्यकों की समस्याओं का समाधान हेतू विचार विमर्श किया जाना है। तथा कांग्रेस पार्टी की मजबूती के लिए एक अहम बैठक रखी गई। इस बैठक में मुख्य रूप से हाजी सिकंदर अंसारी मुजम्मिल अंसारी कमरुल इस्लाम शरीफ अंसारी सनाउल्लाह अंसारी तारीक अनवर इरफान अंसारी वली उल्लाह साहब हाजी सुल्तान उल्फत अंसारी एवं बाबर खान एवं अन्य उपस्थित थे।

न्यूज फटाफट

मेसी के गोल की बदौलत इंटर मियामी सेमीफाइनल में पहुंचा

नई दिल्ली: लियोनल मेसी ने अपने नये क्लब के लिए 86वें मिनट में गोल दागा। पिछले साल अर्जेंटीना को विश्व कप खिताब दिलाने वाले सात बार के 'बैलन डिओर'मेस्सी का यह अपने नये क्लब के लिए पांच मैचों में आठवां गोल था।इस दौरान मेस्सी ने मियामी के अपने सभी पांच मैचों में गोल किये हैं। जोसेफ मार्टिनेज ने 12वें और रोबर्ट टेलर ने 32वें मिनट में गोल किये। क्लब के लिए एडिल्सन मलांडा ने 78वें मिनट में आत्मघाती गोल किया। अब सेमीफाइनल में इंटर मियामी का सामना मेक्सिको के क्लब क्वूरेटारो से होगा जिन्होंने फिलेडेल्फिया यूनियन को 2-1 से हराया।

जेसिका पेगुला ने मांट्रियल क्वार्टरफाइनल में युगल जोड़ीदार कोको गॉफ को हराया

नई दिल्ली: जेसिका पेगुला ने शुक्रवार को हमवतन और अपनी युगल जोड़ीदार कोको गॉफ को 6-2, 5-7, 7-5 से हराकर लगातार तीसरे साल नेशनल बैंक ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है।अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने शुक्रवार को हमवतन और अपनी युगल जोड़ीदार कोको गॉफ को 6-2, 5-7, 7-5 से हराकर लगातार तीसरे साल नेशनल बैंक ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है।पेगुला और गॉफ की जोड़ी ने शुक्रवार को अपने युगल मैच से हटने का फैसला किया था जिससे जापान की शुको ओयामा और इना शिबाहारा की जोड़ी सेमीफाइनल में पहुंच गयी थी। वहीं पेगुला का सामना अब सेमीफाइनल में शीर्ष वरीय इगा स्वियातेक से होगा। पोलैंड की स्वियातेक ने अमेरिकी क्वालीफायर डेनियल कोलिंस को 6-3, 4-6. 6-2 से शिकस्त दी। एकल के अन्य क्वार्टरफाइनल में 15वीं वरीय रूस की लियूडमिला सामसोनोवा ने स्विट्ज़रलैंड की 12वीं वरीय बेलिंडा बेनसिच को 6-4, 6-4 से हराया।

एशियाई खेलों से पहले हॉकी महिला शिविर के लिये चुने गये 34 खिलाड़ी

बेंगलुरू: हॉकी इंडिया ने 13 अगस्त से यहां भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) केन्द्र में शुरू होने वाले सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिग शिविर के लिये शनिवार को 34 सदस्यीय कोर संभावित समूह की घोषणा की। यह शिविर प्रतिष्ठित हांग्झोउ एशियाई खेलों से पहले 18 सितंबर को समाप्त होगा। भारतीय महिला हॉकी टीम एशियाई खेलों में अपने अभियान की शुरुआत 27 सितंबर को सिंगापुर के खिलाफ करेगी। भारत को कोरिया, मलेशिया, हांगकांग चीन और सिंगापुर के साथ पूल-ए में रखा गया है। इस शिविर के लिये चुने गये खिलाड़ियों में भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान रानी रामपाल का नाम शामिल नहीं है। कोर समूह में गोलकीपर सविता, रजनी एतिमारपू, बिच्छू देवी खारीबाम और बंसारी सोलंकी शामिल हैं, जबकि डिफेंडरों की सूची में दीप ग्रेस एक्का, गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, अक्षता अबासो ढेकाले, ज्योति छत्री और महिमा चौधरी का नाम है। शिविर में बुलाए गये मिडफील्डरों में निशा, सलीमा टेटे, सुशीला चानू पुखरंबम, ज्योति, नवजोत कौर, मोनिका, मारियाना कुजूर, सोनिका, नेहा, बलजीत कौर, रीना खोखर, वैष्णवी फाल्के और अजमीना कुजूर शामिल हैं। मुख्य संभावित समूह में लालरेमसियामी, नवनीत कौर, वंदना कटारिया, शर्मिला देवी, दीपिका, संगीता कुमारी, मुमताज खान, सुनेलिता टोप्पो और ब्यूटी डुंगडुंग बतौर फॉरवर्ड शामिल हुई हैं।

विजय फीफा महिला विश्व कप 2023 के रोमांच और उत्साह से भरे क्वार्टरफाइनल में

फ्रांस पर रोमांचक जीत के साथ सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया

- 30 मिनटों में भी गोल न होने के बाद विजेता का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ

एजेंसियां

ब्रिस्बेन: ऑस्ट्रेलिया ने फीफा महिला विश्व कप 2023 के रोमांच और उत्साह से भरे क्वार्टरफाइनल में शनिवार को फ्रांस को पेनल्टी शूटआउट में 7-6 (फुल टाइम 0-0) से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। सनकोर्प स्टेडियम पर खेले गये सांस रोक देने वाले मुकाबले में मेज़बान ऑस्ट्रेलिया का दबदबा रहा, हालांकि कई मौके बनाने के बाद भी कोई टीम गोल नहीं कर सकी।

मैच के अतिरिक्त 30 मिनटों में भी गोल न होने के बाद विजेता का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। इस अविस्मरणीय शूटआउट में दोनों टीमों के 10-10 खिलाड़ियों ने प्रयास किया। कई गोलों, बचावों और वीएआर रिव्यू लिये जाने के बाद फ्रांस और ऑस्ट्रेलिया 6-6 की बराबरी पर थे। फ्रांस की 10वीं पेनल्टी लेते हुए विकी बेको गोल नहीं कर सकीं, जबकि ऑस्ट्रेलिया की ओर से कोर्टनी वाइन ने निर्णायक गोल जमाकर मेज़बान टीम को सेमीफाइनल में पहुंचाया। ऑस्ट्रेलिया के कोच टोनी गुस्तावसन ने इस जीत के बाद कहा, मुझे गर्व है। इस टीम ने जो बहादुरी दिखाई वह अविश्वसनीय है। दर्शकों को मैं सिर्फ शुक्रिया कह सकता हूं। इस टीम का समर्थन करने और उन पर विश्वास करने के लिये शुक्रिया। यह टीम इस देश के हर एक व्यक्ति की है।'' दूसरी ओर, फ्रांस के कोच हर्वे रेनार्ड ने कहा, आपको आज लड़कियों पर गर्व करना होगा। उन्होंने एक असाधारण मैच खेला। यह मैच एक छोर से दूसरे छोर तक गया। यह कहना मुश्किल है कि कौन जीत का अधिक हकदार था। ऑस्ट्रेलिया को बधाई। हमारे सभी स्टाफ को बधाई, जिन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। हमें अपना सिर ऊपर रखना होगा और ओलंपिक खेलों के बारे में सोचना होगा। यह फुटबॉल है, यह नियति है जिसने विजेता चुना है। ऑस्ट्रेलिया को शुभकामनाएं।

चेतेश्वर पुजारा ने एक और शतक जड़ा, ससेक्स ने समरसेट को दी मात

एजेंसियां

नई दिल्ली: चेतेश्वर पुजारा का इंग्लैंड काउंटी में शानदार प्रदर्शन जारी है जिन्होंने लिस्ट ए के तीन मैचों में दूसरा शतक जड़कर ससेक्स को एकदिवसीय कप मैच में समरसेट पर चार विकेट की आसान जीत दिलाने में मदद की। पुजारा ने 113 गेंद में 11 चौके जड़ित नाबाद 117 रन की पारी खेली जिससे शुक्रवार को ससेक्स ने 11 गेंद रहते 319 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया।हालांकि पुजारा के शतक से ससेक्स के ग्रुप तालिका में स्थान पर कोई बदलाव नहीं हुआ जिसमें वह ग्रुप बी में नौ टीमों में निचले स्थान पर बरकरार है।

यह ससेक्स की इस साल की प्रतियोगिता में पहली जीत थी। पुजारा भारत के लिए अंतिम बार विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में खेले थे लेकिन इसके बाद वेस्टइंडीज दौरे के लिए उन्हें टीम में जगह नहीं दी गयी। वह ससेक्स के लिए पिछले दो काउंटी सत्र के ज्यादातर हिस्से में सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में थे। जिसमें उन्होंने प्रथम श्रेणी और लिस्ट ए मैच दोनों में रन जुटाये थे। बल्कि वह दलीप ट्राफी में पश्चिम क्षेत्र के लिए खेलने के बाद ससेक्स के बचे हुए सत्र में क्लब से जुड़े। पुजारा का लिस्ट ए के 121 मैचों में 58.48 का शानदार औसत है और शुक्रवार को 50 ओवर के प्रारूप में यह उनका 16वां शतक था।

वहीं, समरसेट ने एंड्रयू उम्मीद (119 रन) और कर्टिस कैम्फर (101 रन) ने 163 रन की साझेदारी से 50 ओवर में छह विकेट पर 318 रन का स्कोर खड़ा किया। फिर लक्ष्य का पीछा करने उतरी ससेक्स के लिए पुजारा ने टॉम अलसोप (60 रन) के साथ 88 रन की भागीदारी निभायी। फिर कुछ और संक्षिप्त साझेदारियों से ससेक्स ने आराम से लक्ष्य हासिल कर लिया इस मैच से पहले पुजारा ने ससेक्स के लिए 23, नाबाद 106 और 56 रन की पारियां खेलीं।

बांग्लादेश ने एशिया कप के लिये तंजीद, शमीम को बुलाया

एजेंसियां

ढाका: बंगलादेश ने 30 अगस्त से शुरू होने वाले एशिया कप के लिये चुनी गयी 17 सदस्यीय स्क्वाड में वामहस्त बल्लेबाज तंज़ीद हसन तमीम और शमीम हुसैन को शामिल किया है। शमीम जहां बंगलादेश के लिये 17 टी20 मुकाबले खेल चुके हैं, वहीं तंज़ीद को पहली बार स्क्वाड में तलब किया गया है। कमर की चोट के कारण एशिया कप से बाहर हुए तमीम इक़बाल की जगह तंज़ीद सलामी बल्लेबाज़ की भूमिका निभा सकते हैं। इस बीच, मार्च 2021 से वनडे टीम से बाहर रहे ऑलराउंडर मेहदी हसन की टीम में वापसी हुई है। अनुभवी बल्लेबाज महमूदुल्लाह फिटनेस कैंप में बुलाये जाने के बावजूद टीम से बाहर हैं। अफगानिस्तान वनडे सीरीज में टीम का हिस्सा रहे तैजुल इस्लाम और रॉनी तालुकदार एशिया कप स्क्वाड में जगह नहीं बना सके, हालांकि तैजुल को सैफ हसन और तंजीम हसन साकिब के साथ अतिरिक्त खिलाड़ियों की सूची में नामित किया गया है। एशिया कप की शुरुआत 30 अगस्त को पाकिस्तान और नेपाल के बीच होने वाले ग्रुप-ए मुकाबले से होगी। ग्रुप बी में शामिल बंगलादेश अपना पहला मैच 31 अगस्त को कैंडी में सह-मेजबान श्रीलंका के खिलाफ खेलेगा, जबकि तीन सितंबर को पाकिस्तान के लाहौर में अफगानिस्तान से भिड़ेगा।

खेल जगत अपडेट्स

कार्तिकेय को सरकार से मदद की उम्मीद

नयी दिल्ली: पैरा कराटे में भारत का उभरता सितारा कार्तिकेय गोयल लगातार शानदार प्रदर्शन के बाद विश्व कराटे महासंघ (डब्ल्यूकेएफ) रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गये हैं। राष्ट्रीय राजधानी निवासी 20 वर्षीय कार्तिकेय भारत और दक्षिण एशिया के एकमात्र पैरा कराटे का खिलाड़ी हैं, जिन्होंने एशियाई कराटे महासंघ (एकेएफ) द्वारा आयोजित लगातार दो प्रतियोगिताओं में पदक जीते हैं। उन्होंने मलेशिया में जुलाई में आयोजित एशियाई पैरा चैंपियनशिप 2023 में रजत पदक जीता, जबकि दिसंबर 2022 में उन्होंने उज्बेकिस्तान में आयोजित एशियाई कराटे चैंपियनशिप में भी चांदी का तमगा हासिल किया था। कार्तिकेय का जन्म इंजीनियरों के परिवार में हुआ था, लेकिन चार वर्ष की उम्र में उन्होंने सीवियर मेनिंजाइटिस (गंभीर मस्तिष्क ज्वर) के कारण सुनने और देखने की क्षमता खो दी। इन चुनौतियों ने हालांकि कार्तिकेय को मज़बूत बनाया। उनकी वैश्विक मंच पर प्राप्त उपलब्धियों की सूची लंबी है। उन्होंने 2022 में अमेरिका के नेवाडा में आयोजित अमेरिकी ओपन और जूनियर इंटरनेशनल कप कराटे चैंपियनशिप में पैरा श्रेणी में प्रतिस्पर्धा की थी जहां उन्होंने दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीता था। विश्व कराटे महासंघ वैश्विक रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच चुके कार्तिकेय को उम्मीद है कि वह आगामी पैरा ओलंपिक्स और विश्व कराटे चैंपियनशिप में भारत के तरफ से भाग लेंगे। उन्होंने सरकार से अधिक सुविधाएं प्रदान करने की मांग की ताकि वह वैश्विक मंच पर अधिक प्रदर्शन कर सकें। सिर्फ कार्तिकेय ही नहीं, बल्कि दिल्ली के और भी कराटे खिलाड़ी हैं जो देश का नाम रोशन कर रहे हैं। इन खिलाड़ियों में अनिकेत गुप्ता (भारत और दिल्ली कराटे टीम के कप्तान), दीपिका धीमान, प्रणय शर्मा, अख्तर, नविन भिडिया और बासु खरे जैसी युवा प्रतिभाओं का नाम शामिल है। सभी खिलाड़ियों ने 19वीं एशियाई सीनियर कराटे चैंपियनशिप 2023 में भारत का प्रतिनिधित्व किया था।

गणपथः पार्ट 1 में नजर आयेगी टाइगर श्रॉफ और कृति सेनन की जोड़ी

एजेंसियां

मुंबईः बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ और अभिनेत्री कृति सेनन की सुपरहिट जोड़ी गणपथः पार्ट 1 में नजर आयेगी। टाइगर-कृति की फिल्म ह्यगणपथ पार्ट 1ह्ल पिछले कुछ समय से सुर्खियों में है। टाइगर श्रॉफ और कृति सैनन ने वर्ष 2014 में प्रदर्शित फिल्म 'हीरोपंती' के साथ एक साथ डेब्यू किया था।अब यह जोड़ी 'गणपथः पार्ट 1' में वापस आ रही है। टाइगर ने अपने और कृति की एक वीडियो अपने इंस्टा स्टोरीज पर पोस्ट किया। कैप्शन में टाइगर श्राफ ने लिखा, ऑल्मोस्ट टाइम पार्टनर । जवाब में कृति सैनन ने इस वीडियो को अपने सोशल मीडिया पर री-पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा'टाइम फ्लाइज!! ऑल ग्रोन अप अस! पूजा एंटरटेनमेंट प्रस्तुत गुड कंपनी के सहयोग से निर्मित गणपथ पार्ट 1, विकास बहल द्वारा निर्देशित हैं। फिल्म का निर्माण वाशु भगनानी, जैकी भगनानी, दीपशिखा देशमुख और विकास बहल ने किया हैं। यह फिल्म 20 अक्टूबर 2023 को रिलीज होगी।

पवन सिंह का गाना भोला जी के टोला रिलीज

मुंबईः भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार पवन सिंह का सावन स्पेशल गाना भोला जी के टोला रिलीज हो गया है। भोला जी के टोला गाना म्यूजिक कंपनी टी-सीरीज़ हमार भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल से रिलीज हुआ हैं। पवन सिंह ने कहा कि उन्होंने यह गाना भगवान शिव के भक्तों के लिए निःस्वार्थ भाव से बनाया है। इसलिए बस सबों का आशीर्वाद चाहिए। सावन एक विशेष महीना होता है। भोले बाबा के लिए गीत गुनगुना मुझे अच्छा लगता है। इसलिए हर साल मैं एक से बढ़कर एक गाना लेकर आता हूँ और आगे भी आता रहूँगा। गाना भोला जी के टोला को पवन सिंह ने गाया है। इसके म्यूजिक वीडियो में बेबी काजल और पवन सिंह नजर आए हैं। इस गाने के गीतकार विजय चौहान हैं, जबकि संगीतकार विकास यादव हैं। निर्देशक रवि पंडित हैं। कोरियोग्राफर विशाल गुप्ता और डीओपी पिटू पाठक हैं।

सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म शेरशाह के प्रदर्शन के दो साल पूरे

एजेंसियां

मुंबईः बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म शेरशाह के प्रदर्शन के दो साल पूरे हो गये हैं। सिद्धार्थ मल्होत्रा ने फिल्म ह्यशेरशाहह्ल में कैप्टन विक्रम बत्रा का रोल निभाकर दर्शकों का दिल जीत लिया था। फिल्म शेरशाह के प्रदर्शन के दो साल पूरे होने पर सिद्धार्थ मल्होत्रा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। सिद्धार्थ मल्होत्रा ने इंस्टाग्राम पर कैप्शन में लिखा, शेरशाह के 2 साल। जिंदगी एक कलाकार को बहुत कम ही बार ऐसा मौका देती है कि जब वो किसी ऐसे किरदार को जी सके जो अमर हो चुका है। आसमान में चमकते सूरज की तरह। अब आप इसे इत्तेफाक समझे या मेरा खुशनसीब। मुझे भी ये खूबसूरत मौका शेरशाह में मिला।कैप्टन विक्रम बत्रा के किरदार को जीना मुझे जिंदगी से और ज्यादा जोड़ गया। उनकी बारीकियां, उनकी बेबाकी और उनका देश प्रेम, उनका जुनून में उनके हर हिस्से में जुड़ता गया और इस लंबे सफर के बाद शेरशाह आपके सामने आई। दो साल पहले आज ही के दिन शेरशाह को आप सभी को आप सभी ने किसी अपने की तरह गले से लगाया था। जब जब ये तारीख मेरे सामने आती है, तो दिस बस एक बात कहता है. ये दिल मांगे मोर।

वंदे भारतम गाने के जरिए टी-सीरीज ने सैनिकों और उनकी माताओं को दिया ट्रिब्यूट

एजेंसियां

मुंबईः टी-सीरीज ने वंदे भारतम गाने के जरिए सैनिकों और उनकी माताओं को ट्रिब्यूट दिया है। टी-सीरीज़, विशाल मिश्रा की आवाज़ में वंदे भारतम नामक एक विशेष गीत लेकर आए हैं। यह गाना अर्जुन बिजलानी द्वारा निभाए गए सेना के जवान के जीवन को दर्शाता है। लवेश नागर द्वारा निर्देशित और विशाल मिश्रा द्वारा गाए गए इस गाने का संगीत आर्को ने दिया है और गाने के बोल मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं। यह गाना देश के लिए अपनी जान जोखिम में डालने वाले सभी सैनिकों को एक ट्रिब्यूट है। सिर्फ उन्हें ही नहीं, यह उन माताओं को भी सम्मान देता है जो अपने बच्चे को देश की सेवा में भेजने का साहस रखती हैं। विशाल मिश्रा ने कहा, मैं वंदे भारतम जैसे गाने पर काम करने में सक्षम होने पर बहुत खुश हूं। यह गाना सैनिकों और उनकी माताओं को धन्यवाद देने का मेरा छोटा सा प्रयास है।जिन्होंने देश के लिए दिए गए बड़े बलिदान दिए हैं। मनोज मुंतशिर ने कहा, दिल से एक देशभक्त होने के नाते, मुझे व्यक्तिगत रूप से कुछ ऐसा लिखना पसंद है जो देश या यहां तक कि सैनिक के बारे में हो। और वंदे भारतम मेरे दिल के बहुत करीब है। संगीतकार अर्को ने कहा, जिस तरह से वंदे भारतम सामने आया है, वह मुझे बहुत पसंद है। गाने को कंफर्टेबल म्यूजिक देना बहुत महत्वपूर्ण था, और इसे इतनी अच्छी तरह से फिट देखकर मुझे राहत महसूस होती है।लवेश नागर ने कहा, इस गीत पर काम करने वाले सभी लोगों ने दर्द और जुनून को बहुत अच्छी तरह से व्यक्त किया है। यह सैनिकों और उनके परिवारों के लिए एक महान ट्रिब्यूट है और मैं इसका हिस्सा बनकर बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह गाना टी- सीरीज के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध है।

पायल देव और स्टेबिन बेन का नया गाना 'बारिश है जानम' रिलीज़

एजेंसियां

मुंबईः पायल देव और स्टेबिन बेन का नया गाना ह्यबारिश है जानमह्ल रिलीज़ हो गया है। भूषण कुमार द्वारा निर्मित रोमांटिक गाना 'बारिश है जानम' हर्षिता गौर और स्टेबिन नज़र आ रहे हैं। इस गाने को जहां पायल देव ने स्टेबिन बेन के साथ मिलकर गाया है वहीं इसका म्यूजिक भी पायल देव ने ही तैयार किया है। राज शेखर ने गाने के बोल लिखे हैं और वीडियो का निर्देशन सिद्धार्थ-गरिमा ने किया है। पायल देव ने कहा, व्यक्तिगत रूप से, मुझे बारिश से संबंधित गानों को गाने में मजा आता है। मुझे बस ये मौसम पसंद है, और अगर यह एक रोमांटिक नंबर है, तो यह और भी अच्छा है।

दिनेश लाल यादव निरहुआ और आम्रपाली दुबे स्टारर भोजपुरी फिल्म मंडप का ट्रेलर रिलीज

एजेंसियां

मुंबईः भोजपुरी सिनेमा के जुबली स्टार दिनेश लाल यादव निरहुआ और अभिनेत्री आम्रपाली दुबे स्टारर भोजपुरी फिल्म मंडप का ट्रेलर रिलीजहो गया है। एस आर के म्यूजिक प्रा. लि. के बैनर से निर्मित फिल्म मंडप का ट्रेलर एस आर के म्यूजिक के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल से रिलीज किया गया है। इस फिल्म के निर्माता रौशन सिंह हैं। जबकि सह निर्माता शर्मिला आर सिंह हैं। इस फिल्म के निर्देशक आनंद सिंह हैं। फिल्म मंडप के ट्रेलर की शुरुआत अभिनेता संजय पांडे और सुशील सिंह के उस संवाद से होती है जिसमें अपने बेटे की शादी के लिए दहेज की बात कर रहे होते हैं। सामाजिक और पारिवारिक मानदंडों के इर्द-गिर्द बनी इस फिल्म में निरहुआ और आम्रपाली की शादी हो जाती है लेकिन दहेज की मार यहां आम्रपाली को झेलनी पड़ती है। वर पक्ष यानी निरहुआ के परिवार वालों द्वारा दहेज की डिमांड पर अपने पिता की संपत्ति को गिरवी देख अम्रपाली दुबे में राइफल लेकर निरहुआ के ऊपर तान देती है ।

प्रदेश ›› अपडेट

बंगाल में भीषण, गोदाम जलकर खाक

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के उत्तर-पूर्वी हिस्से में उल्टाडांगा में शनिवार तड़के भीषण आग लगने से एक गोदाम जलकर खाक हो गया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि धनकोल इलाके में स्थित गोदाम में शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात करीब एक बजे भीषण आग लग गयी, जिसमें सभी कागजात और एक तिपहिया ऑटो सहित दो वाहन जलकर खाक हो गए।

शॉर्ट न्यूज अपडेट्स ››

हमारे देश में भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की कड़ी नीति है: मोदी

कोलकाता : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भ्रष्टाचार का सर्वाधिक प्रभाव गरीबों और हाशिए पर रहने वाले लोगों पर पड़ता है तथा देश में भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की सख्त नीति है। श्री मोदी ने कोलकाता में जी 20 भ्रष्टाचार विरोधी मंत्रिस्तरीय बैठक वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि भ्रष्टचार संसाधनों के उपयोग को प्रभावित करता है, बाजारों को विकृत करता है, सेवा वितरण को प्रभावित करता है और अंततः लोगों के जीवन की गुणवत्ता को कम करता है।

भदोही:कावंड यात्रा के दौरान कांवडिया की मौत

भदोही : उत्तर प्रदेश के भदोही जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार को कांवड़ यात्रा के दौरान गश खाकर गिरे कांवडिया की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जनपद के सुरियावां थाना क्षेत्र के पूरे गड़रिया गांव निवासी संतलाल सरोज (65 वर्ष) कुछ लोगों के साथ प्रयाग से गंगाजल लेकर अर्पण के लिए काशी विश्वनाथ धाम वाराणसी जा रहा था। इसी दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग कांवडिया लेन पर डंगहरिया गांव के पास संतलाल अचानक गश खाकर गिर गया।

संक्षिप्त ›› अपडेट्स

आन्ध्र प्रदेश में लापता बच्ची का शव बरामद

तिरुमाला : आंन्ध्र प्रदेश में तिरुमाला पहाड़ियों पर ट्रैकिंग के दौरान लापता एक बच्ची का शव शनिवार को यहां के लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर के पास बरामद किया गया। लक्षिता आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले के कोव्वुरु की रहने वाली थी। वह अपने माता-पिता के साथ ट्रेक पर आयी थी। जहां से वह शुक्रवार को गायब हो गयी। तिरुमाला-तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के सुरक्षा कर्मियों और पुलिस सहित अधिकारियों ने लापता बच्ची की खोजबीन की लेकिन बच्ची का कहीं पता नहीं चला।लापता के अगली सुबह वन कर्मियों ने खोज की और उन्हें लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर के पास झाड़ियों के बीच बच्ची का शव पाया। बच्ची को शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल ले जाया गया। प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) ने कहा कि शव पर हमले के निशानों से आशंका है कि बच्ची पर चीते ने हमला किया होगा।

खेत में कार्य करते समय करंट लगने से पूर्व सरपंच की मौत

भीलवाडा : राजस्थान में भीलवाडा जिले की ओज्याड़ा पंचायत के पूर्व सरपंच नानालाल की खेत पर मोटर चालू करते समय करंट लगने से मौत हो गई। पोस्टमार्टम कराने के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंपते हुये हादसे के कारणों की जांच शुरु कर दी। हमीरगढ़ थाने के दीवान बाबूलाल ने बताया कि ओज्याड़ा निवासी पूर्व सरपंच नाना लाल गाडरी 55 कल खेत पर फसल की पिलाई करने गये थे। जहां मोटर चालू करते समय करंट लगने से वह अचेत होकर गिर पड़े। उधर, रोजाना की तरह रात 11 बजे तक नाना लाल घर नहीं लौटे तो बेटा नंद लाल, अपने मित्र के साथ खेत पर गया, जहां उसे पिता अचेतावस्था में मिले।

टिप्पणी म्यांमार से आने वाले कुकी के बारे में संसद में केंद्रीय गृह मंत्री की टिप्पणी की आलोचना

सभी कुकी विधायकों ने कहा, हमें विदेशी साबित करें अमित शाह

- अमित शाह ने संसद में दिया था बयान
- मैतेई दावा आदिवासियों को भगाने के लिए
- तुषार मेहता को सुप्रीम कोर्ट में माफी मांगना चाहिए

राष्ट्रीय खबर

नईदिल्ली: मणिपुर के सभी 10 कुकी विधायकों ने अमित शाह से म्यांमार से आने वाले कुकी के दावे को साबित करने को कहा गृह मंत्री ने दावा किया था कि 2021 में दक्षिण पूर्व एशियाई देश में तख्तापलट के कारण कई कुकी पूर्वोत्तर राज्य में चले गए थे। यह मांग करने वालों में भाजपा के आठ कुकी विधायक भी शामिल हैं। इनलोगों ने शुक्रवार को म्यांमार से आने वाले कुकी के बारे में संसद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी की आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें अपने दावों के पीछे विवरण प्रस्तुत करना चाहिए। बुधवार को मणिपुर हिंसा पर चर्चा के दौरान शाह ने कहा था कि 2021 में म्यांमार में सैन्य तख्तापलट के बाद कुकी डेमोक्रेटिक फ्रंट नाम के संगठन ने सैन्य नेतृत्व के खिलाफ लड़ाई शुरू कर दी थी। गृह मंत्री ने दावा किया था कि म्यांमार में संघर्ष के कारण कई कुकियों को अपनी सुरक्षा के लिए म्यांमार से मणिपुर में आना पड़ा। शाह ने कहा था कि इस आमद से बहुसंख्यक मैतेई आबादी में चिंताएं पैदा हो गईं। इंफाल घाटी में बड़े पैमाने पर केंद्रित मैतेई लोगों का दावा है कि म्यांमार और बांग्लादेशी नागरिकों द्वारा बड़े पैमाने पर अवैध आप्रवासन के कारण उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। मौजूदा कानूनों के अनुसार उन्हें राज्य के पहाड़ी इलाकों में बसने की अनुमति नहीं है। कुकियों को डर है कि अगर उन्हें अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिया गया तो मैतेई लोग उनकी भूमि संसाधनों पर कब्जा कर सकते हैं।

इसके बाद कुकी विधायकों ने कहा कि शाह को यह दावा करते हुए देखना निराशाजनक था कि मणिपुर में जातीय हिंसा म्यांमार से घुसपैठ के कारण हुई अशांति का परिणाम थी। विधायकों ने आरोप लगाया कि कुकी लोगों का जातीय सफाया एक पूर्व नियोजित हमला है, जिसका उद्देश्य संवैधानिक प्रावधानों के खिलाफ आदिवासी भूमि को हड़पना है। उन्होंने कहा, हमारे लोगों को घाटी से हिंसक तरीके से सफाया कर दिया गया है और हमारी कॉलोनियों को जमींदोज कर दिया गया है। हम अपना रुख दोहराते हैं कि केंद्र सरकार को राजनीतिक समझौते के माध्यम से एक अलग प्रशासन के रूप में इस जनसांख्यिकीय अलगाव को मान्यता देनी चाहिए। उन्होंने शाह से म्यांमार से अवैध घुसपैठियों का विवरण प्रस्तुत करने और यह साबित करने का आग्रह किया कि वे कुकी गांवों में ग्राम रक्षा स्वयंसेवकों का हिस्सा थे। विधायकों ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से यह भी आग्रह किया कि वह अपने आरोप को साबित करें कि इंफाल के मुर्दाघरों में लावारिस शव अवैध घुसपैठियों के थे, ऐसा न करने पर उन्हें सुप्रीम कोर्ट के समक्ष माफी मांगनी चाहिए। मेहता ने गत 1 अगस्त को मणिपुर हिंसा पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के समक्ष यह दावा किया था।

इक्वाडोर में संसदीय उम्मीदवार पर गोली चलाई: मीडिया रिपोर्ट

एजेंसियां

क्विटो: इक्वाडोर की नेशनल असेंबली में संसदीय सीट के लिए चुनाव लड़ रहे एक वामपंथी विपक्षी नेता पर गोली चलाये जाने की घटना सामने आयी है। मीडिया ने यह रिपोर्ट दी है। इक्वाविसा टीवी की शुक्रवार की रिपोर्ट में बताया कि एस्टेफनी पुएंते कास्त्रो पर 10 अगस्त को इक्वाडोर के लॉस रियोस प्रांत के क्वेवेदो शहर में उस समय हमला किया गया जब वह अपने पिता और एक कंपनी कर्मचारी के साथ कार में जा रहे थे। इक्वाविसा ने पुलिस रिपोर्टों के हवाले से बताया कि एक अज्ञात हथियारबंद व्यक्ति कार के पास आया और पुएंते से कार रोकने की मांग की। जिसके बाद विपक्षी राजनेता ने गाड़ी तेज़ करने का प्रयास किया और हमलावर ने चालक की ओर से कार पर गोली चला दी। रिपोर्ट में बताया गया है कि श्री पुएंते इस हमले में घायल नहीं हुए है और कार में गोली चलाए जाने का कोई साक्ष्य नहीं मिला है। इस बीच अमेरिका की फेडरल ब्यूरो ऑफइन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने शुक्रवार को इस बात की पुष्टि की कि वह क्विटो में इक्वाडोर के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार फर्नांडो विलाविसेंशियो की हत्या की जांच में अधिकारियों की मदद के लिए अपने एजेंटों को वहां भेज रही है। उल्लेखनीय है कि इक्वाडोर में राष्ट्रपति पद के लोकप्रिय प्रत्याशी श्री विल्विकेंसियो की बुधवार को चुनावी रैली के दौरान गोली मार कर हत्या कर दी गई।

दुनियाभर में कोविड पुनरुत्थान का खतरा बढ़ रहा है:डब्ल्यूएचओ

एजेंसियां

पेरिस: दुनिया भर पिछले महीने में कोविड -19 के नए मामलों में 80 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ)ने शनिवार को यह जानकारी दी। डब्ल्यूएचओ ने मई में कहा था कि कोविड अब वैश्विक स्वास्थ्य आपात नहीं है लेकिन उसने कोरोनावायरस के मामलों की वृद्धि पर चेतावनी दी और कहा कि इस संक्रमण से लोगों की मृत्यु की भी आशंका है। इस साप्ताहिक आंकड़ों में संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने कहा कि देशों में 10 जुलाई से छह अगस्त तक करीब 15 लाख कोरोना के नए मामलों की पुष्टि हुयी है, जो पिछले 28 दिनों की तुलना में 80 प्रतिशत अधिक है। मौतों की संख्या 57 प्रतिशत गिरकर 2,500 हो गई। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि कई नए मामले पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में आए, जहां संक्रमण में 137 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और जापान सहित उत्तरी गोलार्ध के कई देशों में हाल के सप्ताह में गर्मियों में कोविड मामलों में वृद्धि देखी गई है। डब्ल्यूएचओ प्रमुख टेड्रोस एडनोम घेबियस ने चेतावनी देते हुए कहा, फिर से बड़ी संख्या में कोविड मामले और मृत्यु को आकंड़ा अचानक बढ़ सकता है। फ्रांस के स्वास्थ्य मंत्री ऑरेलियन रूसो ने सतर्कता का आान करते हुए इस बात पर जोर दिया कि कोविड की संख्या निम्न स्तर पर बनी हुई है। उन्होंने कहा, हमें आने वाले समय इस वायरस के फिर से उत्थान के साथ रहना होगा। जिनेवा विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल हेल्थ के निदेशक एंटोनी फ्लाहॉल्ट ने कहा कि वास्तविक कोविड स्थिति कोविड मामलों को लेकर, स्वास्थ्य अधिकारियों को तत्काल एक विश्वसनीय कोविड स्वास्थ्य निगरानी प्रणाली बहाल करने की आवश्यकता है।

रेल मंत्री से त्रिपुरा से और ट्रेनें शुरू करने की मांग की

एजेंसियां

अगरतला: केंद्रीय अधिकारिता और सामाजिक न्याय राज्य मंत्री प्रतिमा भौमिक ने त्रिपुरा में रेलवे सेवा के उन्नयन के संबंध में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से कार्रवाई की मांग की है और भक्तों और व्यापारियोंकी सुविधा के लिए विशिष्ट गंतव्यों के लिए और अधिक ट्रेनें शुरू करने की अपील की है। सुश्री भौमिक ने आज यहां मीडिया को यह जानकारी दी। सुश्री भौमिक ने मंत्री को बताया कि उन्होंने हाल ही में देवघर का दौरा किया था और अनुकूल ठाकुर आश्रम के प्राधिकारी से मुलाकात की थी, जिन्होंने उनसे भक्तों की यात्रा का प्रबंधन करने के लिए त्रिपुरा से देवघर तक एक और ट्रेन की व्यवस्था करने के लिए कहा था। अगरतला से देवघर के लिए फिलहाल साप्ताहिक ट्रेन चल रही है, जिससे देवघर जाने वाले श्रद्धालुओं को लौटने के लिए कम से कम सात दिन इंतजार करना पड़ता है। उन्होंने कहा, मंत्री जल्द ही देवघर के लिए एक और ट्रेन चलाने पर सहमत हुए। त्रिपुरा से बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्रीलंका, बिहारी धाम, वृंदावन और जगन्नाथ धाम पुरी जाते हैं, लेकिन वहां कोई सीधी ट्रेन सेवा नहीं है। उन्होंने यात्रियों की सुविधा के कम से कम एक साप्ताहिक ट्रेन शुरू करने की मांग की। उन्होंने कहा, साथ ही अगरतला से गुवाहाटी के लिए अभी तक कोई समर्पित ट्रेन नहीं चल रही है, तो मैंने रेल मंत्री से इस मार्ग पर एक ट्रेन चलाने का अनुरोध किया और उन्होंने तुरंत अधिकारियों को अगरतला और गुवाहाटी मार्गों पर एक डेमो ट्रेन चलाने की त्वरित व्यवस्था करने का निर्देश दिया।

नारी नेतृत्व का लाभ उठाएं महिलाएं: ईरानी

एजेंसियां

नयी दिल्ली: केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने सरकार के 'नारी नेतृत्व में विकास' के मंत्र का लाभ उठाने का आान करते हुए कहा है कि भारतीय महिलाओं को विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनानी चाहिए। श्रीमती ईरानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में'नारी नेतृत्व में विकास' की अवधारणा चल रही है। उन्होंने कहा कि देश की विकास यात्रा में यह क्रांतिकारी बदलाव है। यह केवल कहने की बात नहीं है बल्कि यह वास्तविक रूप में दिखाई दे रहा है। देश ने हमेशा महिलाओं को लाभार्थी के रूप में देखा है। अब समय आ गया है कि उन्हें विकास की भागीदार के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, महिलाओं को विकास प्रक्रिया में भागीदारी देने की आवश्यकता है। श्रीमती ईरानी कल एक निजी समाचार चैनल के राईजिग इंडिया -शी शक्ति कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी।उन्होंने कहा कि राष्ट्र उसे दौर से गुजर रहा है जब व्यापक हित में बड़ी उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। इस अवसर को जाने नहीं देना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों पर महिला सुरक्षा और स्वच्छता जैसे मुद्दों को अनदेखा करने का आरोप लगाया।

राजनीति भाजपा राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ संघीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है

भाजपा नहीं चाहती कि उसके विरोधी एकजुट हो- स्टालिन

- संसद में अविश्वास प्रस्ताव के दौरान मोदी का भाषण एक राजनीतिक रैली के समान था

राष्ट्रीय खबर

चेन्नई: तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक प्रमुख एमके स्टालिन ने कहा है कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि विपक्ष में उनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी अलग-अलग चुनाव लड़े क्योंकि पार्टी अब 2024 के चुनाव में जीत के लिए केवल प्रधानमंत्री की छवि पर भरोसा नहीं कर सकती। अंग्रेजी दैनिक को दिये एक साक्षात्कार में स्टालिन ने यह भी कहा कि भाजपा राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ संघीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है, और इस बात पर जोर दिया कि भारत जैसे विविध राष्ट्र में समान नागरिक संहिता का कोई स्थान नहीं है।

भाजपा इस बात पर दृढ़ है कि उनके विरोधी दलों और उनकी विचारधारा को एकजुट नहीं होना चाहिए। जब हम एक से अधिक गठबंधन के रूप में चुनाव लड़ते हैं तो भाजपा को सबसे अधिक फायदा होता है। यही कारण है कि छापे (ईडी और सीबीआई द्वारा) मारे जाते हैं। इन छापों का उद्देश्य डराना और धमकाना है, स्टालिन ने कहा।

भाजपा केवल मोदी के चेहरे का प्रदर्शन करके जीत हासिल नहीं कर सकती। यही कारण है कि उन्होंने 39 दलों के नेताओं के साथ तस्वीरें खिंचवाईं। कांग्रेस, राहुल गांधी, द्रमुक और विभिन्न अन्य विपक्षी दलों के प्रति अपमानजनक टिप्पणियां इसी का परिणाम हैं। उनकी टिप्पणी ऐसे समय आई है जब द्रमुक सहित 26 विपक्षी दलों ने अगले आम चुनाव में भाजपा से मुकाबला करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन या इंडिया का गठन किया है।

स्टालिन ने कहा कि गुरुवार को संसद में अविश्वास प्रस्ताव के दौरान मोदी का भाषण एक राजनीतिक रैली के समान था, और तीन महीने से अधिक समय से मणिपुर को बांटने वाली हिंसा सत्तारूढ़ पार्टी की विभाजनकारी, नफरत की राजनीति का परिणाम थी। मणिपुर में भाजपा सरकार को पता था कि वहां ऐसा होगा। केंद्र सरकार को भी पता था लेकिन उन्होंने इसकी भयावहता को कम करके आंका। हिंसा दोधारी तलवार है, मणिपुर संकट भाजपा का फ्रेंकस्टीन राक्षस बन गया है। अपने राज्य मंत्रिमंडल के एक मंत्री सेंथिल बालाजी की जांच के दायरे में आने पर स्टालिन ने कहा कि भाजपा राजनीतिक विरोधियों से बदला लेने के लिए संघीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने कहा, हम इन गिरफ्तारियों को आपराधिक जांच के रूप में नहीं बल्कि राजनीतिक जांच के रूप में देखते हैं। सीएम ने यूसीसी पर डीएमके के विरोध को दोहराते हुए कहा कि इसे आपराधिक कानून के साथ नहीं जोड़ा जाना चाहिए। आपराधिक कानून अपराधों से संबंधित है, और उन्हें करने के लिए दंड सभी के लिए समान है। इस सिद्धांत पर कोई आपत्ति नहीं है। हालाँकि, यूसीसी रीति-रिवाजों और प्रथाओं में गहराई से उतरता है। भारत में, लोग विविध संस्कृतियों और परंपराओं का पालन करते हैं। यूसीसी भारत की सार्वजनिक शांति और सद्भाव को बाधित करेगा।

न्यूज फटाफट

फ्रांसीसी सैनिकों के हमले में पांच नाइजर सैनिकों की मौत

नियामी : फ्रांसीसी सैनिकों के नाइजर के नेशनल गार्ड पर किये गये हमले में पांच सैनिकों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गये है। मीडिया ने यह रिपोर्ट दी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार फ्रांसीसी सैनिकों ने नाइजर के नेशनल गार्ड पर हमला किया है। उन्होंने कहा कि एक फ्रांसीसी युद्धक विमान अफ्रीकी राष्ट्र के हवाई क्षेत्र में प्रवेश किया। एक्टुनिगर समाचार पोर्टल ने नाइजर के नेशनल गार्ड की जानकारी के हवाले से शुक्रवार को बताया कि फ्रांसीसी सैनिकों के हमले में नाइजर के पांच सैनिक मारे गए तथा चार अन्य घायल हुए है। घायलों में दो की हालत गंभीर है। नाइजर के अपदस्थ राष्ट्रपति मोहम्मद बज़ौम के राजनीतिक सलाहकार एंटिनेकर अल-हसन ने बुधवार को मीडिया को बताया कि फ्रांसीसी सेना ने अफ्रीकी देश छोड़ने की नाइजर विद्रोहियों की मांग को खारिज कर दिया है। नाइजर वर्तमान में 1,500 फ्रांसीसी सैनिक तैनात है।

रूस में चट्टान खिसकने से एक पर्यटक की मौत, सात घायल

नालचिक : रूस के काबर्डिनो-बलकारिया गणराज्य में काकेशस पर्वत में चट्टानों के खिसकने से एक पर्यटक की मौत हो गई है और सात अन्य घायल हो गए हैं। रूसी आपातकालीन स्थिति मंत्रालय की एल्ब्रस खोज और बचाव टीम ने शनिवार को यह जानकारी दी। खोज दल के एक प्रवक्ता ने बताया कि यहां स्थानीय समयानुसार करीब 06:00 बजे, चेरेकस्की जिले में बेज़ेंगी अल्पाइन शिविर के पास 3,500 मीटर की ऊंचाई पर चट्टान खिसकने के कारण पांच पर्यटक फंस गए। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गयी और सात अन्य घायल हो गए। इसके बाद, छह बचावकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे। रूसी जांच समिति के क्षेत्रीय जांच विभाग ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। रूसी आपातकालीन स्थिति मंत्रालय के क्षेत्रीय कार्यालय बताया कि स्थानीय समयानुसार करीब 8.40 बजे, बचावकर्मियों के साथ एक वाणिज्यिक हेलीकॉप्टर घटनास्थल पर पहुंचा। जिसके माध्यम से पर्यटकों को निकाला जाएगा।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में सैन्य कार्रवाई में दो आतंकवादी ढेर

इस्लामाबाद : पाकिस्तानी सेना ने बलूचिस्तान प्रांत के केच जिले में चलाये गये एक अभियान में दो आतंकवादियों को मार गिराया है। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि सुरक्षा बलों ने केच के मजाबंद इलाके में खुफिया जानकारी के आधार पर एक अभियान चलाया। आईएसपीआर ने बताया कि गोलीबारी में दो आतंकवादी मारे गए जबकि एक अन्य को घायल हालत में गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों के पास से बड़ी संख्या में हथियार और गोलियां भी बरामद की गई है। उन्होंने बताया कि ये आतंकवादी सुरक्षाबलों पर हमले में शामिल थे। बयान में कहा गया है कि पाकिस्तान के सुरक्षा बल आतंकवाद के खत्मे और देश के दुश्मनों के नापाक मंसूबों को विफल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

रूस ने क्रीमिया पर यूक्रेन के ड्रोन हमलों को किया विफल

मॉस्को : रूस ने क्रीमिया पर बीती रात यूक्रेन के हवाई हमलों को विफल करते हुए उसके 20 ड्रोनों को मार गिराया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने शनिवार सुबह बताया कि कल रात में यूक्रेन द्वारा क्रीमिया प्रायद्वीप के क्षेत्र में बीस मानवरहित हवाई वाहनों (ड्रोनों) से किये आतंकवादी हमले के प्रयास को विफल कर दिया गया। मंत्रालय ने बताया कि चौदह यूक्रेनी ड्रोन रूस की वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा नष्ट कर दिए गए, जबकि अन्य छह यूएवी को इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के जरिए निक्रिय किया गया। उन्होंने बताया कि हमले से जानमाल की क्षति नहीं हुई है।

चीन के शानक्सी में भूस्खलन से दो लोगों की मौत 16 लापता

बीजिंग : चीन के शानक्सी प्रांत की राजधानी शीआन के उपनगरीय इलाके में शुक्रवार शाम मूसलाधार बारिश के कारण चट्टानें और मिट्टी खिसकने से दो लोगों की मौत हो गई है और 16 अन्य लापता हैं। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। शीआन नगरपालिका आपातकालीन प्रबंधन अधिकारियों के सूत्रों ने बताया कि चांगान जिले के बाहरी इलाके में लुआनज़ेन टाउनशिप के एक गांव में हादसा शाम करीब छह बजे हुआ।

हवाई के जंगलों में लगी आग में मरने वालों की संख्या 67 हुई

वाशिंगटन : अमेरिका के हवाई में माउई द्वीप के जंगलों में लगी भीषण आग में मरने वालों की संख्या बढ़कर 67 हो गई है। माउई काउंटी की शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति में बताया गया, दमकलकर्मियों का आग बुझाने का प्रयास जारी हैं, लहानिया में सक्रिय आग से अपराह्न एक बजे तक आज 12 अन्य लोगों की मौतों की पुष्टि हुई है। इसी के साथ ही आग से मरने वालों की संख्या 67 हो गई है। लहानिया की आग पर अभी काबू नहीं पाया जा सका है।

आज का इतिहास

- 1642 : डच खगोलशास्त्री क्रिश्चियन 'गेंस ने मंगल के दक्षिणी ध्रुव की चोटी का पता लगाया।
- 1645 : स्वीडन और डेनमार्क ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- 1784 : भारत में प्रशासनिक सुधारों के लिए पिट्स इंडिया विधेयक ब्रिटिश संसद में पेश किया गया।
- 1814 : दासों के व्यापार को समाप्त करने के लिए ब्रिटेन और हॉलैंड के बीच समझौता।
- 1892 : अमेरिकी समाचार पत्र एफ्रो अमेरिकन का बाल्टीमोर से प्रकाशन शुरू।
- 1898 : जार्ज डेवी के नेतृत्व में अमेरिकी सेना ने फिलिपींस की राजधानी मनीला पर कब्जा किया।
- 1902 : इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को एक विकेट से हराकर ओवल में ऐतिहासिक जीत दर्ज की।
- 1095 : अफ्रीका को फ्रांस से मिली आजादी।
- 1913 : इंग्लैंड के हैरी ब्रेअर्ली शेफील्ड ने स्टेनलेस स्टील का आविष्कार किया।
- 1951 : भारत में निर्मित पहले विमान हिदुस्तान ट्रेनर 2 ने पहली उड़ान भरी।
- 1956 : लोकसभा में राष्ट्रीय राजमार्ग विधेयक पारित।
- 1960 : अफ्रीका फ्रांस के कब्जे से स्वतंत्र हुआ।
- 1993 : वाशिंगटन में इजरायल एवं फलस्तीन के बीच शांति समझौता।
- 1993 : थाईलैंड के नाखोन रचासिमा में होटल ढह जाने से 114 लोगों की मौत।
- 1994 : अमेरिका और उत्तर कोरिया के बीच जेनेवा में परमाणु निरस्त्रीकरण के संबंध में ऐतिहासिक सहमति।
- 1999 : लेखिका तसलीमा नसरीन की नई पुस्तक आमार मएबेला (मेरा बचपन) पर बंगलादेश सरकार ने प्रतिबंध लगाया।
- 2008 : विश्व की प्रमुख इस्पात कंपनी टाटा स्टील ने वियतनाम में संयुक्त रूप से इस्पात परिसर के निर्माण के लिए वहां की दो प्रमुख कंपनियों के साथ समझौता किया।
- 2008 : भारत ने मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर (एमबीआरएल) हथियार प्रणाली पिनाक का सफल परीक्षण किया।
- 2012 : लंदन में 30वें ओलंपिक खेलों का समापन हुआ।
- 2015 : इराक के बगदाद में एक ट्रक में बम विस्फोट से 76 लोग मारे गये और 212 अन्य घायल हुए।
- 2018 : प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ तथा 'भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी' के प्रमुख नेताओं में से एक सोमनाथ चटर्जी का निधन।

शहर >> अपडेट

15 को किया जायेगा सम्मानित

रांचीः पिठोरिया एजुकेशनल फाउंडेशन के द्वारा संचालित प्रेम मंजरी उच्च विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस सम्मान समारोह में प्रेम मंजरी उच्च विद्यालय के 2023 मैट्रिक परीक्षा के टॉपर आरफी तबस्सुम और रोनित को डॉ. विशेश्वर प्रसाद केसरी मेधावी सम्मान के तहत दोनों को पांच-पांच हजार की राशि व प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा। वही विज्ञान विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्ति के लिए हुस्ना हसीबी (बालिका वर्ग) और रोनित कुमार (बालक वर्ग) को राम किशोर साहू सह केसर देवी सम्मान के तहत दोनों को पंद्रह-पंद्रह सौ रुपए व प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा। इसके अलावा पिठोरिया क्षेत्र में स्तरीय शिक्षा के प्रचार-प्रसार में सक्रिय भूमिका निभाने वाले अमीर अंसारी पिरुटोला, बैजनाथ कुमार लोहरा पूलटोला राढ़हा, उमेश महतो सिमलबेड़ा राढ़हा, सुरेश मुंडा पुसु, प्रदीप पहन डहुडोला और मधु सिंह हेठकोनकी को शिक्षामित्र के सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

सफलता

जटिल ऑपरेशन कर डॉक्टरों ने बचायी जान

आठ साल के राहुल का रिम्स में क्रानियोसिनेस्टोसिस का ऑपरेशन सफल

राष्ट्रीय खबर

रांचीः राजधानी के सबसे बड़े अस्पताल रिम्स में क्रानियोसिनेस्टोसिस नाम के बीमारी से ग्रसित एक बच्चे का जटिल ऑपरेशन कर डॉक्टरों ने जान बचा ली है। डॉक्टर ने कहा कि यह बीमारी लाखों में एक लोगों को होती है। इसीलिए इसका इलाज भी काफी मुश्किल है। डॉक्टर सीबी सहाय के नेतृत्व में न्यूरोलॉजी विभाग के सभी डॉक्टरों ने इस जटिल और कठिन ऑपरेशन को सफल बनाया। राज्य का सबसे बड़े अस्पताल रिम्स आए दिन अपने कार्यों के लिए चर्चा का विषय बना रहता है। कभी यह अपने लापरवाही के लिए चर्चा का विषय बना रहता है तो कभी यह अपने अच्छे कार्यों के लिए जाना जाता है। शुक्रवार को भी रिम्स के डॉक्टरों ने एक जटिल और कठिन ऑपरेशन को सफलतापूर्वक कर रिम्स का नाम रोशन किया।

बचपन से ही थी बीमारीः दरअसल झालदा के 8 वर्षीय राहुल को जन्म से ही क्रानियोसिनेस्टोसिस नामक दुर्लभ बीमारी थी। पिछले आठ वर्षों से राहुल इस बीमारी से परेशान था। डॉक्टरों ने बताया इस बीमारी की वजह से मरीज के सिर का आकार काफी बिगड़ जाता है। जिस वजह से दिमाग का समुचित विकास भी नहीं हो पाता है। कुछ ऐसी ही स्थिति राहुल की हो गई थी। **थक हार कर पहुंचे थे रिम्सः** राहुल के माता-पिता ने बताया कि मरीज राहुल को कोलकाता, गुवाहाटी जैसे शहरों में इलाज करा कर थक गए। सभी डॉक्टरों ने हाथ खड़े कर दिए। कई जगह से हार कर उन्होंने अपने बच्चे को रिम्स में एडमिट कराया और डॉक्टर सीबी सहाय की निगरानी में बच्चे का इलाज शुरू करवाया।

इलाज में लाखों रुपये इलाज के नाम पर खर्च कर चुके थे। रुपये खर्च करने के बावजूद भी राहुल का इलाज नहीं हो पाया। कई जगहों से निराशा हाथ लगने के बाद मरीज रिम्स के न्यूरोलॉजी विभाग के डॉक्टर सीबी सहाय के यूनिट में भर्ती हुए। हड्डियों को **लाया गया आकार मेंः** कई दिनों तक चले इलाज के बाद डॉक्टर सीबी सहाय ने अपनी टीम के साथ मरीज के सिर का ऑपरेशन करने का निर्णय लिया। मरीज का ऑपरेशन बहुत ही जटिल और कठिन था। बावजूद डॉक्टरों ने यह निर्णय लिया और शुक्रवार को मरीज का सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया। डॉक्टर सीबी सहाय ने बताया कि ऑपरेशन में सिर की विभिन्न हड्डियों को काटकर सीधा किया गया साथ ही सही आकार में लाया गया। बच्चे को ऑपरेशन करने के बाद कई घंटे तक डॉक्टर के निगरानी में रखा गया। डॉक्टर ने बताया कि फिलहाल बच्चे की स्थिति सामान्य है और उन्हें उम्मीद है कि जल्द ही बच्चे को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया जाएगा।

जानिए क्या होता है क्रानियोसिनेस्टोसिसः यह एक प्रकार से जन्म दोष है, जिसमें बच्चे की खोपड़ी की हड्डियां बहुत जल्दी एक साथ जुड़ जाती है। यह शिशु का मस्तिष्क पूरी तरह विकसित होने से पहले होता है। जैसे-जैसे बच्चे का मस्तिष्क बढ़ता है, खोपड़ी अधिक विकृत हो सकती है। इसके अलावा जिनेटिक फैक्टर्स, सिंड्रोमिक या पर्यावरण से प्रभावित होने या फिर प्रीमैच्यूर बेबी के रूप में जन्म लेने से भी ये बीमारी हो सकती है। इस बीमारी के मुख्य लक्षण में सांस की समस्या, नींद ना आना, शारीरिक विकास में व्यवधान आना, आंखों की रोशनी कम होना भी शामिल है।

लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से रूट पास जारी किया जायेगा

राष्ट्रीय खबर

रांचीः एक प्रयास चल रहा है राजधानी को जाम मुक्त बनाने का। इस दिशा में, शहर में ई-रिक्शाओं की संख्या को को नियंत्रित किया जाएगा। ई- रिक्शाओं के लिए निश्चित मार्गों पर चलाने के लिए निगम द्वारा मान्यता प्राप्त रूट पास दिया जाएगा, जिससे वे विचारात्मक जम की स्थितियों से बच सकें। नगर में तीन बड़े फ्लाईओवर के निर्माण काम भी प्रगति पर हैं, जिनके उपयोग के मार्गों पर ई-रिक्शाओं की अधिकता से जाम की समस्या उत्पन्न हो रही है। इसलिए, उन्होंने शहर के प्रबंधकों से सभी मार्गों की सर्वेक्षण कराने का निर्देश दिया है। उनके बाद, एक लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से रूट पास जारी किया जाएगा। डीटीओ (प्रदेश ट्रांसपोर्ट पदाधिकारी) ने बताया कि अब हमें लगातार यह शिकायत मिल रही है कि बिना ड्राइविंग लाइसेंस के भी ई-रिक्शा चलाई जा रही है। 15 अगस्त के बाद, हर क्षेत्र में एक जांच अभियान चलाया जाएगा। इस समय के दौरान, यदि बिना लाइसेंस और परमिट के किसी ई-रिक्शा को पकड़ा जाता है, तो उसे जप्त कर लिया जाएगा।

झारखंड के नक्सल प्रभावित 15 जिलों में सरकार बांटेगी डीडी रिसीवर

राष्ट्रीय खबर

रांचीः विकास योजनाओं से जन-जन को जागरूक करने के लिए सरकार ने नई पहल की है। इसके तहत झारखंड के नक्सल प्रभावित 15 जिलों में सरकार मुफ्त में डीडी रिसीवर बांटेगी। ताकि इन क्षेत्रों के लोगों को टेलीविजन के माध्यम से सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी जा सके। ताकि लोग और अधिक जागरूक हों और सरकारी योजनाओं का बेहतर लाभ उठा सकें। जिन 15 जिलों को डीडी रिसीवर दी जायेगी, उनमें रांची, धनबाद, जमशेदपुर, बोकारो, चतरा, दुमका, गढ़वा, गिरिडीह, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, लातेहार, लोहरदगा, पलामू, सरायकेला और चाईबासा शामिल है। यह केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका राज्य में क्रियान्वयन होना है।

केंद्र की चिट्ठी के आधार पर झारखंड पुलिस मुख्यालय ने इन 15 जिलों के डीसी से रिपोर्ट मांगी है कि उनके जिले में कितने डीडी रिसीवर की आवश्यकता है। झारखंड के नक्सल प्रभावित 15 जिलों में कितने डीडी रिसीवर की जरुरत है, इसकी रिपोर्ट केंद्र सरकार को भेजी जायेगी। जिसके आधार पर केंद्र सरकार नक्सल क्षेत्रों में डीडी रिसीवर बांटने के लिए देगी। गौरतलब है कि नक्सल क्षेत्रों के विकास के लिए सरकार की ओर से कई योजनाएं चलायी जा रही हैं। इन योजनाओं के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में पुल-पुलिया, सड़कें व बांध, शिक्षा के लिए स्कूल भवन आदि का निर्माण कराया जा रहा है। वहीं स्किल डेवलपमेंट के तहत कई युवाओं को पुलिस की देखरेख में मेसन, फिटर, कंप्यूटर ऑपरेटर, चालक आदि के प्रशिक्षण की व्यवस्था भी की जा रही है। इतना ही नहीं, सेल्फ इंप्लोयमेंट के लिए मैकेनिक, कारपेंटर, ड्राइविंग, मछली पालन, मुर्गी पालन, नर्सिंग, टेलरिंग के प्रशिक्षण की व्यवस्था की जा रही है।

झारखंड युवा सदन के अंतर्गत दो दिवसीय सीएसआर कॉन्क्लेव 23 का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय खबर

रांचीः आईआईटी रांची तथा झारखंड युवा सदन के द्वारा दो दिवसीय सीएसआर कॉन्क्लेव 23 का आयोजन हुआ। जिसमें 10 से अधिक कॉरपोरेट कंपनियां एवं 50 से अधिक एनजीओ तथा गैर-लाभकारी संगठन, स्वैच्छिक संगठन, समाजिक संगठन, सिविल सोसाइटी संगठन या गैर-लाभकारी संगठन सम्मिलित हुए इस कार्यक्रम में सीएसआर के क्षेत्र में क्या-क्या संभावना हो सकती है, इस पर चर्चा की गई। मंत्री आलमारी आलम ने कहा की आईआईआईटी रांची तथा युवा सदन तमाम युवा द्वारा सीएसआर कांक्लेव सभी कॉरपोरेट कंपनियां तथा सभी एनजीओ, स्वैच्छिक संगठन, समाजिक संगठन, सिविल सोसाइटी संगठन या गैर-लाभकारी संगठन के लिए सुनहरा अवसर है। वहीं जिंदल स्टील फाउंडेशन के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर प्रशांत होता ने कहा कि जिंदल स्टील फाउंडेशन सामाजिक कार्यो के लिए सक्रिय है, और सदैव सामाजिक कार्यों में अपनी भागीदारी देती है। वही युवा सदन के डायरेक्टर आकाश पांडे ने कहा कि युवा सदन सदैव युवाओं को आगे बढ़ने का कार्य किया और अब सभी गैर-लाभकारी संगठन तथा एनजीओ साथ लेकर सामाजिक कार्यों को धरातल पर उतारने का कार्य करेंगे।

18000 पंचायत सचिवालय स्वयं सेवक ने पांच मांगों के साथ भिक्षाटन किया

राष्ट्रीय खबर

रांचीः 18000 पंचायत सचिवालय स्वयं सेवक ने शनिवार को पांच मांगों के साथ भिक्षाटन किया। वे मोराहबादी में एकत्रित हुए और फिर सभी एक कटोरा लेकर राजभवन पहुंचे, जहां अल्बर्ट एक्का चौक से होते हुए अध्यक्ष चंद्रदीप कुमार ने घोषणा की कि 8 जुलाई से वे अनिश्चितकालीन धरना पर बैठेंगे। वे बताए कि सरकार ने उनकी मांगों को नहीं सुना, इसलिए वे भिक्षाटन कर रहे हैं। यदि सरकार इसे भी नहीं सुनती है, तो वे मुख्यमंत्री आवास को घेरेंगे। इसके पीछे का मकसद है कि सरकार रोजगार के अवसर प्रदान करे, ताकि राज्य की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके। वे कहते हैं कि राजनीति ने सामाजिक और धार्मिक बाँटवारे का सबब बना दिया है, लेकिन लोगों को ऊपर उठना होगा। उनका मानना है कि पंचायत सेवकों को एकजुट होना होगा, ताकि सरकार उनकी मांगों को सुने। वे निर्धन नहीं बैठने देंगे और उन्होंने आश्वासन दिया कि 15 अगस्त के बाद वे सीएम से बातचीत करेंगे।

सम्मानित > इस वर्ष 2023 में देश भर के 140 पुलिसकर्मियों को यह सम्मान प्राप्त हुआ है

सिटी एसपी शुभांशु जैन समेत दो अधिकारी केंद्रीय गृह मंत्री पदक से सम्मानित

राष्ट्रीय खबर

रांचीः रांची सिटी के एसपी शुभांशु जैन और इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिंह को उनकी जांच के उत्कृष्टता के लिए केंद्रीय गृह मंत्री पदक से सम्मानित किया गया है, जिसका आज शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने घोषणा की है। इस वर्ष 2023 में देश भर के 140 पुलिसकर्मियों को यह सम्मान प्राप्त हुआ है, जिनमें से 22 महिला पुलिस अधिकारी भी शामिल हैं। इनमें सीबीआई के 15, एनआईए के 12, उत्तर प्रदेश के 10, केरल और राजस्थान के 9-9, तमिलनाडु के 8, मध्य प्रदेश के 7, गुजरात के 6, झारखंड के 2 और बिहार के 4 पुलिसकर्मी शामिल हैं। इसके साथ ही, अन्य राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और संगठनों के पुलिसकर्मियों को भी सम्मानित किया गया है।

जमशेदपुर के गोलमुरी थाना क्षेत्र में सनी 2022 की 21 जुलाई रात को नौ बजे पुलिस ने सविता रानी हेम्ब्रम (36), उनकी मां लखीया मुर्मू (60) और सविता की बेटी गीता हेम्ब्रम (13) की हत्या की खबर आई थी। तीनों की हत्या धारदार हथियारों से की गई थी। सविता के पति कैलाश हेम्ब्रम की 14 साल पहले जादूगोड़ा मेला में उग्रवादियों ने हत्या कर दी थी। सविता को अनुकंपा पर नौकरी मिली थी और वह सविता एसपी कार्यालय के शिकायत कोषांग में काम कर रही थी।

इस घटना के बाद, गोलमुरी थाना में मामला दर्ज करते हुए जमशेदपुर के तत्कालीन एएसपी शुभांशु जैन ने एसआईटी का गठन किया था। सिटी एसपी विजय शंकर मामले की मॉनिटरिंग कर रहे थे। सीसीआर के डीएसपी, मुख्यालय टू डीएसपी, और कई थाना प्रभारियों को भी इस मामले में शामिल किया गया था। पुलिस की जांच में यह खुलासा हुआ था कि महिला क्लर्क सविता महतो, उनकी बेटी गीता और मां लखिया मुर्मू की हत्या गियर लीवर से की गई थी। सविता के घनिष्ठ आरक्षी चालक दोस्त राम चंद्र सिंह जमुदा (सोनारी कागलनगर निवासी) ने इस हत्या का आरोप स्वीकार किया था। जमुदा को शक था कि सविता उसके साथ किसी और से भी बात कर रही है, जिसके कारण उसने सविता को पहले मार डाला, फिर उसकी बेटी को और अंत में उसकी मां को मार डाला। इसके बाद जमुदा ने घर के दरवाजे को बाहर से ताले से बंद कर दिया और फरार हो गया।

सैयद शमायल का एयरपोर्ट में स्वागत

रांचीः पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सैयद शमायल अहमद आदिवासी दिवस के समापन समारोह में शामिल होने के लिए आज रांची पहुंचे। हवाई अड्डे पर पासवा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे के नेतृत्व में में पासवा के प्रदेश स्तरीय पदाधिकारी, निजी विद्यालय के संचालक एवं पासवा के कार्यकर्ताओं ने माला और फूल के बुके से उनका स्वागत किया। पासवा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक दूबे ने रांची हवाई अड्डे पर उनका स्वागत करते हुए कहा कि उनका आगमन से कार्यकताओं,एक्टिव वॉलिंटियर्स में नया जोश एवं नये उत्साह से कार्य करने में प्रेरणा मिलती है। स्वागत करने वालों में डॉ सुषमा केरकेट्टा, संजय प्रसाद, प्रतिमा राय तथा सुश्री आशा भगत आदि शामिल थी।

न्यूज फटाफट

नियुक्ति के बाद योगदान नहीं करने वाले डॉक्टरों पर होगी सख्त कार्रवाई

रांचीः नियुक्ति के बाद योगदान नहीं देने वाले चिकित्सकों पर कार्रवाई करते हुए उन्हें सरकारी सेवा से सदा के लिए वंचित किया जा सकता है। उनका मेडिकल लाइसेंस रद्द करने के लिए राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) को अनुशंसा भी भेजी जा सकती है। स्वास्थ्य विभाग इसकी तैयारी की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग के द्वारा बीते अप्रैल में 171 चिकित्सकों का पदस्थापन राज्य के विभिन्न जिलों में अवस्थित स्वास्थ्य केंद्रों में किया गया था। बतौर चिकित्सा पदाधिकारी नियुक्त किए गए सभी चिकित्सकों को अधिकतम 24 अप्रैल तक प्रभार ग्रहण सुनिश्चित करना था। अन्यथा नियुक्ति आदेश विलोपित किए जाने का प्रावधान किया गया था। लेकिन पदस्थापन के चार माह बीत जाने के बाद भी 171 में से 29 चिकित्सकों ने प्रभार ग्रहण नहीं किया है। स्वास्थ्य विभाग के अपर सचिव जय किशोर प्रसाद ने प्रभार ग्रहण नहीं करने वाले सभी चिकित्सकों को निर्देश जारी किया है। इसमें उन्होंने कहा है कि पदस्थापन स्थल पर प्रभार ग्रहण नहीं करने के संबंध में सभी चिकित्सक अपना स्पष्टीकरण संबंधित जिला के सिविल सर्जन को उपलब्ध कराते हुए 15 अगस्त तक पदस्थापित स्थान पर प्रभार ग्रहण करना सुनिश्चित करेंगे। जिन जिलों में चिकित्सकों ने योगदान नहीं दिया है। उसमें बोकारो में 5, पश्चिमी सिंहभूम में 4, गुमला व धनबाद में 3-3, पूर्वी सिंहभूम, रामगढ़, गिरडीह व जामताड़ा में 2-2, जबकि, रांची, चतरा, लोहरदगा, साहेबगंज, पाकुड़, सरायकेला व गढ़वा में 1-1 चिकित्सकों ने प्रभार ग्रहण नहीं किया हैं। अपर सचिव ने उक्त अवधि, यानी 15 अगस्त तक प्रभार ग्रहण नहीं करने वाले चिकित्सकों से भी दुबारा स्पष्टीकरण मांगा है। स्पष्ट कहा है कि 15 अगस्त तक योगदान नहीं करने की स्थिति में यह स्पष्टीकरण उपलब्ध करावें कि योगदान नहीं करने के कारण क्यों न आपको सरकारी सेवा से सदा के लिए प्रतिबंधित कर दिया जाए।

प्रकाश उच्च विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

रांचीः प्रकाश उच्च विद्यालय हुलहुण्डु में शिक्षक अमित नाग एवम विज्ञान शिक्षकों की अगुवाई में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घघाटन फादर मनोज कुल्लू ने किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि आज दुनिया इतना तरक्की कर पाई है तो विज्ञान के दम पर ही कर पाई है। उन्होंने प्रदर्शनी में भाग लिये छात्रों का उत्साहवर्धन किया। प्रदर्शनी को देखने फातिमा स्कूल ,संत व जोसेफ उच्च विद्यालय के शिक्षक भी पहुंचे। प्रदर्शनी में मुख्य अतिथि के रूप में सिस्टर ललिता डीएसए ने कहा कि इस तरह का कार्यक्रम हर स्कूल में होना चाहिए क्योंकि प्रयोग से बच्चे और जल्दी समझते है। न सिर्फ विज्ञान बल्कि कला के क्षेत्र में भी ऐसे कार्यक्रम करना चाहिए। इससे बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। प्रतियोगिता में सिस्टर ललिता, कुसुम हेमरोम और अर्पणा ने जज की भूमिका निभाई। कार्यक्रम को सफल बनाने में पैत्रिक समद,रोशन, स्वेता,रूबल, हेंरिका सोरेंग ,विनय कुजूर,कुलदीप तिर्की, बिनीता,उर्मिला,विजय टोप्पो,एवम सभी बच्चों की अहम भूमिका रही।

जिलास्तरीय पदों पर नियुक्ति में ओबीसी अब ईडब्ल्यूएस आवेदन कर सकेंग

रांचीः झारखंड के जिन सात जिलों में पिछड़ों और अत्यंत पिछड़ों का जिला स्तरीय पदों के लिए आरक्षण शून्य है। वहां के युवा नियुक्तियों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के रूप में आवेदन कर सकेंगे। उन्हें 60 फीसदी आरक्षण के अतिरिक्त आरक्षण नहीं मिलेगा। ये सात जिले हैं-लोहरदगा, गुमला, खूंटी, सिमडेगा, दुमका, पश्चिमी सिंहभूम और लातेहार। राज्य में फिलहाल 60 फीसदी सीटें आरक्षित हैं। 40 फीसदी सीटें ओपेन मेरिट से भरी जाती है। आरक्षण के प्रावधान के अनुसार अनुसूचित जाति के लिए 10, अनुसूचित जनजाति के लिए 26, अत्यंत पिछड़ा वर्ग के लिए आठ और पिछड़ा वर्ग के लिए छह फीसदी सीटें आरक्षित है। यह प्रावधान केंद्र सरकार की तर्ज पर किया गया है। केंद्र ने राज्यों में अधिसूचित जातियां जो केंद्र सरकार में उसी वर्ग के रूप में अधिसूचित नहीं है, उसे ईडब्ल्यूएस माना है। इस आशय के प्रस्ताव पर शुक्रवार को कैबिनेट ने मंजूरी दी। एक अन्य फैसले में कैबिनेट ने बिजली बिल बकाया भुगतान की वन टाइम सेटलमेंट योजना को जुलाई से सितंबर तक तीन माह का अवधि विस्तार दे दिया है। कैबिनेट में कुल 30 प्रस्तावों पर स्वीकृति दी गई। जिन कर्मचारियों का चयन एक दिसंबर 2004 से पहले हो गया था, लेकिन नियुक्ति पत्र देने में विलंब हुआ। वे एक दिसंबर 2004 के बाद झारखंड सरकार की सेवा में आए, उन्हें भी ओल्ड पेंशन स्कीम का लाभ मिलेगा।

एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य मूल भाव को आत्मसात करने का संकल्प

रांची :राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाबदेही के मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित एक सुनहरे और समृद्ध भारत की रूपरेखा है। वहीं भारत की जी-20 प्रेसिडेंसी शिखर वार्ता सम्मेलन वसुधैव कुटुंबकम से जुड़ी ह्यएक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्यह्ल जैसे अमूल्य विचार को मूर्त रूप देकर एक समावेशी स्वच्छ, हरित और साझा वैश्विक भविष्य के साथ-साथ एक बेहतर पर्यावरणीय जीवन शैली अपनाने व बनाने के कृत संकल्पित होकर अग्रसर है। इस श्रेष्ठ विचारों को छात्र-छात्रों में संपोषित कर उनमें नेतृत्त्व कौशल को विकसित करने, एक आलोचक के रूप में प्रोत्साहित करने, वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा करने, सतत विकास के विचारों पर विचार-मंथन और राष्ट्रों के बीच सहयोग के महत्त्व को समझने के उद्देश्य से रांची सहोदया स्कूल काम्प्लेक्स समूह के तत्वावधान में ह्वद क्रियेटिविटी कॉनक्लेवश्च के अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों में विगत चार दिन से चल रहे जी20 प्रेसीडेंसी गतिविधि सप्ताह और एनईपी-2020 की तीसरी वर्षगांठ समारोह का महा आयोजन समाप्त हो गया। जवाहर विद्यामंदिर श्यामली के दयानंद प्रेक्षागृह में हुए भव्य समापन समारोह में मुख्य अतिथि आइआइएम पुंदाग, राची के निदेशक दीपक कुमार श्रीवास्तव, आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी के वाईस चांसलर सुचितांसु चटर्जी, जवाहर विद्या मंदिर, श्यामली के विद्यालय प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा, सहोदया समूह के अध्यक्ष सह जवाहर विद्या मंदिर, श्यामली के प्राचार्य समरजीत जाना, उपाध्यक्ष सह डीएवी गांधी नगर के प्राचार्य एस के सिन्हा, सचिव सह टॉरिन वर्ल्ड स्कूल के प्राचार्य डॉ सुभाष कुमार, कोषाध्यक्ष सह फिरायालाल पब्लिक स्कूल के प्राचार्य नीरज कुमार सिन्हा एवं संयुक्त कोषाध्यक्ष सह लोयला कान्वेंट विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती पारोमिता साहा के कर कमलों द्वारा सामूहिक रूप से दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जिसके साक्षी झारखंड के विभिन्न जिलों विद्यालयों से आए 40 प्राचार्य गण, 32 निर्णायक मंडली एवं 27 टीम के 200 विजेता प्रतिभागी बने। सभी मुख्य अतिथि एवं आगंतुक प्राचार्यों को स्मृति चिह्न, बाल वृक्ष और अंग वस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

शोंडिक राष्ट्रीय सम्मेलन सह सम्मान समारोह की तैयारी को लेकर बैठक

रांचीः अखिल भारतीय शोंडिक राष्ट्रीय सम्मेलन सह सम्मान समारोह की तैयारी जोरों पर है। तैयारियों की समीक्षा के लिए लोहरदगा और गुमला में बैठक की गयी। प्रदेश महामंत्री उमेश साहु, उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता बीरेंद्र साहु, अरुण देव कुमार, दिलीप नाथ साहु के साथ लोहरदगा पवरगंज चौक में तैयारियों की समीक्षा के लिए बैठक की गयी। शोंडिक संघ के जिला अध्यक्ष नंदकिशोर प्रसाद की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में झारखंड प्रदेश शोंडिक संघ द्वारा आयोजित अखिल भारतीय शोंडिक राष्ट्रीय सम्मेलन सह सम्मान समारोह में शामिल होकर अपने जिला के आवाज को बुलंद करने की अपील की गयी। बैठक में नंद किशोर साहु, गोवर्धन प्रसाद साहु, मुकेश साहु, प्रकाश साहु, कृष्णा मोहन साहु, उपेन्द्र प्रसाद ,गुप्तेश्वर प्रसाद गुप्ता, राजेश कुमार साहु, पंकज साहु, चंद्रभूषण प्रसाद, लक्ष्मी नारायण साहु, परमानंद कुमार, गंगा प्रसाद, विश्वनाथ प्रसाद गुप्ता, कमलेश प्रसाद साहु, ग्रीन साहु, उमेश प्रसाद साहु, नवल किशोर प्रसाद, नन्द लाल साहु, अनिल साहु, बद्री गुलशन, रमेश लाल, तापस लाल, महावीर साहु अनिल साहु, संदीप प्रसाद, उदय प्रसाद, अमर कुमार, राजेन्द्र प्रसाद, बसंत लाल आदि उपस्थित थे।